शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 19 सितंबर 2025 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 162 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.0	23.0
डालटनगंज	33.0	24.0
धनबाद	32.2	25.6

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

नीरज का फीका प्रदर्शन, सचिन पदक से चूके

टोक्यो। टोक्यों वर्ल्ड एथलेटिक्स के जैवलिन थ्रो फाइनल में नीरज चोपड़ा का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. नीरज आठवें स्थान पर रहे. नीरज का बेस्ट थ्रो 84.03 मीटर का रहा. इसमें भारत के सचिन यादव भी भाग लिया. सचिन ने अच्छा प्रदर्शन किया और चौथे नंबर पर रहे. सचिन का बेस्ट थ्रो 86.27 मीटर रहा, जो उनका पर्सनल बेस्ट भी है. वाल्कॉट (88.16) ने गोल्ड मेडल जीता.

इस्तीफा दो, तभी मिलेगा हेलीकॉप्टर

काठमांडू। नेपाल में हुए जेन जेड आंदोलन के बाद तत्कालीन पीएम केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था. जब सड़कों पर ओली के खिलाफ गुस्सा भड़का, तो ओली ने सेना प्रमुख को फोन करके राजधानी से हेलीकॉप्टर उड़ाने का अनुरोध किया. लेकिन सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल का जवाब बेहद सख़्त था. सेना प्रमुख ने कहा, आपके इस्तीफ़े के बाद ही हेलीकॉप्टर मिलेगा. 8 सितंबर से शुरू हुए जेनरेशन जेड प्रदर्शनकारियों के आंदोलन ने केपी शर्मा ओली को हाशिए पर धकेल दिया.

मोदी ने की नेपाली पीएम से फोन पर बात

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेपाल की पीएम सुशीला कार्की से बात की. इस दौरान मोदी ने शांति और स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की. मोदी ने एक्स पर लिखा, नेपाल सरकार की पीएम सुशीला कार्की के साथ गर्मजोशी से बात हुई. हाल ही में हुई दुखद जनहानि पर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और शांति एवं स्थिरता बहाल करने के उनके प्रयासों के प्रति भारत के दृढ़ समर्थन की पुष्टि की.

सऊदी-पाकिस्तान के करार पर भारत की नजर

नयी दिल्ली। सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक अहम रक्षा समझौता हुआ है, जिसे स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट नाम दिया गया है. यह समझौता रियाद में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद और पाकिस्तानी पीएम शहबाज़ शरीफ के बीच हस्ताक्षरित हुआ. इस दौरान पाकिस्तानी आर्मी चीफ आसिम मुनीर भी मौजूद रहे. इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने सऊदी और पाक के समझौते की खबरें देखी हैं. भारत की घटनाक्रम पर पूरी नजर है.

झारखंड कैबिनेट की बैठक 24 सितंबर को

रांची। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा सूचित किया गया है कि मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार 24 सितंबर को अपराह्न 03:00 बजे से झारखंड मंत्रालय (प्रोजेक्ट भवन) स्थित मंत्रिपरिषद कक्ष में होगी. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूर्ण एजेंड़ों और फैसलों पर मुहर लगने की संभावना है.

क्या 90% नौकरियां खा जाएगी एआई? मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट से उठे सवाल

शुभम संदेश डेस्क

दुनिया भर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक जिस तेजी से अपनी पकड़ बना रही है, उसने श्रम बाजार, कंपनियों और वैश्विक व्यापार पर गहरा असर डालना शुरू कर दिया है. मॉर्गन स्टेनली ने अपनी हालिया रिसर्च रिपोर्ट में एआई को वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे परिवर्तनकारी शक्तियों में से एक करार दिया है. रिपोर्ट के अनुसार, एआई 90 प्रतिशत व्यवसायों को प्रभावित कर सकता है. लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह तकनीक केवल नौकरियां खत्म करेगी या फिर नए अवसर भी पैदा करेगी.

एआई से पूंजीकरण बाजार में 16 ट्रिलियन डॉलर तक की वृद्धि संभव

मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई के इस्तेमाल से लंबी अवधि में अकेले एसएंडपी 500 (एस एंड पी 500) कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 13 ट्रिलियन डॉलर से 16 ट्रिलियन डॉलर तक की वृद्धि हो सकती है. इसके अलावा, एआई को पूरी तरह अपनाने से 920 अरब डॉलर का वार्षिक शुद्ध लाभ हासिल होने की संभावना है. इसमें से 490 अरब डॉलर का लाभ एजेंटिक एआई से आएगा, जो न्यूनतम मानवीय निगरानी के साथ योजना बनाने, निर्णय लेने और कार्य निष्पादन करने में सक्षम सॉफ्टवेयर है. वहीं 430 अरब डॉलर का लाभ उन तकनीकों से होगा, जो मानव जैसे रोबोट की तरह काम करती हैं.

उत्पादकता बढ़ेगी या नौकरियां जाएंगी

रिपोर्ट में कहा गया है कि जैसे-जैसे कंपनियां एआई में अरबों डॉलर का निवेश कर रही हैं, निवेशकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह तकनीकी क्रांति उत्पादकता और मुनाफे को नई ऊंचाई तक ले जाएगी, या केवल नौकरियों को निगल जाएगी. हालांकि रिपोर्ट ने एक आशावादी दृष्टिकोण पेश किया है. इसमें कहा गया है कि एआई न सिर्फ नौकरियों को खत्म करेगा बल्कि नए तरह की भूमिकाएं और अवसर भी पैदा करेगा.

तकनीकी क्रांति नए पेशे भी लाती है

मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि विद्युतीकरण से लेकर इंटरनेट तक, हर तकनीकी क्रांति ने रोजगार को नया रूप दिया है. एआई भी इसी राह पर है. यह सच है कि कुछ नौकरियां खत्म होंगी, लेकिन पूरी तरह से नए पेशों का सृजन होगा और अलग तरह की कौशल की मांग बढ़ेगी. रिपोर्ट का कहना है कि कंपनियां पहले ही चीफ एआई ऑफिसर जैसे नए पदों का सृजन कर रही हैं. इसके अलावा डेटा गवर्नेंस, अनुपालन (कंप्लायंस) और सूचना सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में एआई की वजह से नए अवसर सामने आ रहे हैं.

एआई से प्रभावित होने वाले प्रमुख क्षेत्र : मॉर्गन स्टेनली ने तीन प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की है, जहां एआई से मूल्य निर्धारण और परिचालन में सबसे अधिक बदलाव आने की संभावना है: **उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण और खुदरा क्षेत्र**–यहां सप्लाई चेन अनुकूलन और व्यक्तिगत मूल्य निर्धारण एआई के जरिए और सटीक होंगे. **रियल एस्टेट प्रबंधन और विकास**– मानवीय सहायता से लेकर संपत्ति प्रबंधन तक, एआई नए समाधान प्रस्तुत करेगा. **परिवहन और लॉजिस्टिक्स**–स्वायत्त (ऑटोनॉमस) डिलीवरी सिस्टम से परिचालन का ढांचा पूरी तरह बदल सकता है.

एआई क्षमताएं हर सात महीने में दोगुनी : रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि एआई की क्षमताएं हर सात महीने में दोगुनी हो रही हैं. ऐसे में कंपनियों और निवेशकों के लिए जरूरी है कि वे अपनी रणनीति में तेजी से बदलाव करें और एआई अपनाने की क्षमता पर बारीकी से नज़र रखें. मॉर्गन स्टेनली का कहना है कि अभी भी एआई की सुधार गति और मूल्य सृजन की संभावनाओं को कम आंका जा रहा है. आने वाले समय में इसका प्रभाव और भी बड़ा हो सकता है.

नौकरियां जाएंगी या नए अवसर मिलेंगे : सबसे अहम सवाल यही है कि क्या एआई 90 प्रतिशत नौकरियां खत्म कर देगा? रिपोर्ट का जवाब है—नहीं। एआई नौकरियां पूरी तरह नहीं मिटाएगा, बल्कि उन्हें बदलेगा. कुछ भूमिकाएं स्वचालित होंगी, तो कई नई भूमिकाएं जन्म लेंगी. जैसे पहले की तकनीकी क्रांतियों में हुआ था, वैसे ही एआई भी श्रम बाजार को एक नई दिशा देगा. इसलिए सरकारों, कंपनियों और श्रमिकों को समय रहते कौशल उन्नयन और प्रशिक्षण पर ध्यान देना होगा.

चुनाव आयोग पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फोड़ा नया बम

दो प्रदेश, दो सीटें, 12 हजार वोटों का हुआ 'फर्जीवाड़ा'

एजेंसियां। नयी दिल्ली

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बड़े पैमाने पर 'वोट चोरी' का आरोप लगाया है. उन्होंने दावा किया था कि वे वोट चोरी का हाइड्रोजन बम फोड़ेंगे लेकिन गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए राहुल ने कहा कि हाइड्रोजन बम आ रहा है. राहुल गांधी ने कर्नाटक और महाराष्ट्र के दो निर्वाचन क्षेत्रों में वोट चोरी होने का दावा किया. उन्होंने कहा, कर्नाटक के अलंद निर्वाचन क्षेत्र में 6018 वोटर्स के नाम डिलीट करने की कोशिश की गई. वोटर्स के नाम डिलीट करने के लिए कर्नाटक के बाहर के मोबाइल नंबर्स का प्रयोग किया गया. उन्होंने कहा कि वोट डिलीट किया जाता है, तो विपक्ष को टारगेट किया जाता है. जिन इलाकों में कांग्रेस मजबूत है, वहां के वोटर्स को टारगेट किया गया है.

राहुल गांधी ने कहा, कर्नाटक के अलंद निर्वाचन क्षेत्र में वोट चोरी पकड़ी गई. पता लगाया गया कि वोटर को किसने डिलीट किया, तो पता चला कि पड़ोसी ने वोटर को डिलीट किया. कोई न कोई किसी ने अलंद में वोटर डिलीशन सिस्टमेटिकली ऑर्गनाइज तरीके से किया. पता लगा कि फाइलिंग ऑनलाइन हो रही है. उन्होंने कहा कि वोटर्स के नाम डिलीट करने के लिए मोबाइल नंबर दूसरे राज्य के प्रयोग में लाए जा रहे हैं, वो कर्नाटक के नहीं थे. नंबर पर फोन करने पर रिप्लाई नहीं आता है.

एक सिस्टम, दो राज्य... राहुल गांधी ने कहा, जो तरीका कर्नाटक के अलंद में प्रयोग में लगाया गया, महाराष्ट्र में उसी सिस्टम के तहत वोटर जोड़े गए हैं. अलंद में डिलीट किए गए और राजुरा में जोड़े गए. राहुल गांधी ने दावा किया कि राजुरा में 6850 वोटर्स जोड़े गए. उन्होंने कहा, गोदा बाई के नाम पर 12 वोटर्स डिलीट किए गए और इनको मालूम ही नहीं कि इनके नाम पर वोटर्स डिलीट किए गए. सवाल ये है कि ये नंबर किसके हैं और किसने ऑपरेट किए, आईपी एड्रेस क्या था और ओटीपी किसने शेयर किया. सूर्यकांत नाम के शख्स के नाम से 12 वोटर्स को 14 मिनट में डिलीट कर दिया गया. बबिता चौधरी के नाम एक वोटर डिलीट किया गया. जब हमने उनसे पूछा कि आपने ये कैसे किया, तो उन्होंने बताया कि हमने तो ये किया ही नहीं. हमको मालूम ही नहीं है.

सॉफ्टवेयर से हो रहा सारा काम...

राहुल गांधी ने कहा, वोटर लिस्ट में जो पहले नंबर पर है, वही वोटर्स डिलीट कर रहा है. ये सारा काम सॉफ्टवेयर से किया जा रहा है. पहले नाम का प्रयोग करके ये हो रहा है. टारगेटेड डिलीशन किए जा रहे हैं. जहां पर कांग्रेस सबसे ज्यादा मजबूत थी, उस बूथ को टारगेट किया गया. 2018 में जिन 10 बूथों में से कांग्रेस 8 पर जीती थी, इन आठ बूथों पर 6000 लोगों को डिलीट करने की कोशिश की गई. ये प्लान के तहत हो रहा है. उन्होंने आगे कहा कि हमारे दिगाम में पहले था कि क्या चुनाव आयोग भी सोया हुआ है लेकिन नहीं, सोए नहीं हैं, जगे हुए हैं. ये सब सिस्टम के तहत हो रहा है. चीफ इलेक्शन कमीश्नर ज्ञानेश कुमार के बारे में मैंने बोला कि ये शख्स वोट चोरों की रक्षा कर रहा है. मैं यहां पर जो बोल रहा हूं, सौ फीसदी सुबूत के साथ बोल रहा हूं.

राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस की बड़ी बातें

- मुख्य चुनाव आयुक्त उन लोगों को 'बचा रहे' हैं, जिन्होंने भारतीय लोकतंत्र को नष्ट किया है.
- कुछ लोग लाखों मतदाताओं के नाम हटाने के लिए उन्हें सुनियोजित तरीके से निशाना बना रहे हैं.
- अल्पसंख्यकों, आदिवासियों व दलित निशाने पर हैं.
- कर्नाटक के अलंद में कांग्रेस के वोटरों को निशाना बनाने के लिए फर्जी लोगों द्वारा 6018 वोट हटाने के आवेदन दिए गए.
- वोटों को हटाने का काम किसी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि सॉफ्ट वेयर का इस्तेमाल करके केंद्रीकृत तरीके से किया गया.
- कांग्रेस के गढ़ में योजनाबद्ध तरीके से वोटों को हटाया गया.
- कर्नाटक सीआईडी ने चुनाव आयोग से वोटों को हटाने के विवरण मांगते हुए जांच शुरू कर दी, लेकिन चुनाव आयोग विवरण नहीं दे रहा है.
- चुनाव आयोग वोटरों के नाम हटाने का विवरण न देकर लोकतंत्र के 'हत्यारों' का बचाव कर रहा है.
- कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए गए. मुख्य चुनाव आयुक्त को भारतीय लोकतंत्र की हत्या करने वाले लोगों की रक्षा करना बंद करना चाहिए.
- यह वोटों को हटाकर 'वोट चोरी' का एक और उदाहरण है. मुख्य चुनाव आयुक्त को एक हफ्ते के भीतर 'वोट हटाने' का विवरण देना चाहिए.
- हमारा काम आपके सामने सच्चाई पेश करना है. अन्य संस्थाएं भी हैं, जिन्हें हस्तक्षेप करना चाहिए.
- मेरा काम लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाग लेना है. संवैधानिक संस्थाएं अपना काम ठीक से नहीं कर रही हैं.
- एक देशभक्त भारतीय नागरिक होने के नाते, जो संविधान से प्रेम करता है, लोकतंत्र की रक्षा के लिए सच्चाई सामने लाना मेरा कर्तव्य है.
- लोकतंत्र को केवल भारत के लोग ही बचा सकते हैं. जिस दिन उन्हें यह एहसास होगा कि लोकतंत्र और संविधान की चोरी हो रही है, काम हो जाएगा.

राहुल के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार

राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार किया है. बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी देश की जनता का अपमान कर रहे हैं. वह देश का अपमान कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को देश की संवैधानिक संस्थाओं पर विश्वास नहीं है. इससे पहले भी बीजेपी ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों को राहुल गांधी की आलोचना की थी.

चुनाव आयोग का जवाब राहुल के आरोप निराधार

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी द्वारा सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ लगाए गए आरोपों को निराधार और गलत करार दिया है. आरोपों का जवाब देते हुए आयोग ने बयान जारी किया है. आयोग ने राहुल के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि सीईसी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप निराधार और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं. आयोग ने कहा, राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप गलत और बेबुनियाद हैं. किसी भी वोट को ऑनलाइन डिलीट नहीं हो सकता. जनता ऐसा नहीं कर सकती, जैसा कि राहुल ने समझा है. वोट डिलीट करने से पहले प्रभावित को पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाता है. साल 2023 में अलंद में वोट डिलीट करने की नाकाम कोशिशें हुई थीं. इस मामले में आयोग ने खुद एफआईआर दर्ज कराई थी. 2018 में अलंद सीट भाजपा के सुभाष गुट्टेदार ने जीती थी और 2023 में कांग्रेस के बीआर पाटिल ने जीत हासिल की थी.

रांची में बोले सीडीएस चौहान-सेना में काबिलियत से ही मिलती है पहचान

फौज में भाई-भतीजावाद नहीं

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची में एक कार्यक्रम के दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने गुरुवार को कहा कि सेना ही वह जगह है जहां भाई-भतीजावाद या पक्षपात नहीं होता. उन्होंने बताया कि फौज में हर किसी की पहचान उसकी काबिलियत और मेहनत से होती है, न कि रिश्तों या सिफारिशों से. जनरल अनिल चौहान ने युवाओं से देशसेवा के लिए सेना में शामिल होने का आह्वान किया. उन्होंने यह भी कहा कि सेना में अनुशासन और ईमानदारी ही सबसे बड़ी ताकत है, जो इसे बाकी संस्थानों से अलग बनाती है.

7 मई को सुबह 1 बजे किया गया ऑपरेशन सिंदूर का पहला हमला : इस दौरान जनरल अनिल चौहान ने कहा कि अगर बच्चे भारत और दुनिया को जानना चाहते हैं, तो उन्हें सशस्त्र बलों में शामिल होने की इच्छा रखनी चाहिए. वहीं ऑपरेशन सिंदूर पर बोलते हुए उन्होंने कहा,

ऑपरेशन सिंदूर का पहला हमला 7 मई को सुबह 1 बजे किया गया ताकि नागरिकों को होने वाले नुकसान से बचा जा सके.

डिफेंस एक्सपो - ईस्ट टेक 2025 में होंगे शामिल : बता दें कि सीडीएस जनरल अनिल चौहान शुक्रवार से रांची में शुरू हो रहे तीन दिवसीय डिफेंस एक्सपो - ईस्ट टेक 2025 में भाग लेने के लिए रांची पहुंचे हैं.

राज्यपाल से मिले सीडीएस चौहान : सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने अपने रांची दौरे के दौरान झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात की. वहीं इस मुलाकात को लेकर राज्यपाल संतोष गंगवार ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- आज राजभवन, रांची में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान से भेंट का अवसर प्राप्त हुआ. उनका अनुभव, नेतृत्व और राष्ट्र सुरक्षा के प्रति दृष्टिकोण सदैव प्रेरणादायी है.

डिफेंस एग्जीबिशन एंड सेमिनार का आयोजन : जनरल चौहान का यह दौरा रांची के खेलगांव में आयोजित तीन दिवसीय डिफेंस एग्जीबिशन एंड सेमिनार के मद्देनज़र है, जिसमें वे रक्षा क्षेत्र की नवीनतम तकनीकों, सैन्य रणनीतियों और युवाओं की भागीदारी जैसे विषयों पर संवाद करेंगे. यह पहली बार है जब झारखंड की धरती पर इतनी बड़ी रक्षा प्रदर्शनी आयोजित की जा रही है. इस आयोजन के जरिए झारखंड की रांची राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रक्षा विमर्श में एक प्रमुख स्थान हासिल कर रही है. राज्य सरकार और रक्षा मंत्रालय की साझा पहल से यह आयोजन न केवल राज्य के युवाओं को अवसर देगा, बल्कि झारखंड को नीति-निर्माण में अधिक भागीदारी दिलाने की दिशा में भी कदम है.

सिख शादियों के लिए भी बनाएं नियम : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 17 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि चार महीने में आनंद कारज एक्ट, 1909 के तहत सिख विवाह के रजिस्ट्रेशन के लिए नियम बनाएं. कोर्ट ने यह आदेश एक याचिका पर पारित किया, जिसमें विभिन्न राज्यों को आनंद विवाह अधिनियम, 1909 (2012 में संशोधित) की धारा 6 के तहत नियम बनाने और अधिसूचित करने का निर्देश देने का आग्रह किया गया था, ताकि सिख रीति से होने वाले विवाहों के पंजीकरण की सुविधा मिल सके, जिसे आनंद कारज के रूप में जाना जाता है. जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि संवैधानिक वादे की सत्यनिष्ठा न सिर्फ उसके घोषित अधिकारों से मापी जाती है, बल्कि उन संस्थाओं से भी मापी जाती है जो उन अधिकारों को उपयोगी बनाती हैं. एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य में राज्य को लोगों की आस्था को बाधा में नहीं बदलना चाहिए. बेंच ने कहा कि 1909 का अधिनियम सिख रीति-रिवाज आनंद कारज की ओर से संपन्न विवाहों की वैधता को मान्यता देने के लिए बनाया गया था.

पटना में अमित शाह और नीतीश ने की मुलाकात

दोनों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर सहमति के संकेत

शुभम संदेश। पटना

बिहार की सियासत में गुरुवार को हलचल उस वक्त तेज हो गई जब सीएम नीतीश कुमार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मुलाकात होटल मौर्या में हुई. हालांकि इसे औपचारिक बैठक बताया जा रहा है, लेकिन माना जा रहा कि दोनों के बीच एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर लंबी चर्चा हुई. फिलहाल बिहार में एनडीए में सीट शेयरिंग को लेकर असमंजस की स्थिति है. घटक दलों की ओर से बढ़ती मांगों के चलते पेच फंसा है. हालांकि, इस बैठक के बाद संकेत मिल रहे कि सीट बंटवारे पर सहमति लगभग बन गई है और सितंबर के अंत तक औपचारिक घोषणा की जा सकती है.

सीट शेयरिंग में सबसे बड़ी चुनौती : एनडीए में सीटों के बंटवारे में सबसे बड़ा रोड़ा चिराग, जीतन राम और उपेंद्र कुशवाहा की सीटों को लेकर है. चिराग की पार्टी पहले ही चेतावनी दे चुकी है कि अगर मनमाफिक सीटें नहीं मिलीं तो वे अकेले चुनाव लड़ेंगे. वहीं मांझी ने भी कहा है कि अगर उन्हें 15 सीटें नहीं मिलीं तो उनकी पार्टी बिहार की सभी सीटों पर अपने दम पर चुनाव लड़ेगी.

2020 में सीटों का बंटवारा कैसा था: 2020 के चुनाव में जेडीयू और भाजपा के बीच 243 सीटों का बंटवारा बराबर हुआ था. जेडीयू ने 115 सीटों पर खुद लड़ा था और अपने कोटे से हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा को 7 सीटें दी थीं. वहीं भाजपा ने 121 में से 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 11 सीटें वीआईपी (मुकेश सहनी) को दी थीं. उस चुनाव में चिराग पासवान की लोजपा ने एनडीए से अलग होकर 135 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिससे जेडीयू को भारी नुकसान उठाना पड़ा.

सेहत की बात : बीमारी पकड़ने वाली जांच ही बन रही कैंसर की कारण

महिलाओं और बच्चों पर खतरा चार गुना अधिक

शुभम संदेश डेस्क

एक हालिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने युवाओं में बढ़ते थायरॉइड कैंसर के खतरे को लेकर अलर्ट किया है. वैसे तो ये कैंसर काफी दुर्लभ है और आमतौर पर उम्रदराज लोगों में देखा जाता रहा है पर रेडिएशन एक्सपोजर के चलते अब धीरे-धीरे युवा आबादी भी इसकी चपेट में आती जा रही है. आंकड़े बताते हैं कि थायरॉइड कैंसर के मामलों में युवाओं की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, खासकर 20 से 40 साल की उम्र के बीच इसका जोखिम बढ़ा है. विशेषज्ञों की टीम ने इसके लिए कुछ जांच प्रक्रियाओं को भी जिम्मेदार पाया है.

थायरॉइड कैंसर क्या है

थायरॉइड कैंसर, आपके गले के निचले हिस्से में स्थित थायरॉइड ग्रंथि में होने वाली बीमारी है, इस रोग के कारण ग्रंथि में घातक कोशिकाएं असामान्य रूप से बढ़ने लगती हैं. इस कैंसर के लक्षण आमतौर पर गले में होने वाली सामान्य समस्याओं से संबंधित होते हैं जिन्हें अक्सर सामान्य मानकर अनदेखा कर दिया जाता है, हालांकि ये गंभीर रूप ले सकते हैं. इसके सामान्य लक्षणों में गर्दन में गांठ या सूजन, आवाज बैठना और निगलने में कठिनाई होना शामिल है. थायरॉइड कैंसर के बढ़ते जोखिमों को लेकर रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि बार-बार एक्स-रे और सीटी स्कैन जैसे जांच के कारण भी इस कैंसर का खतरा बढ़ सकता है.

कैंसर से बचाव के उपाय करते रहना जरूरी : डॉक्टर कहते हैं, अब तक हम केवल दो चीजों के बारे में जानते हैं जो थायरॉइड कैंसर के खतरे को बढ़ाती हैं, वे हैं पारिवारिक इतिहास और रेडिएशन का जोखिम. कुछ शोध में यह भी अनुमान लगाया गया है कि हाल के दशकों में पर्यावरण में रेडिशन के जोखिमों में वृद्धि ने भी इस बीमारी के मामलों को बढ़ा दिया है, पर इसके डेटा कम हैं.

थायरॉइड कैंसर के लक्षण सामान्य : ब्रिटेन की एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में 31 वर्षीय व्यक्ति में थायरॉइड कैंसर की समस्या का जिक्र मिलता है. उसे गर्दन में गांठ की दिक्कत थी, जांच में इसे कैंसर कारक पाया गया. डॉक्टरों ने कहा, यह ट्यूमर शायद लगभग एक दशक से था लेकिन कोई दर्द या अन्य लक्षण न होने के कारण समय पर इसका पता नहीं चल पाया. ब्रिटेन में, पिछले दस वर्षों में थायरॉइड कैंसर के निदान में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि ये साल 2035 तक लगभग तीन-चौथाई तक बढ़ सकती है. अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के अनुसार, यह युवाओं में बढ़ते पांच प्रमुख कैंसरों में से एक है जिसमें गले, प्रोस्टेट, किडनी और कोलन कैंसर शामिल हैं. महिलाओं में थायरॉइड कैंसर के मामले पुरुषों की तुलना में लगभग चार गुना अधिक हैं.

क्या कहते हैं विशेषज्ञ : लंदन के हैमरस्मिथ अस्पताल के एंडोक्राइन सर्जन फॉस्टो कहते हैं कि पिछले 25 वर्षों में थायरॉइड कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है. 1.1 करोड़ से ज्यादा लोगों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों का सीटी स्कैन हुआ, उनमें बाद में थायरॉइड कैंसर होने का खतरा 40% ज्यादा था. इससे पहले 2010 में, शिकागो मेडिकल सेंटर के डॉक्टरों ने चेतावनी दी थी कि रेडिएशन का अधिक संपर्क थायरॉइड कैंसर के खतरे को बढ़ा रही है जिसको लेकर अलर्ट रहना चाहिए.

टैरिफ के बाद ड्रग्स तस्करी को लेकर एक्शन में ट्रंप

भारत के अधिकारियों का वीजा रद्द, बोले-नतीजे भुगतने होंगे

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ड्रग तस्करी को लेकर कई देशों को दी गई चेतावनी के बाद अब एक्शन लिया गया है. दिल्ली में अमेरिकी दूतावास ने गुरुवार को घोषणा की है कि ट्रंप प्रशासन ने कुछ भारतीय अधिकारियों और कॉर्पोरेट का वीजा रद्द कर दिया है. दूतावास की ओर से बताया गया कि उन पर फेंटेनाइल प्रीकर्सर (नशीले पदार्थ) की तस्करी में कथित रूप से शामिल होने का आरोप है.

ड्रग्स तस्करी वाले देशों की लिस्ट में भारत को किया शामिल : अमेरिका ने एक दिन पहले ही भारत को उन 23

देशों की लिस्ट में शामिल किया, जहां ड्रग्स के अवैध उत्पादन और तस्करी की जाती है. ट्रंप ने कहा कि अवैध नशीली दवाओं और इनके केमिकल्स के उत्पादन और तस्करी के जरिए ये देश अमेरिका और उसके नागरिकों की सुरक्षा के समक्ष खतरा पैदा कर रहे हैं. अमेरिका ने कहा कि वह इस संबंध में सभी देशों पर निगरानी रख रहा है.

गंभीर परिणाम भुगतने होंगे : नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाली कंपनियों के अधिकारियों को भी दूतावास की ओर से अमेरिका के लिए वीजा आवेदन करते समय चिन्हित किया जाएगा. दूतावास ने इस तस्करी से निपटने में सहयोग के लिए भारत को धन्यवाद भी दिया. अमेरिका ने कहा, मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन और तस्करी में शामिल व्यक्तियों, संगठनों और उनके परिजनों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा, जिन देशों से ये दवाएं निकलती हैं और जिन तक ये पहुंचती हैं, उन्हें अपने दायित्वों को पूरा करना होगा और इन दवाओं की आपूर्ति बंद करनी होगी. अगर ऐसा नहीं किया गया तो गंभीर परिणाम भुगतने होंगे.

अगली सुनवाई 15 को फिलहाल नहीं हटा रिजल्ट प्रकाशन पर स्टे

रांची । जेएसएससी-सीजीएल पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में अब 15 अक्टूबर को सुनवाई होगी. हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में बुधवार को इस मामले की सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान सफल अभ्यर्थियों, सरकार और जेएसएससी की ओर से अदालत को रिजल्ट के प्रकाशन पर लगाए गए स्टे को खत्म करने का आग्रह किया गया, जिसे हाईकोर्ट ने स्वीकार नहीं किया है. यानी फिलहाल रिजल्ट प्रकाशन रोक बरकरार है. हाईकोर्ट ने सीआईडी को इस मामले में अब तक हुई जांच की अपटूडेट स्टेटस रिपोर्ट मांगी है.

राज्यभर में 4000 असामाजिक तत्वों की सूची तैयार, धारा 107 के तहत नोटिस जारी

झारखंड पुलिस अलर्ट, उपद्रवियों पर होगी सख्त कार्रवाई

शुभम संदेश। रांची

दुर्गा पूजा और आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए झारखंड पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है. राज्य के सभी जिलों में शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए पुलिस मुख्यालय की ओर से विशेष निर्देश जारी किए गए हैं. पुलिस ने उन असामाजिक तत्वों की पहचान कर ली है, जो पूर्व में धार्मिक आयोजनों या त्योहारों के दौरान उपद्रव फैलाने में संलिप्त रहे हैं. ऐसे करीब 4000 लोगों की

सुरक्षा के लिए हर जिले में जोनल प्लान लागू

सूची तैयार की गई है और उन्हें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 107 के तहत नोटिस भेजे जा चुके हैं.

पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट किया कि पुलिस का उद्देश्य किसी को अनावश्यक रूप से परेशान करना नहीं है, बल्कि राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द और सार्वजनिक शांति बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने कहा कि जो लोग बार-बार माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

सभी जिलों के एसएसपी और एसपी को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ऐसे व्यक्तियों की सूची अपडेट करें और जरूरत पड़ने पर समय रहते उन्हें हिरासत में लें. डीजीपी अनुरपागगुप्ताने यह भी जानकारी दी कि पिछले वर्षों में जिन लोगों पर छेड़छाड़, झगड़े या अन्य गड़बड़ी के मामले दर्ज हैं, उनकी अलग सूची बनाकर उन्हें भी चेतावनी दी जा रही है. इससे पहले ही उन्हें सतर्क कर दिया जाएगा कि वे दोबारा ऐसी गतिविधियों में शामिल न हों.

त्योहारों के दौरान किसी भी संभावित अव्यवस्था को रोकने के लिए राज्यभर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है. पूजा पंडालों के आसपास गश्ती बढ़ाई गई है और पीसीआर व मोटरसाइकिल दस्तों को सक्रिय किया गया है. राज्य को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बांटकर अलग-अलग जोन बनाए गए हैं. हर जोन की जिम्मेदारी संबंधित डीएसपी को सौंपी गई है, जबकि सेक्टर स्तर पर निरीक्षक स्तर के अधिकारियों की तैनाती की जा रही है. सभी जिलों के एसएसपी/एसपी स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करेंगे.

राजधानी रांची समेत सभी थाना क्षेत्रों में त्योहारों के दौरान पूर्व में हुए विवादों की समीक्षा कर संबंधित व्यक्तियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं. पुलिस का संदेश स्पष्ट है- शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.

एक नजर

राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की लहर से भाजपा बौखला गई : आलोक कुमार दुबे

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुंमारदुबे ने कहा है कि राहुल गांधी के बढ़ते जनसमर्थन और नेतृत्व की स्वीकार्यता ने भारतीय जनता पार्टी की नींद उड़ा दी है. उन्होंने दावा किया कि देशभर में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत तय है और 2029में राहुल गांधी ही प्रधानमंत्री बनेंगे. दुबेने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि भाजपा शासित राज्यों में सबसे ज्यादा अपराध, दुष्कर्म और बेरोजगारी है, जबकि झारखंड में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में कानून का राज है और युवाओं को रोजगार मिल रहा है. उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा झारखंड को आतंकवाद से जोड़ने की कोशिश केंद्र की विफलता को छुपाने की साजिश है. दुबे ने यह भी कहा कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के पक्के सबूत देश के सामने रखे हैं, लेकिन चुनाव आयोग और केंद्र सरकार मौन है, जो लोकतंत्र पर सीधा हमला है. उन्होंने "नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी" को झारखंड जैसे गरीब राज्यों पर आर्थिक बोझ बताया और केंद्र से पांच साल तक क्षतिपूर्ति राशि देने की मांग की. दुबे के अनुसार, देश का हर वर्ग, किसान, युवा, महिलाएं और व्यापारीआज भाजपा से त्रस्त होकर कांग्रेस की ओर देख रहा है. राहुल गांधी को लोग विरोध नहीं, अपनापन देते हैं. वह नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने वाले सच्चे जननेता बन चुके हैं.

सीएम हेमंत सोरेन से आईआईआईटी रांची के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने शिष्टाचार भेंट की

रांची। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (आईआईआईटी), रांची के निदेशक प्रो. राजीव श्रीवास्तव ने गुरुवारकोमुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शिष्टाचार मुलाकात की. इस अवसर पर उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न शैक्षणिक पाठ्यक्रमों, नवाचार आधारित कार्यक्रमों और विद्यार्थियों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी मुख्यमंत्री को दी. मुख्यमंत्री ने प्रो. श्रीवास्तव से संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध कार्यों, इंडस्ट्री से जुड़ाव और प्लेसमेंट की स्थिति पर भी चर्चा की. साथ ही उन्होंने राज्य में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में आईआईआईटीरांची की भूमिका की सराहना की. मुलाकात के दौरान प्रोफेसर श्रीवास्तव ने संस्थान के भविष्य की योजनाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की दिशा में उठाए जा रहे कदमों की भी जानकारी दी.

झारखंड के पूर्व विधि मंत्री रामजी लाल शारदा के इकलौते पुत्र मुकेश शारदा का हार्ट अटैक से निधन

रांची। झारखंड सरकार के प्रथम विधि मंत्री एवं हटिया से तीन बार विधायक रहे रामजी लाल शारदा के इकलौते पुत्र मुकेश शारदा का गुरुवारको प्रातः 10बजे हृदय गति रुकने से उनके डोरंडा स्थित आवास परनिधनहो गया. सुबह 7:30 बजे वे पूरी तरह स्वस्थ अवस्था में मॉर्निंग वॉक और जिम के लिए निकले थे. साथियों ने उन्हें पुराने हाईकोर्ट के पास छोड़ा, जहां से वे पैदल घर लौटे. घर के पास लगे सीसीटीवी फुटेज में उन्हें अचानक गिरते हुए देखा गया. परिवार के अनुसार, उनका अंतिम संस्कार 19 सितंबर को सुबह 10 बजे डोरंडा स्थित आवास से हरमू मुक्ति धाम ले जाकर किया जाएगा. रांची के सांसद संजय सेठ सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की.

झारखंड हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

तलाकशुदा पत्नी को पति देगा 25 लाख गुजारा-भत्ता

शुभम संदेश। रांची

झारखंड हाईकोर्ट ने तलाकशुदा पत्नी को गुजारा-भत्ता देने के मामले में अहम फैसला सुनाया है. कोर्ट ने गोड्डा फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि पति को अपनी पत्नी को 25 लाख रुपये गुजारा-भत्ता के रूप में देने होंगे. साथ ही शादी के दौरान मिले उपहार और स्त्रीधन भी पत्नी को लौटाने होंगे.

मामला क्या है : गोड्डा जिले के अमित कुमार सिंह ने अपनी पत्नी आहुति प्रिया से तलाक ले लिया था. तलाक की प्रक्रिया के दौरान फैमिली कोर्ट ने अमित को आदेश दिया कि वह अपनी पत्नी को 25 लाख रुपये की एकमुश्त राशि गुजारा-भत्ता के रूप में अदा करे. साथ ही शादी में मिले सभी उपहार और गहने (स्त्रीधन) भी वापस करे. इस आदेश को अमित कुमार ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी.

पति की दलील : सुनवाई के दौरान पति की ओर से कहा गया कि फैमिली कोर्ट का फैसला उसके आय के अनुपात में बहुत ज्यादा है. उसने यह भी दलील दी कि उसकी पत्नी वर्ष 2013 से शिक्षिका के रूप में कार्यरत है और खुद की आय अर्जित कर रही है. ऐसे में इतनी बड़ी राशि गुजारा-भत्ता के रूप में देना उसके लिए असंभव है.

पत्नी की दलील : वहीं, पत्नी की ओर से यह तर्क दिया गया कि भले ही वह आज शिक्षिका के रूप में काम कर रही है, लेकिन विवाह के कारण

उसे अपने करियर और अवसरों का त्याग करना पड़ा. उसकी मौजूदा आय पर्याप्त नहीं है और गुजारा-भत्ता उसकी जरूरतों और भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक है.

हाईकोर्ट का फैसला : दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद और न्यायमूर्ति अरुण कुमार राय की खंडपीठ ने पति की अपील को खारिज कर दिया. कोर्ट ने साफ कहा कि फैमिली कोर्ट के आदेश में किसी तरह का हस्तक्षेप जरूरी नहीं है. अतः पति को पत्नी को 25 लाख रुपये की एकमुश्त राशि देने के साथ शादी में मिले उपहार और स्त्रीधन भी लौटाने होंगे.

कानूनी दृष्टि से अहम फैसला : यह फैसला एक बार फिर यह संदेश देता है कि तलाक की स्थिति में पति पर पत्नी की आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी होती है. भले ही पत्नी खुद कार्यरत क्यों न हो, लेकिन विवाह और घरेलू जिम्मेदारियों के कारण यदि उसके अवसर सीमित हुए हैं तो अदालत उसके अधिकारों की रक्षा करेगी. झारखंड हाईकोर्ट का यह निर्णय तलाकशुदा महिलाओं के अधिकारों और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता की दिशा में एक अहम मिसाल माना जा रहा है.

झारखंड में उद्योगों के लिए अब तक 9748.56 एकड़ जमीन आवंटित

जियाडा ने उद्योग के लिए 952 कंपनियों को दी जमीन

उद्योगों की स्थापना के लिए राज्य में अभी भी 1695.58 एकड़ खाली जमीन उपलब्ध

शुभम संदेश। रांची

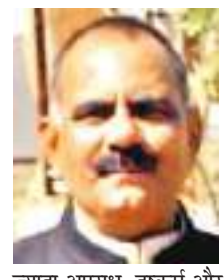

झारखंड में औद्योगिक विकास के लिए जमीन आवंटन की प्रक्रियाजोरशोरसेचल रही है. हालांकि, कई आवेदन रिजेक्ट हुए हैं और कुछ अभी भी प्रक्रियाधीन हैं, लेकिन कुल मिलाकर जियाडा ने उद्योगों को जमीन उपलब्ध कराकर राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. राज्य में उद्योगों की संख्या तेजी से बढ़ रही हैऔर खाली जमीन की उपलब्धता से आने वाले समय में और निवेश की संभावना बनी हुई है. इस दिशा में झारखंड सरकार और जियाडा के प्रयास निरंतर जारी हैं, ताकि राज्य को देश का प्रमुख औद्योगिक केंद्र बनाया जा सके.यदि आप झारखंड के औद्योगिक विकास या निवेश के अवसरों के बारे में और जानना चाहते हैं, तो संबंधित सरकारी विभाग से संपर्क कर सकते हैं. झारखंड में उद्योगों के विकास को तेजी से बढ़ावा देने के लिए जियाडा (झारखंड उद्योग सहायता और निवेश कॉर्पोरेशन) ने अब तक कुल 9748.56 एकड़ जमीन उद्योगों को आवंटित की है. राज्य में उद्योगों के लिए भूमि की मांग काफी अधिक रही है, जिसके चलते अब तक 3518 आवेदन प्राप्त हुए हैं,

जिनमें से 1284 आवेदनों को रिजेक्ट किया गया है, जबकि 1282 आवेदन अभी भी प्रक्रियाधीन हैं. अब तक 952 कंपनियों को जमीन आवंटित की जा चुकी है. वर्तमान में झारखंड में उद्योगों की स्थापना के लिए 1695.58 एकड़ खाली जमीनउपलब्ध है.

रांची रिजन में सबसे अधिक आवेदन रिजेक्ट, बोकारो-आदित्यपुर रिजन मेंहोरहा जमीन आवंटन

झारखंड के विभिन्न औद्योगिक रिजन में जमीन आवंटन की स्थिति अलग-अलग है. रांची रिजन में सबसे ज्यादा 1372 आवेदन आए, जिनमें से 259 को जमीन का पोजेशन मिला, जबकि 504 आवेदन रिजेक्ट कर दिए गए और 609 आवेदन अभी प्रक्रियाधीन हैं. संतालपरगना रिजन में 546 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 219 को जमीन मिली, 249 रिजेक्ट हुए और 49 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं. बोकारो रिजन में 705 आवेदनों में से 222 को जमीन दी गई, 157 रिजेक्ट हुए और 326 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं. आदित्यपुर रिजन में 895 आवेदन आए, जिनमें से 253 को जमीन आवंटित हुई, 374 रिजेक्ट हुए और 268 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं.

राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में जमीन आवंटन और खाली जमीन की स्थिति झारखंड में कुल 157 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जिनमें अब तक कुल 9748.56 एकड़ जमीन ट्रांसफर की गई है. इनमें से 1695.58 एकड़ जमीन अभी भी खाली है और औद्योगिक विकास के लिए उपलब्ध है. झारखंड में कुल औद्योगिक इकाइयों की संख्या 3519 है, जो राज्य के आर्थिक विकास का बड़ा आधार हैं.

संतालपरगना रिजन में 27 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जहां कुल 1460.8 एकड़ जमीन ट्रांसफर हुई है और 400.15 एकड़ जमीन खाली है. यहां कुल 353 औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं. बोकारो रिजन में 14 औद्योगिक क्षेत्र हैं, जहां 1634.04 एकड़ जमीन ट्रांसफर की गई है, लेकिन खाली जमीन मात्र 6 एकड़ बची है. बोकारो में कुल 660 औद्योगिक इकाइयां हैं.

रांची रिजन में 42 औद्योगिक क्षेत्र मौजूद हैं, जहां 1889.80 एकड़ जमीन दी गई है और 110.75 एकड़ जमीन खाली है. यहां औद्योगिक इकाइयों की संख्या 973 है. आदित्यपुर रिजन राज्य का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, जहां 74 औद्योगिक क्षेत्र हैं और 4763.86 एकड़ जमीन ट्रांसफर हुई है. यहां 1179.08 एकड़ जमीन अभी भी खाली है और 1533 औद्योगिक इकाइयां संचालित हैं.

आईआईसीएम श्रमिक संघ की आपात बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

आईआईसीएम में ठेका श्रमिकों का शोषण बर्दाश्त नहीं 15 दिनों में मांगें पूरी न हुईं तो होगा आंदोलनः अजय राय

शुभम संदेश। रांची

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ कोल मैनेजमेंट (आईआईसीएम) कांके में कार्यरत ठेका श्रमिकों की दयनीय स्थिति और उनके साथ हो रहे अन्याय कोलेकर आईआईसीएम श्रमिक संघ ने गुरुवारकोआपात बैठक कर गहरा आक्रोश व्यक्त किया. बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष अजय राय ने की.राय ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल ने ठेका श्रमिकों को बीमा, आवास, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था, लेकिन आईआईसीएम प्रबंधन की उदासीनता के कारण आज तक इन सुविधाओं का क्रियान्वयन नहीं हो पाया है. इसके चलते श्रमिकों में गहरी नाराजगी व्याप्त है. बैठक में ठेकाश्रमिकों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई. बताया गया कि ठेका श्रमिकों को

बकाया भुगतान नहीं हो पा रहा है. श्रमिकों का ईएल, ग्रेच्युटी और बोनस पिछले दो महीनों से रोका गया है.वेतन भुगतान में विलंबहोरहाहै. अगस्त माह का वेतन आज तक नहीं दिया गया, जबकि श्रम कानून के अनुसार वेतन हर माह 1 से 5 तारीख तक देना अनिवार्य है. इसके अलावा बीमा व स्वास्थ्य सुविधा का लाभ भी नहीं दिया गया. निदेशक मंडल के आदेश के बावजूद श्रमिक आज भी बीमा व स्वास्थ्य सुविधा से वंचित हैं.वर्षों से कार्यरत श्रमिकों और उनके बच्चों को आवास एवं शिक्षा सुविधाजैसीमूलभूत सुविधाएं भीनहीं मिल रही हैं.अध्यक्षअजय राय ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि "आईआईसीएम की स्थापना 1994 में हुई थी और यहांके अधिकांश श्रमिक 30 वर्षों से लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन न तो उन्हें स्थायी किया गया है और न प्रमोशन मिला है. जबकि कुछ चहेते लोगों को अधिकारियों की कृपा से मनमानी पदोन्नति दी गई है, जो पूरी तरह से अन्याय है.संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर मांगों का समाधान नहीं हुआ तो ठेका श्रमिक चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी आईआईसीएम प्रबंधन और प्रशासन की होगी. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि ज्ञापन की प्रति कोयला मंत्री, मुख्यमंत्री झारखंड, चेयरमैन कोल इंडिया लिमिटेड व श्रम आयुक्त झारखंड को भेजी जाएगी, ताकि मामले में त्वरित हस्तक्षेप हो सके.

रांची में आज से 21 सितंबर तक तीन दिवसीय ईस्टर्न टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव का आयोजन

उद्घाटन में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व सीएम के शामिल होने की संभावना

शुभम संदेश। रांची

राजधानी रांची के खेलगांव में शुक्रवारसे21 सितंबर तक तीन दिवसीयईस्टर्न टेक्नोलॉजी कॉन्क्लेव (ईस्ट टेक 2025) का आयोजन हो रहा है. इस कॉन्क्लेव का आयोजन भारतीय सेना के पूर्वी कमान मुख्यालय और सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के सहयोग से किया जा रहा है. देश की तीनों सेनाओं के अध्यक्ष, जिसमें सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) अनिल चौहान भी शामिल हैं, गुरुवार को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रांची पहुंचे.रांची एयरपोर्ट पर झारखंड के पूर्व सैनिकों ने सीडीएस अनिल चौहान का भव्य स्वागत किया. स्वागत समारोह में भारत माता के जयघोष के साथ तीनों सेना के अध्यक्षों का पुष्पवर्षा के कर अभिनंदन किया गया.

वेटरन ऑर्गेनाइजेशन ऑफ झारखंड के सचिव एनपी सिन्हा ने बताया कि आज भारत रक्षा प्रणाली के क्षेत्र में विश्व में नंबर वन की स्थिति पर हैऔर कई देश हमारी तकनीक की नकल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमारा देश काफी आगे है. इस दौरान पूर्व सैनिक संगठन के प्रवक्ता संजय सिंह ने कहा कि सीडीएस अनिल चौहान तीन दिवसीय दौरे पर रांची आए हैं और झारखंड के करीब 41 हजार पूर्व सैनिक उनका स्वागत करने के लिए तत्पर हैं.

झारखंड में पहली बार आयोजित हो रहा ईस्ट टेक 2025 : ईस्ट टेक 2025 में स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), साइबर सुरक्षा, रोबोटिक्स जैसे आधुनिक विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन चर्चा और प्रस्तुति दी जाएगी. उद्घाटन समारोह में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, हालांकि अभी तक इसकी औपचारिक घोषणा नहीं हुई है.

क्षेत्रीय औद्योगिक भागीदारी को बढ़ावा देने का लक्ष्य

भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने और क्षेत्रीय औद्योगिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है. पहला ईस्ट टेक 2022 में गुवाहाटी में हुआ था, जिसके बाद 2023 में शिलांग और 2024 में कोलकाता में इसका आयोजन किया गया.

रांची में 200 से अधिक विक्रेता और स्टार्टअप होंगे शामिल

रांची केखेलगांवस्थित विश्वनाथ शाहदेव स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम में 200 से अधिक रक्षा एवं तकनीकी क्षेत्र से जुड़े विक्रेता भाग लेंगे, जिनमें 50 से अधिक एमएसएमई और स्टार्टअप्स भी शामिल हैं.

सेना से जुड़े उपकरणों का लाइव प्रदर्शन और प्रदर्शनी

इस कॉन्क्लेव में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और प्रमुख निजी उद्योग भी हिस्सा लेंगे. कार्यक्रम के दौरान सेना के उपकरणों का लाइव प्रदर्शन होगा और टेक्नोलॉजी एवं सेना से जुड़े विभिन्न सामग्रियों की प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जो देश की सैन्य ताकत को प्रदर्शित करेगी.

आयोजन पीएम मोदी के 75वें जन्मदिन पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के आवास पर कार्यक्रम का आयोजन

मंत्री ने सेवा में समर्पित जनों को किया सम्मानित

- 75 भूतपूर्व सैनिक, 75 सफाई कर्मचारी, 75 पारामेडिकल स्टाफ, 75 नर्सों और 75 अखबार विक्रेता सम्मानित

शुभम संदेश। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री और रांची सांसद संजय सेठ के आवास पर विभिन्नकार्यक्रमों का आयोजन किया गया.ये कार्यक्रम सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे. जन्मदिन के शुभारंभ पर प्रधानमंत्री के दीर्घायु और सफलता की कामना के साथ हवन अनुष्ठान किया गया.मौके पर 75 पौंडका केक काटा गया और 75 भूतपूर्व सैनिक, 75

सफाई कर्मचारी, 75 पारामेडिकल स्टाफ, 75 नर्सों और 75 अखबार विक्रेताओं का सम्मान भी किया गया. पीएम मोदी के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर और न्यूरोपैथी उपचार शिविर का भी आयोजन हुआ, जिसमें सैकड़ों लोगों ने लाभ लिया. इसके अलावा रांची लोकसभा क्षेत्र में 75 स्थानों पर पौधरोपण कार्यक्रम शुरू हुआ. प्लास्टिक मुक्त भारत के अभियान में 25,000 जूट बैग और जरूरतमंदों के लिए 25,000 छाता वितरण कार्यक्रम की भी शुरुआत की गई. पारिवारिक सुरक्षा हेतु सभी परिवारों को लॉग बुक उपलब्ध कराने का भी शुभारंभ किया गया. योग को बढ़ावा देने के लिए 20,000 योग मैट वितरित किए गए. साथ ही रांची को 3,000 सोलर स्ट्रीट लाइट भी प्रदान की गईं. केंद्रीयमंत्री संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी राजनीति को सेवा का माध्यम बनाते हैं और समाज के हर वर्ग की सेवा के लिए समर्पित हैं. उन्होंने कहा किपीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के सपनों को पूरा करना हर नागरिक का कर्तव्य है. उन्होंने प्रधानमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की. इस दौरान पूर्व आईपीएस अधिकारी अरुण उरांव, पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, रांची महानगर भाजपा अध्यक्ष वरुण साहू, ग्रामीण भाजपा जिला अध्यक्ष धीरज महतो, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, मुकेश काबरा आदि उपस्थित थे.

राहुल गांधी के इसी रवैये के कारण जनता उनको सीरियस नहीं लेती : संजय सेठ

रांची। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने राहुल गांधी पर संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यही वजह है कि जनता उन्हें गंभीरता से नहीं लेती है. संजय सेठ ने कहा कि ये दिवालियापन है. आप नेता प्रतिपक्ष होकर संवैधानिक संस्था पर सवाल उठा रहे हैं. आपको न ईडी पर भरोसा है, न सीबीआई पर, न चुनाव आयोग पर, न ईवीएम पर और न ही जनता पर. आप तो सिंदूर पर भी सवाल खड़े कर देते हैं. आखिर आप चाहते क्या हैं. केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आपके इस रवैये के कारण जनता आपको सीरियस नहीं लेती है. जनता ने आपको लगातार किनारे किया है. तीसरी बार भी देश ने आपको विपक्ष में बैठा दिया. अब आप अपना खीझपन चुनाव आयोग पर उतार रहे हैं. जनता ने जैसे पहले आपको किनारे किया, वैसे ही आगे भी करेगी. बिहार में भी आपको जनता सबक सिखाएगी.

झारखंड : रेल रोको आंदोलन कल, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

शुभम संदेश। रांची

झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में रहने वाले कुड़मी समुदाय द्वारा खुद को आदिवासी का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर एक बार फिर बड़ा आंदोलन शुरू होने जा रहा है. इसी क्रम में, 20 सितंबर को पूरे क्षेत्र में रेल रोको आंदोलन की घोषणा की गई है, जिसके चलते झारखंड पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं. आगामी रेल रोको आंदोलन के मद्देनजर, झारखंड पुलिस ने संभावित संवेदनशील स्थानों पर विशेष ध्यान दिया है. मुरी, गोमो, नीमडीह, घाघरा, चांडिल, हंसडीहा, छोटा गम्हरिया, डुमरी, गंजिया बराज और पारसनाथ जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशनों और इलाकों पर प्रदर्शनकारियों द्वारा रेल रोकने की आशंका है. इन सभी जगहों पर किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात किए जाएंगे.

झारखंड पुलिस ने यह सुनिश्चित करने के लिए कमर कस ली है कि आंदोलन के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे और यात्रियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े. सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी ताकि आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके.उल्लेखनीय है कि वर्तमान में, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की श्रेणी में आने वाला कुड़मी समुदाय लंबे समय से खुद को जनजातीय (आदिवासी) घोषित करने की मांग कर रहा है.उनका कहना है कि यह दर्जा न मिलने से उन्हें शिक्षा, सरकारी नौकरियों और आरक्षण में मिलने वाले उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 19 सितंबर 2025 । आश्विन कृष्ण पक्ष 13, संवत 2082 । रांची एवं पटना से प्रकाशित । वर्ष : 3, अंक : 162 । मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

हमारी सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य व सशक्तीकरण को प्राथमिकता मानती है: सीएम

शुभम संदेश । रांची

राज्यपाल संतोष गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बुधवार को सदर अस्पताल, रांची में आयोजित "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के राज्य स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए. इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार और सशक्त समाज की नींव रखती है. महिलाओं की भूमिका समाज में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है. एक स्वस्थ नारी ही परिवार और समाज को सशक्त बना सकती है. हमारी सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण को अपनी प्राथमिकता मानती है. महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और जागरूकता को लेकर सरकार निरंतर प्रयासरत है. सोरेन ने आगे कहा कि जब महिलाएं स्वस्थ और सुरक्षित होंगी तो परिवार मजबूत होगा और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ और सशक्त बनेगी. हमारी सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, क्योंकि महिला ही परिवार और समाज की आधारशिला है.

महिलाएं आज आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से मजबूत हैं : मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं आज पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर समाज के हर क्षेत्र में अग्रसर हैं. महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से निरंतर आगे बढ़ रही हैं. रोजगार और उद्यमिता के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सक्रिय भागीदारी से आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं. स्वरोजगार योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और सरकारी नीतियों का लाभ उठाकर वे अपने परिवार की आय बढ़ाने के साथ-साथ समाज के आर्थिक विकास में भी योगदान दे रही हैं. सामाजिक क्षेत्र में महिलाएं जागरूकता, नेतृत्व और सहभागिता की भूमिका निभा रही हैं. पंचायतों से लेकर उच्च पदों तक उनकी उपस्थिति समाज को नई दिशा दे रही है.

राज्य की बेटियां हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही

मुख्यमंत्री सोरेन ने आगे कहा कि आज हमारी राज्य की बेटियां शिक्षा, स्वास्थ्य और खेलकूद के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रही हैं. वे केवल राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं. चाहे खेल मैदान हो, शैक्षणिक उपलब्धि हो या चिकित्सा एवं अनुसंधान का क्षेत्र — झारखंड की बेटियां अपनी मेहनत और लगन से राज्य का नाम रोशन कर रही हैं. यह हम सबके लिए गर्व का विषय है.

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार की ठोस पहल : मुख्यमंत्री ने कहा कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तभी समाज और राज्य मजबूत होगा. इसी उद्देश्य से सरकार ने महिलाओं के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाएं लागू की हैं. जिनमें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, मातृत्व लाभ योजनाएं, पोषण आहार वितरण, किशोरियों के लिए स्वास्थ्य व स्वच्छता अभियान और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के प्रयास शामिल हैं. ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में महिला स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा सके. शिक्षा के क्षेत्र में छात्रवृत्ति, निःशुल्क शिक्षा और कौशल विकास कार्यक्रमों के जरिए बेटियों को मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है. स्वास्थ्य के क्षेत्र में मातृत्व लाभ योजनाएं, पोषण अभियान और निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं.

राज्यपाल ने की महिला सशक्तीकरण की दिशा में पीएम के पहल की सराहना

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा मध्यप्रदेश से शुभारंभ 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' के अवसर पर सदर अस्पताल, रांची में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आज का दिन विशेष महत्व रखता है. उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में भारत ने पिछले एक दशक में सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है. राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री सदैव जनकल्याण को अपनी नीतियों का केंद्र बिंदु मानते हैं. इस अभियान के माध्यम से महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवार के सशक्तिकरण को राष्ट्र निर्माण से जोड़ने पर और जोर दिया गया है. उन्होंने कहा कि "स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की आधारशिला है और सशक्त परिवार ही सशक्त भारत का निर्माण करता है. इस अभियान के अंतर्गत झारखण्ड में आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से लेकर जिला अस्पतालों तक स्वास्थ्य जाँच और जागरूकता शिविर आयोजित किए जाने हैं. कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी, राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, आदित्य साहू, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण) सुनील कुमार बर्णवाल समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण, स्वास्थ्यकर्मी और बड़ी संख्या में महिलाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं.

ब्रीफ न्यूज

आतंकी अशहर को बोकारो लेकर आई दिल्ली स्पेशल सेल की टीम

बोकारो । गजवा-ए-हिंद के लिए टारगेट किलिंग की योजना बनाने वाला आतंकी असहर को दिल्ली स्पेशल सेल की टीम बोकारो लेकर आई. गुरुवार को दिल्ली से स्पेशल टीम असहर दानिश को लेकर बोकारो के पेटरवार पहुंची. इसके बाद स्पेशल सेल की टीम उसे अपने साथ पेटरवार के उतासरा स्थित महतो बीज भंडार लेकर गई थी टीम. जहां से पूर्व में उसने कुछ सामान खरीदा था. उसके बाद उसे स्पेशल सेल की टीम वापस लेकर लौट गई.

कुछ टारगेट हत्या को देना था अंजाम : पकड़े गए आतंकी दानिश कुछ टारगेट हत्याओं को अंजाम देने की भी फिराक में था. पुलिस ने इन आतंकियों के पास से भारी मात्रा में आईईडी बनाने की सामग्री और उपकरण जब्त किए थे इसके अलावा, उनके पास से हथियार और कारतूस भी बरामद हुए हैं. जांच में यह भी पता चला है कि अशहर दानिश का हैंडलर पाकिस्तान से है. यह हैंडलर बाहर से खुद को एक पेशेवर कंपनी का सीईओ बताता था, जबकि आंतरिक समूह में दानिश का कोड गजवा नेता था. यह समूह एनजीओ की आड़ में जमीन हथियाने की कोशिश भी कर रहा था. अब तक 11 लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें से पांच को गिरफ्तार किया जा चुका है.

देवघर : गर्भवती पत्नी की टांगी से मार कर हत्या, आरोपी पति हिरासत में

देवघर । जिले के सारठ प्रखंड के रानीगंज गांव में पति ने गर्भवती पत्नी की टांगी से मारकर हत्या कर दी. हत्या की वजह पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है. मृतका की पहचान खुशी देवी के रूप में ही है. पुलिस ने आरोपी पति बसंत मोहली को हिरासत में ले लिया है. पूछताछ में उसने अपना अपराध भी स्वीकार कर लिया है. जानकारी के अनुसार, सारठ थाना की पुलिस देर रात में रानीगंज गांव में गश्ती कर रही थी. तभी पुलिस को घटना की जानकारी मिली. सूचना पाकर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंची और मृतिका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की. वहीं शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. आरोपी पति बसंत मोहली ने पुलिस को बताया कि खुशी देवी अक्सर उसके साथ झगड़ा करती थी. इससे तंग आकर उसने तेज धारदार टांगी से मारकर उसकी हत्या कर दी. खुशी के परिजनों ने बसंत मोहली और उसके परिवार पर अपनी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया है. जानकारी के अनुसार, बसंत मोहली की शादी 10 साल पहले शिमला पंचायत निवासी खुशी देवी के साथ हुई थी. दोनों का एक बेटा भी है, जिसकी उम्र लगभग 5 वर्ष बताई जा रही है.

8 अक्तूबर तक सारंडा को सेंक्चुरी घोषित नहीं किया तो मुख्य सचिव को जेल जाना होगा : सुप्रीम कोर्ट

शुभम संदेश । रांची/नयी दिल्ली

सारंडा वन क्षेत्र को सेंक्चुरी घोषित करने में राज्य सरकार द्वारा की जा रही आना कानी को सुप्रीम कोर्ट ने आपने आदेश का अवमानना माना है. साथ ही यह भी कहा कि आठ अक्तूबर तक संक्चुरी नहीं घोषित नहीं होने पर अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाएगी. मुख्य सचिव को जेल जाना होगा और न्यायालय सेंक्चुरी घोषित करने के लिए परम आदेश पारित करेगा.

प्रस्तावित सारंडा सेक्चुरी की तस्वीर : सारंडा वन क्षेत्र को सेंक्चुरी घोषित करने के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायाधीश के विनोद चंद्रन की पीठ में 17 सितंबर को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अमीकस क्यूरी परमेश्वर गवे ने सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने के मामले में झारखंड सरकार द्वारा की जा रही रही टाल मटोल और आना कानी की जानकारी दी. उन्होंने कोर्ट को बताया कि 29 अप्रैल 2025 को वन सचिव अबुबकर सिद्दीकी के माध्यम से राज्य सरकार ने शपथ पत्र दायर किया था. इसमें यह कहा गया था कि पीसीसीएफ (वाइल्ड) ने 576 वर्ग किलोमीटर को सेंक्चुरी घोषित करने का प्रस्ताव तैयार कर वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) को भेजा है.

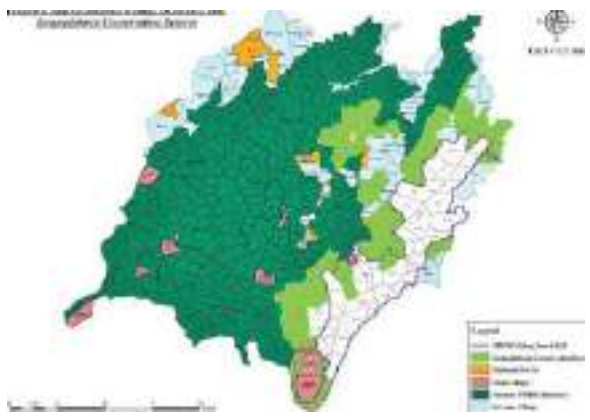

डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट आने के बाद इस मामले को कैबिनेट में पेश किया जायेगा. कैबिनेट की सहमति के बाद सारंडा को सेंक्चुरी घोषित कर दिया जाएगा. सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के शपथ पत्र में दिये गये प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट आने के दो महीने के अंदर सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने का आदेश दिया था.

डब्ल्यूआईआई ने 30 जून 2025 को अपनी रिपोर्ट दे दी है. इसमें राज्य सरकार के प्रस्ताव पर सहमति दी गयी है. डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिले हुए दो महीना से अधिक हो गया है. लेकिन सरकार ने सारंडा के सेंक्चुरी घोषित नहीं किया है. कोर्ट के आदेश के उलट मुख्य सचिव ने सीसीएफ स्तर के अधिकारी और खान निदेशक को मिला कर एक समिति बना दी है. यह समिति सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने के मामले नये सिरे से विचार कर रही है.

सरकार का मानना है कि एनजीटी द्वारा दिये गये आदेश से अधिक क्षेत्रफल को सेंक्चुरी घोषित करने पर खनन क्षेत्र प्रभावित होगा. राज्य सरकार ने एनजीटी के फैसले से अधिक क्षेत्रफल को सेंक्चुरी घोषित करने का शपथ पत्र दिया था.

अमीकस क्यूरी की बात सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि सरकार सेंक्चुरी घोषित करने के मामले में टाल मटोल और आनाकानी कर रही है. फाइल एक अफसर से दूसरे अफसर के पास भेजी जा रही है. सरकार कोर्ट में दायर अपने ही शपथ पत्र में किये गये वायदों को पूरा नहीं कर रही है. सुप्रीम कोर्ट द्वारा डब्ल्यूआईआई की रिपोर्ट मिलने के दो महीने के अंदर सारंडा को सेंक्चुरी घोषित करने के आदेश को नहीं माना है. यह न्यायालय की अवमानना है. इस मामले में सरकार शपथ पत्र दायर कर जवाब दे. मुख्य सचिव आठ अक्तूबर को कोर्ट में उपस्थित रहें. सरकार आठ अक्तूबर तक सेंक्चुरी घोषित करे, वरना अवमानना की कार्रवाई शुरू होगी. मुख्य सचिव को जेल जाना होगा.

झारखंड के पलामू में सबसे अधिक 85 मिमी हुई बारिश

शुभम संदेश । रांची

झारखंड के पलामू जिले के उंटारी रोड में पिछले 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक बारिश 85.2 मिमी रिकॉर्ड की गई. यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी है. विभाग के अनुसार आने वाले एक-दो दिनों में राज्य के विभिन्न हिस्सों में गर्जन के साथ तेज हवा चलने (30 से 40 किलोमीटर घंटे की रफ्तार से) और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है. इसे लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. उल्लेखनीय है कि पिछले तीन-चार दिनों से बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव की स्थिति बनने के कारण राज्य भर में भारी बारिश दर्ज की गई. गुरुवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से मौसम साफ रहा और धूप खिली रही. इससे थोड़ी गर्मी और उमस महसूस की गई. पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान गोड्डा में 32.3 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 20.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया. गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 27.3 डिग्री, जमशेदपुर में 31.5, डालटेनगंज में 31.6 डिग्री, बोकारो में 32.1 डिग्री और चाईबासा में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया.

रांची के व्यवसायी से मांगी से 10 करोड़ रु की रंगदारी

गैंगस्टर प्रिंस खान ने दी जान से मारने की धमकी

शुभम संदेश । रांची

रांची के प्रतिष्ठित व्यवसायी कृष्ण गोपालका से दुबई में बैठे कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा 10 करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई है. इस संबंध में गोपालका ने रांची के लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है और अपनी व परिवार की सुरक्षा की मांग की है. एफआईआर के अनुसार, प्रिंस खान ने व्हाट्सएप कॉल, मैसेज और वीडियो के माध्यम से व्यवसायी को रंगदारी की मांग करते हुए धमकाया है. धमकी में कहा गया है कि यदि मांगी गई रकम नहीं दी गई तो गोपालका और उनके बेटे की हत्या कर दी जाएगी. पहली बार 14 सितंबर की दोपहर को एक अनजान नंबर से उन्हें धमकी भरे ऑडियो और एक पुराने आपराधिक घटना से जुड़ा वीडियो प्राप्त हुआ. 15 सितंबर को एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से फिर एक वीडियो भेजा गया, जिसमें हथियार लहराते हुए फायरिंग के दृश्य थे. वीडियो में प्रिंस खान ने खुद को दुबई से बोलते हुए पहचान जाहिर की और कहा कि यदि उसका नंबर ब्लॉक किया गया या पुलिस में शिकायत की गई तो वह गोपालका परिवार को निशाना बनाएगा. व्यवसायी के अनुसार, उनके पुत्र को भी इन्हीं नंबरों से व्हाट्सएप कॉल और धमकी भरे संदेश प्राप्त हुए हैं. साथ ही उनके घर और कार्यालय की वीडियो क्लिप भेजकर यह जताया गया कि उन पर नज़र रखी जा रही है.

जमशेदपुर : घर में घुसकर युवक को मारी गोली

शुभम संदेश । जमशेदपुर

जमशेदपुर के बागबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधीनगर में बुधवार की देर रात पोपो मुंडा नमक युवक को उसके घर में घुसकर गोली मार दी गयी. घटना के बाद लहूलुहान अवस्था में घायल पोपो को परिजनों के द्वारा टीएमएच अस्पताल लाया गया. जहां उसकी स्थिति अब खतरे से बाहर बतायी जा रही है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, जिस युवक को गोली लगी और जिसने गोली चलाई दोनों ही गांधीनगर के रहने वाले है. घायल पोपो मुंडा के परिजन ने बताया कि विश्वकर्मा पूजा की देर शाम पोपो मुंडा अपने घर में बेड पर आराम कर रहा था. इसी दौरान बस्ती का ही युवक बादल घर में घुस आया और पोपो मुंडा पर एक के बाद एक दो गोलियां चला दी. घ

देश में पहली बार होगी आर्चरी प्रीमियर लीग

झारखंड की 'चेरो आर्चर्स' समेत 6 टीमें लेंगी हिस्सा

शुभम संदेश । रांची

भारत में पहली बार आर्चरी प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है. यह तीरंदाजी प्रेमियों के लिए गर्व का क्षण है. इस ऐतिहासिक लीग का उद्देश्य भारतीय तीरंदाजों को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के साथ ही खेल को वैश्विक पहचान दिलाना है. इसी के तहत आज नई दिल्ली में आयोजित चयन समिति की बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा और टाटा स्टील के वाइस प्रेसिडेंट डीबी सुंदररमण मौजूद रहे. इस बैठक में लीग की संरचना और टीमों के चयन को अंतिम रूप दिया गया. इस आर्चरी प्रीमियर लीग में कुल छह टीमें हिस्सा लेंगी. जिसमें महाराष्ट्र के माईटी मराठाज, तेलंगाना के काकतिया नाइट्स, राजस्थान के राजपुताना रॉयल्स, तमिलनाडु के चोला चीफ्स, झारखंड के चेरो आर्चर्स और दिल्ली के पृथ्वीराज योद्धा शामिल हैं. इस संबंध में अर्जुन मुंडा ने अपने सोशल मीडिया में पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, ₹देश भर के तीरंदाजी प्रेमियों के लिए गर्व का विषय है कि जल्द ही देश की पहली आर्चरी प्रीमियर लीग की शुरुआत होने जा रही है. इस ऐतिहासिक लीग का उद्देश्य न केवल भारतीय आर्चरी प्रतिभा को मंच देना है, बल्कि इस खेल को वैश्विक मंच पर नई पहचान और सम्मान दिलाना भी है. इस लीग में भारत के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी भाग लेंगे, जिससे प्रतिस्पर्धा और रोमांच दोनों अपने चरम पर होंगे. गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित आर्चरी प्रीमियर लीग सिलेक्शन कमिटी की बैठक में शामिल हुआ.

पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां के अंगरक्षक वापस लेने का समाज ने किया विरोध

हजारीबाग । पुराना समाहरणालय के सामने गुरुवार को अखिल भारतीय भुईयां समाज कल्याण समिति ने पूर्व मंत्री दुलाल भुईयां को अंगरक्षक वापस लिए जाने के विरोध में एक दिवसीय धरना दिया. धरने के दौरान सरकार से पुनः अंगरक्षक वापस कराने की मांग की गई. धरने में मौजूद लोगों का कहना था कि अंगरक्षक की अनुपस्थिति में दुलाल भुईयां की जान और सुरक्षा खतरे में हैं. भुईयां समाज कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि दुलाल भुईयां को अंगरक्षक नहीं लौटाया गया तो सड़क से लेकर सदन तक मजबूत आंदोलन किया जाएगा. वहीं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नुनुलाल भुईयां ने कहा कि पूरे राज्य में भुईया समाज के एकमात्र पूर्व मंत्री की सुरक्षा हटाने से उनके जीवन पर गंभीर खतरा है और यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो राज्यव्यापी आंदोलन होगा.

लापरवाही : आरागुड़ी पंचायत स्थित टेमकी गांव में जितिया पर्व के अवसर पर लगा था मेला

लातेहार में चाउमीन खाने से 35 बच्चे बीमार, भर्ती

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार जिले के आरागुड़ी पंचायत स्थित टेमकी गांव में जितिया पर्व के अवसर पर लगे मेले में खाद्य सुरक्षा को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है. मेले में एक ठेले पर चाउमीन खाने के बाद करीब 35 बच्चे फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आ गए. घटना के बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया. बच्चों को उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी, जिसके बाद परिजनों ने आनन-फानन में उन्हें लातेहार सदर अस्पताल पहुंचाया. स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला परिषद सदस्य विनोद उरांव को सूचित किया गया. उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस की व्यवस्था कर सभी बच्चों को अस्पताल भिजवाया.

डॉक्टरों की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी

सदर अस्पताल में चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. जय प्रकाश जायसवाल के नेतृत्व में बच्चों का तुरंत इलाज शुरू किया गया. डॉक्टर ने बताया कि कुल 35 बच्चे फूड प्वाइजनिंग के शिकार हुए थे, जिनमें लगभग 10 प्रतिशत की स्थिति गंभीर थी. हालांकि समय रहते इलाज मिलने से सभी बच्चों की हालत अब स्थिर है. स्थानीय लोगों के अनुसार मेले में बाहर से आए एक व्यक्ति ने चाउमीन का ठेला लगाया था. आशंका है कि उसी ठेले से खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ी. स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है और खाद्य सामग्री के सैंपल लेने की तैयारी की जा रही है.

स्थिति सामान्य, लेकिन सतर्कता है जरूरी

फिलहाल सभी बच्चों की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और उपचार के बाद उन्हें जल्द ही छुट्टी दी जा सकती है. प्रशासन ने खाद्य विक्रेताओं पर निगरानी बढ़ाने और त्योहारों में स्वच्छ व सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने की बात कही है.

बीमार बच्चों की सूची : फूड प्वाइजनिंग की चपेट में आए बच्चों में अनूप भगत, अयांश उरांव, प्रियांशु कुमारी, दीपशिखा कुमारी, राधिका उरांव, प्रिंस उरांव, सिबक उरांव, रोशनी कुमारी, वंश राज उरांव, शिखा कुमारी, अनु कुमारी, नेहा कुमारी, पीयूष उरांव, आरोही कुमारी, चांदनी कुमारी, ऋषिका उरांव, पूर्णिमा कुमारी, आशिक उरांव, आर्यन उरांव, मनीषा, रूपा, सोनी, सुनैना कुमारी और मोनिका कुमारी शामिल हैं. इसके अलावा विमल उरांव, संदीप कुमार, सूर्यांश उरांव, रियांश उरांव, एंजेल कुमारी, राधा कुमारी, अंजली, सुप्रिया कुमारी, श्रेया कुमारी, अमित भगत, सौरभ कुमार, सुनील भुइयां और बंधन तिर्की समेत अन्य बच्चे भी प्रभावित हुए हैं. इन सभी बच्चों की उम्र 3 से 15 वर्ष के बीच बताई जा रही है.

एक्सएलआरआइ ने शुरू किया झारखंड इंडस्ट्रियल पॉलिसी लैब, लांच हुआ प्रोजेक्ट

शुभम संदेश । जमशेदपुर

झारखंड में औद्योगिक विकास, सुशासन और स्थिरता को नई दिशा देने के उद्देश्य से एक्सएलआरआइ ने झारखंड इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जिडको), झारखंड इंडस्ट्रियल एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जियाडा) और इन्वेस्ट इंडिया के साथ मिलकर झारखंड इंडस्ट्रियल पॉलिसी लैब की शुरुआत गुरुवार से की है. इस पहल के तहत 15 लाइव प्रोजेक्ट्स की लॉन्चिंग एक्सएलआरआइ परिसर में आयोजित ओरिएंटेशन और ब्रीफिंग सेशन में की गई. कार्यक्रम की शुरुआत स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट के असोसिएट प्रोफेसर डॉ. कल्याण भास्कर के परिचय संबोधन से हुई. डीन एकेडमिक्स प्रो. डॉ. संजय पात्रो ने स्वागत भाषण दिया. इसके बाद जिडको और जियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने प्रोजेक्ट्स का औपचारिक अनावरण किया और राज्य की औद्योगिक नीतियों में परिवर्तनकारी विजन प्रस्तुत किया.

नॉलेज पार्टनर और कंसल्टिंग पार्टनर के रूप में इन्वेस्ट इंडिया और ईवाई की टीम ने प्रोजेक्ट्स की रणनीतिक दिशा और नीतिगत महत्व पर अपने विचार साझा किए. छात्रों के साथ हुए इंटरएक्टिव सत्र ने इस कार्यक्रम को और अधिक सार्थक बना दिया, जहां भविष्य के मैनेजर्स ने सीधे नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों से संवाद किया. इन 15 प्रोजेक्ट्स में कुल 30 छात्र टीमें शामिल होंगी. कुछ टीमें पब्लिक पॉलिसी के वैकल्पिक कोर्स के माध्यम से तो कुछ कमेटी फॉर पब्लिक पॉलिसी रिसर्च (सीपीपीआर) के सहयोग से कार्य करेंगी. छात्रों को साप्ताहिक और चरणबद्ध मार्गदर्शन दिया जाएगा ताकि प्रोजेक्ट्स के नतीजे ठोस और प्रभावी हों. इन 15 लाइव प्रोजेक्ट्स के साथ झारखंड इंडस्ट्रियल पॉलिसी लैब नवाचार, नीति विश्लेषण और क्रियान्वयन का एक अद्वितीय मंच बनने जा रहा है, जहां अकादमिक जगत, सरकार और उद्योग मिलकर समावेशी विकास का रास्ता प्रशस्त करेंगे. यह पहल देश में पहली बार हो रही है, जब किसी बी-स्कूल के छात्र प्रत्यक्ष रूप से सरकारी नीतियों के निर्माण और कार्यान्वयन की प्रक्रिया का हिस्सा बन रहे हैं.

8वें राष्ट्रीय पोषण माह का अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य विभाग ने किया शुभारंभ

राज्य शिशु मृत्यु दर एवं मातृत्व मृत्यु दर में राष्ट्रीय औसत से बेहतर

शुभम संदेश। रांची

अपर मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग ने अजय कुमार ने कहा कि झारखंडी व्यंजनों का इंपैक्ट ग्लोबल हो इसके लिए व्यंजनों के बनाने की विधि सोशल मीडिया पर डालें ताकि पूरे भारतवर्ष सहित विदेशों में लोग इसे अपनाएं. 100 से भी ज्यादा झारखंडी व्यंजन हैं जिसे बनाने में ग्रामीण महिलाओं की बड़ी भूमिका है. सोशल मीडिया से इसका ग्लोबल इफेक्ट्स होगा. वह गुरुवार को 8वें राष्ट्रीय पोषण माह शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का राज्यस्तरीय शुभारंभ हो चुका है जो 2 अक्टूबर तक चलेगा. यह स्वास्थ्य जांच अभियान राज्य के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर चलाया जा रहा है. इस कार्यक्रम की सफलता की जिम्मेवारी ग्रामीण स्तर पर कार्य करने वाली आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहियाओं पर है.

शिशु मृत्यु दर और मातृत्व मृत्यु दर के मामले में हम राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में

अजय कुमार सिंह ने कहा कि राज्य में बेशक डॉक्टर्स की कमी है उसके बाद भी झारखंड राज्य शिशु मृत्यु दर एवं मातृत्व मृत्यु दर के मामले में राष्ट्रीय औसत से बेहतर स्थिति में हैं. जबकि संस्थागत प्रसव के मामले में हम पीछे हैं, जिसमें सुधार करने की जरूरत है. पोषण माह में सभी जिला के समाज कल्याण पदाधिकारी, स्वास्थ्य चिकित्सा पदाधिकारी और आंगनबाड़ी सेविकाओं और सहियाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है. सभी को एक साथ मिल कर 15 दिन काम करना हैं. इस दौरान झारखंड में हर दिन 4000 कैम्प लगाए जाएंगे. उन्होंने कहा कि पोषण माह में इस बात पर फोकस रहेगा कि खुद को स्वस्थ रखने के लिए किन किन खाद्य पदार्थों का उपयोग कम करें और हेल्दी डाइट में क्या क्या लें? उन्होंने चीनी, मैदा और तेल जैसे पदार्थों के सेवन को कम करने की बात कही. अपनी थाली में इसकी मात्रा कम कर सकते हैं तो ये आपके स्वाथ्य के लिए महत्वपूर्ण होगा.

बिना स्वस्थ महिला के स्वस्थ भारत, स्वस्थ झारखंड की कल्पना नहीं: मनोज कुमार

मनोज कुमार, सचिव समाज कल्याण विभाग ने कहा हमे विकसित झारखंड बनाना है और बिना महिलाओं के बेहतर स्वास्थ के स्वस्थ भारत, स्वस्थ झारखंड की कल्पना नहीं कर सकते हैं. आधी आबादी का स्वास्थ्य बेहतर हो इसी के तहत यह अभियान चलाया जा रहा है. झारखंड का प्रदर्शन बीते अन्य राष्ट्रीय पोषण माह अभियान में बेहतर प्रदर्शन रहा है. सभी, आंगनबाड़ी सेविका, सहिया दीदी, स्वास्थ्य कर्मचारी का बेहतर प्रदर्शन रहा है. इस वर्ष सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका से भी बेहतर प्रदर्शन की आशा की जाती है. उन्होंने कहा कि प्राथमिक जांच में सभी आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका की भूमिका महत्वपूर्ण है. वे अपने क्षेत्र की महिलाओं को निकट के स्वास्थ्य केंद्रों में ले जाए और उनकी प्रत्येक जांच कराएं. ज़रूरत पड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल में रेफेर किया जा सकता है. उन्होंने कहा कि इस वर्ष 6 बेसिक थीम पर काम करना है. झारखंड में लोग संपूर्ण आहार का सेवन करें इस पर जोर देना है. लोकल फूड को अपने व्यंजन में शामिल करना है. अपनी थाली को हरा भरा करना है. सभी प्रकार के ग्रीन वेजिटेबल को शामिल करना है.

एक नजर

जदयू नेता धर्मेंद्र तिवारी बोले- झारखंड सरकार की सबसे बड़ी नाकामी है जेटेट परीक्षा नहीं कराना

रांची। जदयू के वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र तिवारी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में पिछले नौ वर्षों से शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट/टेट) आयोजित नहीं की गई, जो राज्य सरकार की सबसे बड़ी विफलता है. उन्होंने कहा कि लाखों शिक्षित बेरोजगार युवा वर्षों से परीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन सरकार केवल खोखले वादों और प्रचार पर ध्यान दे रही है. मुख्यमंत्री 26,000 शिक्षकों की भर्ती की बात करते हैं, लेकिन इसकी नियमावली स्पष्ट नहीं है. परीक्षा नहीं हुई तो आधार क्या होगा? उम्र सीमा का भी कोई जिक्र नहीं है. तिवारी ने शिक्षा विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार, निजी स्कूलों को बढ़ावा और पारा शिक्षक संघ की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाए. उन्होंने नवनियुक्त शिक्षकों से समाज निर्माण में भागीदारी की अपील की. साथ ही सरकार को चेतावनी दी कि अगर जल्द टेट परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की गई, तो बड़ा आंदोलन होगा.

कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष आदिल जहीर की मांग कर्मियों की सेवानिवृत्ति की आयु 62 वर्ष की जाए

रांची। झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल ज़हीर ने बताया कि महासंघ ने अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर पूर्व में विधानसभा के समक्ष महाधरना दिया था और राज्य भर के कर्मचारियों की जायज मांगों को लेकर सरकार से गुहार लगाई थी. उन्होंने कहा कि सचिवालय से लेकर मुफस्सिल तक के सभी कर्मचारी एकजुट होकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव अलका तिवारी से लगातार अनुरोध कर रहे हैं कि राज्य में कर्मचारियों की कमी को देखते हुए सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाए. इसके अतिरिक्त महासंघ ने सचिवालय और मुफस्सिल स्तर के चतुर्थवर्गीय कर्मियों को तृतीय वर्ग (लिपिक) में प्रोन्नति देने, शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ देने और उन्हें गैर शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने, शिशु शिक्षण भत्ता देने, जनसेवकों व पंचायत सेवकों को प्रोन्नति देने, रिम्स की नर्सों समेत अन्य को ओपीएस (पुरानी पेंशन योजना) का लाभ देने व राज्य में रिक्त पड़े पदों पर बेरोजगारों की सीधी नियमित नियुक्ति जैसे मुद्दों को भी उठाया है.ज़हीर ने कहा कि राज्यकर्मियों की ये मांगें वर्षों से लंबित हैं और अब सरकार को इन्हें गंभीरता से लेना चाहिए. उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन राज्यकर्मियों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे.

बी डिवीजन फुटबॉल नॉक आउट में हरमू की शानदार जीत

रांची। छोटानागपुर एथलेटिक्स एसोसिएशन (सीएए) की ओर से आयोजित बी डिवीजन नॉक आउट फुटबॉल टूर्नामेंट गुरुवार को हटिया में शुरू हुआ. पहला मुकाबला शहीद बिरसा जोरार नामकुम व हरमू फुटबॉल एकेडमी के बीच खेला गया. निर्धारित समय तक दोनों ही टीम कोई गोल नहीं कर सकी. टाइब्रेकर में हरमू एफसी ने 5-4 से मुकाबला जीतकर अगले दौर के लिए प्रवेश किया. वहीं, जोरार की टीम हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई. दूसरे मुकाबले में बासुदेव कुटंब परिवार के नहीं आने के कारण बीटी-11 को वॉक ओवर का लाभ मिला. मैच से पहले सीएए के महासचिव आसिफ नईम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. इस मौके पर सीएए के सदस्य आरके सेनापति, अस्तानिस बिहान, मादी, टारजन आदि शामिल थे. 19 को हटिया में झारखंड लॉयन-यंग हिरा नागपुर पाहनटोली व दूसरा मैच क्रूसेडर व डीसी हेतू के बीच खेला जाएगा. 19 सितंबर से दुबलिया में भी नॉक मुकाबले शुरू होंगे.

फुटबॉल रेफरी में भविष्य बनाने का मौका 17-18 अक्तूबर को फिजिकल और एग्जाम

रांची। सीएए की ओर से रांची जिला स्तरीय फुटबॉल रेफरी बालक-बालिका का लिखित और फिजिकल एग्जाम 17-18 अक्टूबर को लिया जाएगा. जो भी फुटबॉल खिलाड़ी व अन्य रेफरी में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं, वे इस एग्जाम में भाग ले सकते हैं. एग्जाम के लिए सीएए महासचिव आसिफ नईम से फार्म प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा रांची के सभी पुराने रेफरी का भी फिजिकल टेस्ट व सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। जो भी रेफरी इस एग्जाम में भाग नहीं लेंगे, उन्हें राज्य स्तरीय रेफरी एग्जाम जो झारखंड फुटबॉल एसोसिएशन के द्वारा ली जाती है उसमें भाग लेने नहीं दिया जाएगा। इसलिए इस फिटनेस टेस्ट में हर हाल में रांची के सभी रेफरी को भाग लेना जरूरी है। पुराने सभी रेफरी को नया रजिस्ट्रेशन फॉर्म भरना अनिवार्य है। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 28 सितंबर 2025 है। अधिक जानकारी के लिए 6205216893 पर संपर्क किया जा सकता है.

झारखंड सरकार विकास विरोधी, राहुल देश के सबसे बड़े झूठे, कांग्रेस को पाताल में ले जा रहे: अरुण सिंह

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसदअरुण सिंहने शुक्रवार को झारखंड की हेमंत सोरेन सरकारऔरकांग्रेस नेता राहुल गांधीपर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि जहां केंद्र सरकार प्रधानमंत्रीनरेंद्र मोदीके नेतृत्व में गांव, गरीब, किसान, आदिवासी, दलित और पिछड़ों को मुख्यधारा से जोड़ने में जुटी है, वहीं झारखंड मेंहेमंत सरकार लूट, घोटाले औरतुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई है.सिंह ने कहा कि झारखंड में कानून व्यवस्था की स्थिति चरमराई हुई है.उग्रवाद फिर से सिर उठा रहाहैऔरआईएसआई एजेंटों को तुष्टिकरण की वजह से राज्य में सुरक्षित पनाहगाह मिल रही है.उन्होंनेसामाजिक कार्यकर्ता सूर्या हांसदा की हत्याका जिक्र करते हुए कहा किअवैध खनन और पत्थर माफियाओंका विरोध करने पर लोगों की जान जा रही है.

बिहार चुनाव में एनडीएकी होगी भारी जीत : उन्होंने दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव मेंइंडिया गठबंधन का सफायाहो जाएगा औरएनडीए एक बार फिर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगा.प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश महामंत्रीमनोज कुमार सिंह, प्रदेश मीडिया प्रभारीशिवपूजन पाठक, प्रदेश प्रवक्ताअजय साहऔर सह मीडिया प्रभारीयोगेंद्र प्रताप सिंहमौजूद थे.

राज्य में विकास ठप, सड़कों और बिजली की हालत खराब : उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में विकास पूरी तरह ठप पड़ा है, सड़कें टूटी पड़ी हैं और बिजली व्यवस्था चरमराई हुई है.उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से प्रचुर मात्रा मेंयूरिया उपलब्ध कराए जाने के बावजूद राज्य में यूरिया की कालाबाजारी हो रही है. सिंह ने कहा कि हेमंत सरकार को जनता नेघोटाले करने के लिए नहीं, बल्किविकास और वादे पूरे करने के लिए चुना था.लेकिन सरकार ने फिर जनता को धोखा दिया है. उन्होंने कहा कि राज्य में'जल जीवन मिशन' अधूरा पड़ा है और महिलाओं के साथ मंइयां सम्मान के नाम पर छलावा दिया जा रहा है.युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं.

राहुल गांधी पर भी तीखा हमला

राहुल गांधी को आड़े हाथों लेते हुए अरुण सिंह ने कहा कि वह देश के सबसे बड़े झूठे नेता हैं और खुद को बेताज बादशाह समझते हैं.उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी लगातार संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं और कांग्रेस पार्टी को पाताल में ले जा रहे हैं. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि, ऱजहां राहुल गांधी जीतते हैं, वहां ईवीएम और वोटर लिस्ट सब ठीक होते हैं और जहां हारते हैं, वहां गड़बड़ी दिखती है, आखिर उन्हें समझाए कौन?

दुर्गा पूजा का आयोजन करनेवाली पूजा समितियों को जिला प्रशासन ने दिया निर्देश

रांची। दुर्गा पूजा का आयोजन करनेवाली पूजा समितियों के लिए जिला प्रशासन ने आवश्यक दिशानिर्देश जारी कर दिया है. पूजा समितियों को 33 केवीए, 11 केवीए एवं अन्य बिजली के तार से सुरक्षित दूरी में पूजा पंडालों का निर्माण सुनिश्चित करने को कहा गया है. यह भी कहा गया है कि पूजा पंडालों के आस-पास या ऊपर बिजली के खुले तार ना हों, ताकि किसी तरह का खतरा उत्पन्न न हो. जिला प्रशासन द्वारा सभी दुर्गा पूजा समितियों से आग्रह किया है कि दुर्गापूजा पंडालों में हर हाल में सुरक्षा मानकों का ख्याल रखें. जान-माल की सुरक्षा सर्वोपरि है. केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा तथा विद्युत आपूर्ति संबंधी उपाय) विनियम 2010 के प्रावधानों के तहत सुरक्षात्मक उपायों के अनुसार अस्थायी विद्युतीकरण का कार्य सुनिश्चत करने को कहा गया है. झारखंड विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की अनुमति एवं विद्युतभार स्वीकृति के बाद ही पंडालों विद्यातीकरण का कार्य करें.

पंडालों में अर्थिंग की समुचित व्यवस्था करें : प्रत्येक पूजा पंडाल में कम से कम दो अर्थिंग का निर्माण कराना आवश्यक है. विद्युत नियंत्रण कक्ष/पैनल ऐसे जगह पर बनाया जाए, जहां श्रद्धालुओं की भीड़ न हो और विद्युतकर्मी असानी से आ-जा सकें. साथ ही विद्युत नियंत्रण कक्ष का बोर्ड प्रदर्शित कर उसका घेराव करने को कहा गया है. जेनरेटर नियमानुसार लगाएं, उचित क्षमता के मेन स्वीच एंव चेंज ओवर स्वीच का व्यवहार अवश्य करें और विद्युत यंत्रों में समुचित अर्थिंग की व्यवस्था करें. लोड के अनुरूप ही तारों / केबुल का उचित साईज व्यवहार करें, किसी भी हाल में अंडर साइज तार / केबल व्यवहार में नहीं लायें.

हेमंत के नेतृत्व में झारखंड ने 5.5 वर्षों में विकास और सामाजिक न्याय के नए आयाम गढ़े हैं : विनोद पांडेय

शुभम संदेश। रांची

झामुमो महासचिव विनोद पांडेय ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि नकेआरोप न सिर्फ तथ्यहीन हैं, बल्कि झारखंड की मेहनतकश जनता का अपमान भी है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार ने पिछले साढ़े पांच वर्षों में विकास और सामाजिक न्याय के नए आयाम गढ़े हैं. शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, पेयजल, युवाओं के लिए रोजगार योजनाएं, हर क्षेत्र में ठोस कदम उठाए गए हैं. आज़ादी के बाद पहली बार आदिवासी-ग्रामीण समाज को केंद्र में रखकर योजनाएं लागू हो रही हैं, जो भाजपा को पच नहीं रही. पांडेय ने कहा कि अरुण सिंह जिस "जंगलराज" की बात कर रहे हैं, दरअसल वह भाजपा के 19 वर्षों के शासनकाल की विरासत थी. हमारी सरकार ने कानून व्यवस्था मजबूत की, उग्रवाद पर निर्णायक प्रहार किया और निवेश के लिए सुरक्षित माहौल तैयार किया. आतंकवादियों का "सेफ जोन" बताना राज्य की पुलिस व सुरक्षा एजेंसियों का मनोबल तोड़ने की साजिश है. सूर्या हांसदा एनकाउंटर की जांच चल रही है, लेकिन भाजपा द्वारा सूर्या मामले को राजनीतिक लाभ के लिए भुनाना दुर्भावनापूर्ण है.

पांडेय ने कहा कि भाजपा यूरिया और जल जीवन मिशन जैसी केंद्रीय योजनाओं का हवाला देकर जनता को गुमराह कर रही है, जबकि सच्चाई यह है कि केंद्र से समय पर झारखंड की हेमंत सरकार को संसाधन नहीं मिलते और राज्यों की हिस्सेदारी में लगातार कटौती की जा रही है. जनता के अपार समर्थन से बनी सरकार के खिलाफ सौतेला व्यवहार सीधे तौर पर जनादेश का अपमान है. रोजगार, किसान सम्मान, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए "मंईयां सम्मान योजना", "सावित्री बाई फुले प्रोत्साहन", सर्वजन पेंशन सहित फेलोशिप जैसी योजनाओं ने हजारों परिवारों को संबल दिया है और आर्थिक सामाजिक बदलाव में अहम भूमिका निभा रही है. विनोद पांडेय ने भाजपा नेताओं को सलाह दी है कि वे झूठी बयानबाजी छोड़ राज्य के वास्तविक विकास के आंकड़ों को देखें. हेमंत सरकार ईमानदारी, पारदर्शिता और जनकल्याण की नीतियों से झारखंड को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है. जनता सच्चाई जानती है और 2024 के लोकसभा व 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बार-बार जवाब दे चुकी है. लेकिन, भाजपा की आंखें नहीं खुल रही हैं. प्रदेश नेताओं को राज्य में राजनीतिक करनी नहीं आ रही है तो एक बार फिर बाहर से नेताओं को लाकर अनाप सनाप बकवास कराया जा रहा है। चुनाव के दौरान भाजपा को अपनी ऐसी हरकत का जनता से करार जवाब मिल चुका है. हैरानी की बात यह है कि भाजपा की समझ में यह बात क्यों नहीं आ रही है कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व में अब झारखंड अपने स्वर्णिम सफर पर निकल चुका है.

आरपीएफ ने 30 किलो गांजा के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

शुभम संदेश। रांची

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से 30 किलो गांजा बरामद किया है. मामले में दो आरोपितों अभिषेक सिंह(31) और गोविंद कुमार(33) को गिरफ्तार किया है. दोनों आरोपित बिहार के बक्सर के रहने वाले है. आरपीएफ के एसआई साधना कुमारी ने गुरुवार को बताया कि कमांडेंट पवन कुमार के निर्देशानुसार आरपीएफ सतर्क थी. इसी क्रम में हटिया आरपीएफ पोस्ट की अधिकारी तथा फ्लाइंग टीम स्टेशन पर जांच में तैनात थे. ट्रेन संख्या 15027 (मौर्या एक्सप्रेस) प्लेटफॉर्म नंबर 03 पर आई. जांच के दौरान कोच संख्या बी/01 में दो व्यक्ति संदिग्ध स्थिति में सोते पाए गए. पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम अभिषेक सिंह और गोविंद कुमार बताया. दोनों ने स्वीकार किया कि उनके ट्रॉली बैग में भूरे प्लास्टिक में लिपटा गांजा रखा है. तुरंत उन्हें ट्रेन से उतार कर प्लेटफॉर्म पर लाया गया. इसकी जानकारी असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर, आरपीएफ मूरी को दी गई. मौके पर असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर आरपीएफ मूरी पहुंचे और उनके बैग की तलाशी ली गई. तलाशी में पाया गया कि अभिषेक सिंह के ट्रॉली बैग से आठ पैकेट और गोविंद कुमार के बैग से छह पैकेट गांजा बरामद हुआ.

उन्होंने बताया कि असिस्टेंट सिक्योरिटी कमिश्नर आरपीएफ मूरी के निर्देशानुसार सभी 14 पैकेटों की डीडी किट से जांच की गई, जिसमें गांजा पॉजिटिव पाया गया. बरामद गांजा का वजन करने पर 30 किलो पाया गया. बरामद गांजा और अन्य सामान को जब्त किया गया. पूछताछ में दोनों ने बताया कि उन्होंने यह गांजा राउरकेला (ओडिशा) से खरीदा था और रांची बस स्टैंड जाकर राकेश नामक व्यक्ति के कहने पर किसी अन्य व्यक्ति को देने जा रहे थे. सभी कानूनी औपचारिकताओं के बाद दोनों आरोपितों को बरामद गांजा सहित अन्य सामान के साथ जीआरपी हटिया को सौंप दिया गया. जब्त गांजा की कीमत लगभग तीन लाख बताया गया है.

सौगात: रांची में रिनपास के पास विश्वस्तरीय मेडिको सिटी बनेगी, एडीबी ने दी 2800 करोड़ की मंजूरी

रांची की मेडिको सिटी में बनेंगे 12 मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल : डॉ. इरफान अंसारी

शुभम संदेश। रांची

राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा और नई ऊंचाई देने के लिए झारखंड सरकार ने राजधानी रांची में विश्वस्तरीय मेडिको सिटी बनाने की पहल की है. इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए एशियन डेवलपमेंट बैंक ने 2800 करोड़ की वित्तीय सहायता को हरी झंडी दे दी है. यह परियोजना रिनपास के पास ही विकसित की जाएगी. राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने इस परियोजना को "झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कदम" करार दिया. "अब झारखंड के लोगों को गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बाहर जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी. मेडिको सिटी में हृदय, किडनी, लीवर सहित अन्य जटिल रोगों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर और अत्याधुनिक सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगी. यह कदम झारखंड को हेल्थकेयर सेक्टर में नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा."

परियोजना की प्रमुख विशेषताएं :

नर्सिंग, फार्मेसी और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना

- क्षेत्रीय चिकित्सा केंद्र एवं सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक्स
- ज़िला स्तर पर स्वास्थ्य संस्थानों का आधुनिकीकरण
- डिजिटल हेल्थ सिस्टम और टेलीमेडिसिन की सुविधा
- मानव संसाधन विकास एवं चिकित्सा शिक्षा में सुधार
- निजी क्षेत्र की भागीदारी (पीपीपी मॉडल) को बढ़ावा
- तकनीकी और वित्तीय सहयोग
- 2800 करोड़ की परियोजना लागत (एडीबी की बाह्य सहायता सहित)
- ग्रीन बिल्डिंग तकनीक से निर्मित पर्यावरण अनुकूल अस्पताल
- टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार
- सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी)-स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता और गरीबी उन्मूलन की दिशा में ठोस योगदान

परियोजना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक हुई. बैठक में अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी की कार्यकारी निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा और एडीबी की प्रतिनिधि सोनालिनी खेत्रपाल उपस्थित रहीं.

सेवा सप्ताह की शुरुआत: मातृत्व वार्ड में फल वितरण, बच्चों को मिली पाठ्य सामग्री

शुभम संदेश । रांची

सेवा सप्ताह के प्रथम चरण के अंतर्गत बुधवार को सदर अस्पताल, रांची के मातृत्व वार्ड में भर्ती माताओं और नवजात शिशुओं को फल और बिस्कुट के हैंपर वितरित किए गए. इस सेवा कार्यक्रम के प्रायोजक जायंट्स चंद्रकांत गोपालका और श्रीमती कुसुम गोपालका थे, जिन्होंने आवश्यक सामग्री की व्यवस्था की. कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. विकास गुप्ता और डॉ. नैयर का सराहनीय सहयोग रहा. इस सेवा गतिविधि में जायंट्स वी. के. कपूर, प्रदीप अग्रवाल, प्रमोद गुप्ता, मिथलेश साहू, जितेंद्र साहा और मितुल कुमार ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई. सभी ने वार्ड में मौजूद माताओं और उनके बच्चों को आत्मीयता से फल और बिस्कुट प्रदान किए. सेवा सप्ताह के दूसरे दिन गुरुवार को जायंट्स ग्रुप ऑफ रांची द्वारा झिरी स्थित राजकीय उत्क्रमित विद्यालय में पाठ्य सामग्री का वितरण किया गया. यह विद्यालय अत्यंत निर्धन वर्ग के बच्चों को शिक्षा प्रदान करता है. बच्चों को 2 नोटबुक, पेन, पेंसिल, रबर, कटर, स्केल, जिप पाउच आदि दिए गए ताकि उनकी पढ़ाई में सहूलियत हो सके. इस कार्यक्रम में जायंट्स आर. चौधरी, वी. के. कपूर, मिथलेश साहू, हेमलता अग्रवाल, जितेंद्र साहा, प्रमोद रंजन और मितुल कुमार ने सहभागिता की. विद्यालय की शिक्षिकाओं ने भी सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाया. पाठ्य सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे और उन्होंने धन्यवाद दिया. कार्यक्रम के अंत में उन्हें अधिक पढ़ाई करने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी गई.

झारखंड कांग्रेस का आरोप | संगठित तरीके से दलित, आदिवासी और पिछड़ों का वोट चुराया गया

15 अक्टूबर तक चलेगा राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान पंचायत स्तर तक पहुंचाई जाएगी वोट चोरी की आवाज

शुभम संदेश। रांची

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि जननायक राहुल गांधी के खुलासे से यह साफ हो गया है कि देशभर में संगठित साजिश के तहत दलित, आदिवासी और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं. उन्होंने इसे लोकतंत्र पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि यह वोट चोरी एक संगठित गिरोह द्वारा की जा रही है, जिसका निशाना कमजोर वर्ग के मतदाता हैं.इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रीय स्तर पर ₹वोट चोरी के खिलाफ हस्ताक्षर अभियान₹ की शुरुआत की है. झारखंड में यह अभियान 15 अक्टूबर तक चलेगा और पंचायत स्तर तक पहुंचाया जाएगा. इस दौरान जनता को चुनाव आयोग की संदिग्ध भूमिका और इसके पीछे के इशारों के बारे में जानकारी दी जाएगी.

अध्यक्ष कमलेश ने मांग की कि चुनाव आयोग हर चुनाव से पहले मशीन रीडेबल, फोटोयुक्त मतदाता सूची और जोड़े-हटाए गए नामों की जानकारी सार्वजनिक करे. अंतिम समय में नाम हटाने या जोड़ने की प्रक्रिया पर रोक लगे और मतदाता अधिकारों का हनन करने वाले अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई हो.उन्होंने कहा कि महादेवपुरा और कर्नाटक के आलंद की घटनाओं ने निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया पर गहरी शंका खड़ी कर दी है. उन्होंने भाजपा और केंद्र सरकार पर भी आरोप लगाए कि वे इन सवालों से भाग रहे हैं और जवाबदेही से बच रहे हैं.

श्री श्री बांधगाड़ी दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष इको फ्रेंडली पंडाल का कर रही है निर्माण

शुभम संदेश। रांची

शारदीय नवरात्र का शुभारंभ 22 सितंबर से हो रहा है. ऐसे में झारखंड की राजधानी रांची में दुर्गा पूजा आयोजन समितियों की ओर से पूजा के आयोजन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. एक से बढ़कर एक पूजा पंडालों का निर्माण कराया जा रहा है. इसी क्रम में श्री श्री बांधगाड़ी दीपाटोली दुर्गा पूजा समिति इस वर्ष इको फ्रेंडली पंडाल का निर्माण कर रही है.

समिति के सचिव शिव गोप ने गुरुवार को बताया कि यह पंडाल अनेकता में एकता का संदेश देता दिखेगा. यहां हर वर्ष भव्य पंडाल बनाया जाता है. पंडाल को बंगाल के कारीगर तैयार कर रहे है. इस वर्ष पंडाल में इंट्री करते ही लोगों को सर्वधर्म संपन्न की झलक देखने को मिलेगी. वहीं मुख्य द्वार पर शहीदों की तस्वीर लगी होगी. मां की मूर्ति भी अद्भुत और आकर्षक होगी. भगवान गणेश, लक्ष्मी, कार्तिकेय और मां सरस्वती के साथ मां यहां विराजेंगी.

उन्होंने बताया कि मां दुर्गे की 15 फीट ऊंची मूर्ति को रांची के प्रसिद्ध मूर्तिकार अजय पाल तैयार कर रहे हैं. इस वर्ष बांधगाड़ी दीपाटोली दुर्गा पूजा में लाइटिंग पर विशेष जोर दिया गया है. चंदननगर से कलाकार की ओर से बिजली के रंग-बिरंगे बल्बों से आकर्षक सजावट की जाएगी. कोकर अयोध्यापुरी से लेकर खेलगांव चौक तक लाइटिंग की कलाकारी देखी जा सकेगी. लाइटिंग पर 14-15 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है. पंडाल 110 फीट लंबा और 80 फीट चौड़ा होगा. इसे रेशम के धागे से बनाया जा रहा है. पंडाल निर्माण पर 22-25 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है. कुल लागत 35 लाख रुपये आएगा. उन्होंने बताया कि समिति के अध्यक्ष रमेश गोप, मुख्य संरक्षक उमेश राय, कोषाध्यक्ष मोहन गोप, उपाध्यक्ष मनोज गोप, संदीप मौर्या, रूपेश सिंह अनुप तिवारी, विश्वजीत गोप सहित अन्य पंडाल के निर्माण में जुटे हुए है. पंडाल का उद्घाटन 28 सितंबर को किया जाएगा. यहां 1961 से पूजा हो रही है.

ब्रीफ न्यूज

लगातार वज्रपात होने से दो मवेशियों की मौत

महुआडांड़। प्रखंड में दो दिन लगातार वज्रपात की वजह से दो मवेशी मौत का शिकार हुए. पहली घटना चैनपुर पंचायत के ग्राम हरिनगुड़ा में बुधवार दोपहर हुई, जिसमें किसान एलेक्स एक्का के एक बैल की मौत हो गई. दूसरे दिन गुरुवार को गड़बूढनी पंचायत के ग्राम बराही में कुलदीप बेक के एक बैल की वज्रपात से मौत हुई. मवेशी चराने के बाद वापस लौट रहे थे, तभी अचानक हुए वज्रपात ने जान ले ली. दोनों परिवारों में गहरा शोक व्याप्त है.

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, दूसरा कोमा में

लातेहार। महुआडांड़ थाना क्षेत्र के अहिरपुरवा मोड़ के पास बुधवार दोपहर करीब दो बजे एक बोलेरो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई. हादसे में बोलेरो चालक और साथ बैठे युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल युवकों की पहचान दुरूप पंचायत के ग्राम साले निवासी सुधीर एक्का (25) और जोन एक्का (25) के रूप में हुई. दोनों साले से महुआडांड़ की ओर जा रहे थे, तभी बोलेरो चालक का संतुलन बिगड़ गया और वाहन पेड़ से टकरा गया, जिससे पेड़ भी क्षतिग्रस्त हो गया. ग्रामीणों की मदद से उन्हें वाहन से बाहर निकाला गया और तुरंत महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. डॉ अमित खलखो ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन दोनों की हालत गंभीर थी, इसलिए उन्हें रेफर किया गया. इलाज के दौरान जोन एक्का की मौत हो गई जबकि सुधीर एक्का कोमा में है. मृतक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंपा गया.

झाड़ियों से जंजीर लगा लड़की का शव बरामद

मेदिनीनगर। नावाबाजार थाना क्षेत्र के राजदिरिया से एक अज्ञात लड़की का शव झाड़ियों में मिला है. शव के एक पैर में जंजीर लगी थी, जिस पर ताला भी था. लड़की के गले, चेहरे और आंखों पर चोट के निशान पाए गए हैं. पुलिस को आशंका है कि उसे पहले बंधक बनाकर रखा गया और फिर हत्या कर शव फेंका गया. स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है. फिलहाल लड़की की पहचान नहीं हो सकी है और यह भी स्पष्ट नहीं कि वह बालिग है या नाबालिग. पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ कर पहचान करने में जुटी है.

स्कॉर्पियो हो सकता है स्टॉक आउट: आकर्ष आनंद

मेदिनीनगर। केंद्र सरकार द्वारा वाहनों पर जीएसटी दर घटाने के बाद वाहन खरीदारी की मांग में तेजी आई है. महिंद्रा के अधिकृत विक्रेता आनंद मोटर्स के निदेशक आकर्ष आनंद ने बताया कि 22 सितंबर से नई जीएसटी दर लागू होने के कारण गाड़ियों की बुकिंग में तीन गुना वृद्धि हुई है. खासकर स्कॉर्पियो क्लासिक और स्कॉर्पियो एन मॉडलों की मांग बहुत अधिक है. प्रबंधक प्रमोद श्रीवास्तव ने बताया कि 21 सितंबर तक बुकिंग करने वाले ग्राहक अपना कागजात पूरा कर लें ताकि 22 तारीख को नई जीएसटी दर पर डिलीवरी मिल सके. उन्होंने चेताया कि स्टॉक सीमित होने के कारण देर होने पर लंबा इंतजार करना पड़ सकता है. 21 तारीख के बाद मिलने वाली गाड़ियां नई जीएसटी दर पर उपलब्ध होंगी. इसलिए ग्राहकों को जल्द कार्रवाई करने की सलाह दी गई है.

सहारा इंडिया से जुड़ी समस्या के समाधान तक लड़ेंगे विधायक जनार्दन पासवान

शुभम संदेश । लातेहार

चतरा जिला में सहारा इंडिया परिवार, झारखंड ने विधायक जनार्दन पासवान को अंगवस्त्र, पुष्पगुच्छ और तिलक लगाकर सम्मानित किया. इस अवसर पर झारखंड के कई जिलों के प्रबंधकों और सहारा इंडिया परिवार के सैकड़ों सदस्य मौजूद थे. सहारा इंडिया से जुड़े झारखंड के करोड़ों लोगों की आवाज बनने के लिए विधायक को धन्यवाद दिया गया.

सीआरसी रिफंड पोर्टल और कार्यालय बंद होने का संकट : विधायक जनार्दन पासवान ने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार 18 जुलाई 2023 को सहारा इंडिया सीआरसी रिफंड पोर्टल शुरू हुआ था. लेकिन झारखंड राज्य में सहारा इंडिया का कार्यालय बंद है, जबकि देश के अन्य हिस्सों में यह कार्यालय खुला है. उन्होंने कहा कि ग्राहक सेवा केंद्र बंद होने से झारखंड के लाखों गरीब लोगों के जमा करोड़ों रुपये अटके हुए हैं. सरकार को इस पर तत्काल संज्ञान लेना आवश्यक है.

झारखंड के लोगों के करोड़ों रुपये अटके हुए : झारखंड में लगभग 2000 कर्मचारी, 10 हजार फील्ड वर्कर और एक करोड़ से अधिक ग्राहक सहारा इंडिया से प्रभावित हैं. अनुमान है कि झारखंड वासियों का लगभग 4000 करोड़ रुपये सहारा इंडिया में जमा है. पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के आदेश से 5000 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था, लेकिन झारखंड को मात्र 300 करोड़ रुपये मिले जबकि बिहार को 800 करोड़ रुपये मिले, क्योंकि बिहार में कार्यालय खुला था. सहारा इंडिया कार्यालय बंद रहने से कई लाख ग्राहक प्रभावित होंगे और इसके लिए राज्य सरकार जिम्मेदार होगी.

समाधान के लिए विधायक जनार्दन की लड़ाई जारी : जनार्दन पासवान ने कहा कि वे इस ज्वलंत समस्या का समाधान होने तक लड़ते रहेंगे. उन्होंने 23 अगस्त को विधानसभा अध्यक्ष के माध्यम से सरकार को चेतावनी भी दी है. इसके अलावा, उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से भी इस मामले में बात की है. उनका कहना है कि यह मुद्दा केवल उनका नहीं बल्कि झारखंड के सभी विधायकों और सांसदों का होना चाहिए. विधायक जनार्दन पासवान झारखंडवासियों की सहारा इंडिया से जुड़ी समस्याओं के निस्तारण के लिए पूर्ण समर्पित हैं और उनका संघर्ष जारी रहेगा.

दिशा की बैठक में विकासा कार्यों की समीक्षा, बोले सांसद वीडी राम

लक्ष्य आधारित कार्यों को समय से पूरा करें अधिकारी

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक गुरुवार को समाहरणालय सभागार में पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इस बैठक में जिले में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई. बैठक के दौरान सांसद ने कुछ योजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों से विस्तार से सवाल-जवाब किया. साथ ही पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों और उनके अनुपालन की स्थिति पर भी चर्चा हुई.

बैठक में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान, समेकित बाल विकास योजना, प्रधानमंत्री उज्वला योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी कई योजनाओं की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई.

जनप्रतिनिधियों ने समीक्षा के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों में आ रही कमियों को बैठक अध्यक्ष को बताया. सांसद विष्णु दयाल राम ने सभी अधिकारियों को लक्ष्य आधारित कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए. उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सभी योग्य लाभुकों को आवास उपलब्ध कराने पर जोर दिया. सांसद ने कहा कि बिना किसी वाजिब कारण के किसी भी लाभुक की किस्त नहीं रुकी होनी चाहिए. इस पर कई विधायकों ने चिंता जताई कि कई योग्य लाभुक योजना से वंचित रह जाते हैं. डाल्टनगंज एवं हुसैनाबाद के विधायकों ने कहा कि कई निर्वाचित वार्ड सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण आवास योजना का लाभ नहीं उठा पाते, जिसे जल्द सुलझाने की आवश्यकता है.

मनरेगा के तहत मानव दिवस सृजन की समीक्षा में सांसद ने मेदिनीनगर, पाटन और सतबरवा ब्लॉक में सुधार की आवश्यकता बताई. पांकी विधायक ने कई पंचायतों में पेपर पर कार्य पूर्ण दिखाए जाने की समस्या उठाई. कई जनप्रतिनिधियों ने रोजगार सेवकों के लंबे समय तक एक स्थान पर बने रहने की समस्या को भी सामने रखा और स्थानांतरण की मांग की.

बैठक में पांकी विधायक ने खनिज लदे ओवरलोड वाहनों द्वारा सड़कों को नुकसान पहुंचाने का मामला उठाया. डाल्टनगंज, हुसैनाबाद और छत्तरपुर के विधायकों ने भी खराब सड़कों की स्थिति को लेकर अपनी सहमति व्यक्त की. डाल्टनगंज विधायक ने चैनपुर-नेउरा रोड, जबकि हुसैनाबाद विधायक ने जपला-पथरा रोड की बदहाली पर चिंता जताई. बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी पर्व को ध्यान में रखते हुए माइंस संचालकों द्वारा इन सड़कों की मरम्मत कराई जाएगी. सांसद ने जिला परिवहन पदाधिकारी को निर्देश दिया कि वे विभिन्न माइंस क्षेत्रों में वाहन जांच अभियान चलाएं और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त करें.

वित्त मंत्री एवं छत्तरपुर विधायक ने इस साल भारी वर्षा से क्षतिग्रस्त घरों की रिपोर्ट मांगी और अपर समाहर्ता को इसे संबंधित विधायकों के क्षेत्र अनुसार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया. बैठक में सांसद विष्णु दयाल राम ने सभी को राहत राशि जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए. इस दौरान पड़वा प्रमुख ने पदाधिकारियों द्वारा फोन न उठाने की समस्या को भी उठाया. इसके अलावा शिक्षा, कल्याण, स्वास्थ्य, सड़क निर्माण और आपूर्ति विभागों की भी समीक्षा की गई. बैठक में सांसद विष्णु दयाल राम, वित्त मंत्री राधा कृष्णा किशोर, पांकी विधायक डॉ. कुशवाहा शशिभूषण मेहता, डाल्टनगंज विधायक आलोक कुमार चौरसिया, विश्रामपुर विधायक नरेश प्रसाद सिंह, हुसैनाबाद विधायक संजय सिंह यादव, उपायुक्त समीरा एस, एसपी रीष्मा रमेशन, डीएफओ सत्यम कुमार, डीडीसी जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता कुंदन कुमार, प्रखंड प्रमुख और अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे.

अधिकारियों की उदासीनता से 11 महीने से बंद है सिकनी कोलियरी : डे

लातेहार। झारखंड विकास संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक व सामाजिक कार्यकर्ता रवि कुमार डे ने झारखंड राज्य खनिज विकास निगम (जेएसएमडीसी) के अधिकारियों पर सिकनी कोलियरी को लेकर घोर उदासीनता बरतने का आरोप लगाया है. प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि विगत 11 माह से सिकनी कोलियरी बंद है, जिससे लगभग 1200 मजदूर, ट्रक मालिक, चालक, खलासी और डीओ धारक बेरोजगार हो चुके हैं. उन्होंने कहा कि कोलियरी पर निर्भर लोगों की माली हालत बदतर हो गई है, जबकि जेएसएमडीसी के अधिकारी संवेदनहीन होकर सिर्फ अपने एसी दफ्तरों में बैठकर वेतन ले रहे हैं. रवि डे ने बताया कि मार्च में जब अधिकारियों से संपर्क किया गया, तब मई-जून तक कोलियरी शुरू होने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई पहल नहीं हुई. उन्होंने सरकार पर रोजगार की बातें कर, व्यवहार में बेरोजगारी बढ़ाने का आरोप लगाया. रवि कुमार डे ने राज्य सरकार और जेएसएमडीसी अधिकारियों से कोलियरी शीघ्र खोलने की मांग की है.

नावाबाजार थाना के संदिग्ध वीडियो पर त्वरित कार्रवाई सअनि राजेश बैठा निलंबित

मेदिनीनगर। नावाबाजार थाना के रात्रि गश्ती दल का संदिग्ध वीडियो फुटेज पुलिस अधीक्षक को व्हाट्सएप पर प्राप्त हुआ. जांच में पाया गया कि सशस्त्र अधीनस्थ अधिकारी (सअनि) राजेश बैठा अवैध धनराशि लेते हुए दिखाई दिए. अनुशासनहीनता के कारण उन्हें तत्काल निलंबित कर दिया गया. पुलिस अधीक्षक ने परिचारी प्रवर को निर्देशित किया है कि नावाबाजार थाना में पुराने सशस्त्र बलों को पुलिस केंद में वापस बुलाकर नए कर्मियों की नियुक्ति करें. पुलिस अधीक्षक ने जनता से अपील की है कि यदि किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ शिकायत हो तो पलामू पुलिस कंट्रोल रूम (7070452955) पर संपर्क करें.

दुर्गा पूजा को लेकर एसडीएम की समितियों संग बैठक, सुरक्षा व व्यवस्था को लेकर दिए दिशा-निर्देश

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार में अनुमंडल दंडाधिकारी अजय कुमार रजक की अध्यक्षता में बुधवार को थाना परिसर में दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई. बैठक में एसडीपीओ अरविंद कुमार, अंचलाधिकारी नंदकुमार राम, नगर प्रशासक राजीव रंजन समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे.

बैठक में एसडीएम ने पूजा समितियों से 28 से 30 फीट चौड़ा तोरणद्वार बनाने, कलश यात्रा की पूर्व सूचना देने, पंडालों में सीसीटीवी कैमरा व अग्निशमन यंत्र लगाने की अपील की.

उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था के लिए रूट डायवर्ट किया जाएगा. एसडीपीओ अरविंद कुमार ने असामाजिक तत्वों पर नजर रखने, चिन्हित कर नोटिस देने तथा सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने की बात कही. किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया. सदर थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने समितियों से 10-10 स्वयंसेवकों की सूची मांगी. बैठक में समितियों ने खराब सड़कों और हाई टेंशन तारों की समस्या उठाई, जिस पर एसडीएम ने समाधान का निर्देश दिया. बैठक में सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह सहित विभिन्न पूजा समितियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे.

लातेहार में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" की हुई शुरुआत

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार सदर अस्पताल में "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान" की शुरुआत जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, विधायक प्रतिनिधि अनिल कुमार, अपर समाहर्ता रामा रविदास और सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई. पूनम देवी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना, पोषण में सुधार लाना और सुरक्षित मातृत्व को प्रोत्साहित करना है. उन्होंने कहा कि स्वस्थ महिला ही परिवार और समाज की मजबूत नींव होती है. उप विकास आयुक्त ने बताया कि यह अभियान 17 सितंबर से 2 अक्तूबर तक जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में संचालित किया जाएगा. अभियान के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर महिलाओं की स्वास्थ्य जांच के साथ माहवारी स्वच्छता और मातृत्व संबंधी विषयों पर परामर्श देंगे. सिविल सर्जन ने बताया कि जिले के सभी प्रखंडों में यह अभियान चरणबद्ध रूप से चलेगा. कार्यक्रम के दौरान मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर बल दिया गया. अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रथ को रवाना किया. मौके पर चिकित्सक, स्वास्थ्यकर्मी, सेविकाएं और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से संपन्न : पांडू प्रखंड अंतर्गत पांडू, करमडिह टोला, मदनपुर कला, झरना समेत कई स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की पूजा श्रद्धा और भक्ति भाव से की गई.

बंदरबांट

तीन माह का अंगूठा लगवाकर केवल दो माह का ही राशन दिया

राशन की हुई बंदरबांट, कार्डधारियों ने किया जोरदार हंगामा

शुभम संदेश । पलामू

पलामू के उंटारी रोड प्रखंड के मुरमा कला में संचालित सहारा जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकान (अनुज्ञप्ति संख्या 06/2009) में राशन वितरण को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है. यहां जून माह में लाभुकों से तीन माह का अंगूठा लगवाकर केवल दो माह का राशन दिया गया, जबकि अगस्त माह का राशन अभी तक नहीं मिला है. कार्डधारियों ने लगातार दुकान का चक्कर लगाया, लेकिन दुकानदार द्वारा अगस्त के राशन की आपूर्ति से इंकार किया जा रहा है.

बुधवार को दोपहर करीब दो दर्जन से अधिक कार्डधारी राशन लेने दुकान पहुंचे, जहां दुकानदार ने कहा कि जब लकडही गांव के कार्डधारियों ने एक माह का राशन छोड़ दिया, तो बाकी लोग क्यों बार-बार आ रहे हैं. इसके बाद कार्डधारी नाराज होकर घंटों तक दुकान के बाहर बैठे रहे. राशन न मिलने से लोगों में रोष व्याप्त है.

कार्डधारियों ने आरोप लगाया कि उनसे झूठ बोलकर ई-पॉस मशीन में तीन माह का अंगूठा लगवाया गया, लेकिन केवल दो माह का राशन ही दिया गया. जब शेष राशन की मांग की गई, तो डीलर ने कहा कि बाद में देंगे, लेकिन तीन महीने बीत जाने के बाद भी राशन नहीं मिला.

इस मामले में जनवितरण प्रणाली के सचिव व कोषाध्यक्ष अनीता देवी ने कहा कि राशन बकाया है और धीरे-धीरे वितरण किया जाएगा. वहीं प्रखंड प्रमुख अलका कुमारी ने कहा कि कार्डधारियों को राशन न मिलना पूरी तरह से गलत है और इस मामले को संबंधित विभाग को अवगत कराया जाएगा.

ग्रामीणों का कहना है कि राशन की इस अनियमितता से उनकी परेशानी बढ़ रही है, और वे जल्द से जल्द उचित राशन मिलने की मांग करते हैं. यह मामला स्थानीय प्रशासन और जनवितरण विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है.

कार्डधारियों ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने की भी चेतावनी दी है.

तीन भालुओं के हमले से बचा युवक गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

शुभम संदेश । लातेहार

महुआडांड़ (लातेहार) के ग्राम अम्बाकोना में बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे चिढ़ना नगेसिया खेत जा रहे थे, तभी चिरोपाठ-अम्बाकोना के बीच अचानक तीन भालुओं ने उन पर हमला कर दिया. चिढ़ना ने हिम्मत दिखाते हुए शोर मचाया, जिससे आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और भालुओं को भगाया. हमला इतना गंभीर था कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. परिजनों व ग्रामीणों की मदद से उसे महुआडांड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां डॉ. अमित खलखो ने प्राथमिक उपचार किया. हालत गंभीर होने पर युवक को रेफर कर दिया गया. घटना की सूचना पर वनपाल महुआडांड़ मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को पांच हजार रुपये की तत्काल मदद दी, जबकि बाकी मुआवजे की प्रक्रिया जारी है. ग्रामीणों ने बताया कि जंगल से भालुओं का गांव में आना बढ़ गया है, जिससे दहशत का माहौल है. उन्होंने प्रशासन और वन विभाग से सुरक्षा की मांग की है. वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और आपात स्थिति में तुरंत सूचना देने की अपील की है.

एक नजर

एनटीपीसी ने छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षा की किताबें उपलब्ध कराईं

बालूमाथ (लातेहार)। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड, उत्तर धाधू (पूर्वी भाग) कोयला खनन परियोजना के तहत प्रारंभिक सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, बालूमाथ की छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकें प्रदान की गईं. कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा विद्यालय के पुस्तकालय को लूसेंट का सामान्य ज्ञान, झारखंड सामान्य ज्ञान, वर्बल रीजनिंग और जनरल इंग्लिश की पुस्तकें दी गईं. एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड के वरीय प्रबंधक सह भू अर्जन पदाधिकारी सुशांत कुणाल ने बताया कि पूर्व में विज्ञान संकाय की छात्राओं के लिए इंजीनियरिंग और मेडिकल परीक्षाओं की किताबें दी गई थीं. अब कला वर्ग की छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षा केंद्रित पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं. ये पुस्तकें छात्राओं को झारखंड कर्मचारी चयन आयोग सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मार्गदर्शन प्रदान करेंगी. मौके पर विद्यालय की वार्डन सह शिक्षिका शिखा कुमारी, जसमीता गोगोई, अभिमन्यु कुमार एवं रामावतार गंझू उपस्थित थे.

खाद की कालाबाजारी पर जिला प्रशासन सख्त कार्रवाई करे : विवेकानंद त्रिपाठी

सतबरवा। कांग्रेस नेता विवेकानंद त्रिपाठी ने खाद की कालाबाजारी पर गहरी चिंता जताते हुए जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि इस वर्ष अत्यधिक वर्षा से भदई फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे किसानों की उम्मीदें धान की फसल पर टिकी हैं. लेकिन खाद की जमाखोरी और कालाबाजारी से किसानों को समय पर उचित मूल्य पर खाद नहीं मिल पा रही है, जिससे खेती प्रभावित हो रही है. उन्होंने खाद की कालाबाजारी में लिप्त लोगों के खिलाफ छापेमारी और एफआईआर की मांग की है. साथ ही खाद वितरण पर सख्त निगरानी, प्रखंड और थाना स्तर पर टास्क फोर्स गठन और किसानों की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी करने की मांग की है. त्रिपाठी ने प्रशासन से किसानों की समस्याओं के समाधान में सहयोग की उम्मीद जताई है.

हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों से अवैध वसूली करने के आरोपी दारोगा को एसपी ने किया निलंबित

मेदिनीनगर। नेशनल हाइवे पर ट्रक ड्राइवरों से अवैध वसूली करने वाले दरोगा राजेश बैठा को पलामू एसपी रीष्मा रमेशन ने निलंबित कर दिया है. वायरल वीडियो के आधार पर बिश्रामपुर एसडीपीओ की जांच में पुलिसकर्मियों का आचरण अनुशासनहीन पाया गया. इस बीच, थाना के सभी गार्ड बदलने के निर्देश भी दिए गए हैं. एसपी ने जनता से अपील की है कि किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिले तो पलामू पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 7070452955 पर सूचित करें. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

बरवाडीह में धूमधाम से विश्वकर्मा पूजा का आयोजन

बरवाडीह। विश्वकर्मा पूजा बुधवार को बड़े ही धूमधाम, हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ. रेल क्षेत्र सहित विभिन्न चौक-चौराहों व दुकानों में भव्य पंडाल बनाकर देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई. रेल क्षेत्र में विशेष आकर्षक प्रतिमा और सजावट देखने को मिली. पूजा समितियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की गई. शाम को पूजा के उपरांत श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण हुआ, जिसमें भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही. गुरुवार की शाम आदर्श नगर स्थित धड़धड़ी नदी में प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से किया गया. विश्वकर्मा पूजा की सफलता और शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु एसडीपीओ भरत राम, थाना प्रभारी अनूप कुमार व पुलिस बल लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे और सुरक्षा व्यवस्था संभालते दिखे.

सेवा पखवाड़ा के तहत भाजपा ने पोचरा में लगाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर

लातेहार। लातेहार के सदर प्रखंड स्थित पोचरा पंचायत में भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया. इस आयोजन का नेतृत्व सांसद स्वास्थ्य प्रतिनिधि डॉ. चंदन सिंह ने किया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला महामंत्री व सांसद प्रतिनिधि अमलेश कुमार सिंह उपस्थित रहे. उनके अलावा जिला उपाध्यक्ष राकेश दुबे, सांसद प्रतिनिधि विष्णु देव प्रसाद, मुकेश पांडेय, विधायक प्रतिनिधि गौरव दास, सह संयोजक मिलन शुक्ला, नगर सांसद प्रतिनिधि आनंद सिंह, दीपक पासवान, पंकज देव सिंह और नागमणि रजक सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे. डॉ. चंदन सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी का लक्ष्य देश को निरोग बनाना है. इसी उद्देश्य से आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनसे हर वर्ग को लाभ मिल रहा है. उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा इसी जनकल्याणकारी सोच का हिस्सा है. अमलेश कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिष्ठा पुनः प्राप्त कर रहा है.

लातेहार : एआईएमएलटीए ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन, 15 यूनिट रक्त एकत्र

लातेहार। ऑल इंडिया मेडिकल लैबोरेट्री टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन झारखंड यूनिट के तत्वावधान में रक्तदान सेवा पखवाड़ा के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर लातेहार ब्लड बैंक में आयोजित हुआ, जिसमें कुल 15 यूनिट रक्त संग्रह किया गया. शिविर में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत सदर अस्पताल की महिला कर्मियों -अंजना कुमारी रजक, आभा मिश्रा, विभा भारती, सुमित्रा कुमारी, डॉ. सीमा रानी प्रसाद, प्रमिला कुमारी, मोनिका गुड़िया और अर्चना कुमारी ने रक्तदान कर समाज को प्रेरित किया. इनके अलावा चंदन कुमार, संतोष उरांव, सोनू उरांव, शमशेर सौदागर और छोटू सिंह जैसे युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया. इस अवसर पर जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, उप विकास आयुक्त सैयद रियाज अहमद, सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो, एसीएमओ डॉ. शोभना तोपनो, उपाधीक्षक डॉ. अखिलेश्वर प्रसाद, चिकित्सक डॉ. धर्मशीला चौधरी व डीपीएम निर्मल दास भी मौजूद रहे.

आजीविका महिला संकुल समिति की वार्षिक आम सभा संपन्न

लातेहार। नावागढ़ पंचायत सचिवालय प्रांगण में ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के अंतर्गत नावागढ़ आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड की वार्षिक आम सभा गुरुवार को आयोजित की गई. कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी, सुजीत कुमार, आलोक कुमार, शीशी पंचायत की मुखिया, सामुदायिक समन्वयक एवं सीएलएफ पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया.

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं. : इलेक्ट–एसआरसी–एसटी–25–26–केओईएल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए नीचे विस्तृत अनुसार वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-निविदा प्रणाली के जरिए वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.)/सांतरागाछी, दक्षिण पूर्व रेलवे, खड़गपुर मंडल द्वारा एकल निविदा आमंत्रित की जाती है। योग्य ठेकेदारों से अनुरोध है कि इसके लिए केवल ऑनलाइन के माध्यम से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में आवेदन करें। इस निविदा के लिए कोई ऑफलाइन निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। विवरण के लिए, कृपया डॉक्यूमेंट सेक्शन में अपलोड किए गए निविदा कागजात को ध्यान से पढ़ें। **कार्य का नाम** : तीन वर्ष की अवधि के लिए सांतरागाछी, शालीमार और पद्मपुकुर कोचिंग डिपो में डीजी सेटों के रखरखाव सहित प्राथमिक अनुरक्षित रेकों की पावर कारों में फिट किए हुए सहायक उपकरणों के साथ विभिन्न रेकों की पावर कारों में स्थापित 'केओईएल' प्रस्तुतकारक डीजी सेट (500 केवीए) की एस्कॉर्टिंग, परिचालन, 'ए', 'बी' और 'सी' जांच। **निविदा मूल्य** : रु. 13,54,87,827.33, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति** : रु. 8,27,400/–, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 08.10.2025, 11.00 बजे । निविदा सूचना, निविदा कागजात व अन्य विवरण **www.ireps.gov.in** में उपलब्ध हैं। **(PR-638)**

महज चार घंटे में पुलिस ने किया हत्याकांड का खुलासा

प्रेमी से पति की हत्या कराने के मामले में पत्नी सहित तीन गिरफ्तार

शुभम संदेश। कोडरमा

जिले के तिलैया डैम ओपी क्षेत्र अंतर्गत 17 सितंबर की सुबह जमकटी बरसोतिया आहर के निकट मैदान में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. शव की शिनाख्त गोवर्धन साव (पिता- स्व. शिबू साव उर्फ रामु साव), निवासी- चमगुदोखुर्द, थाना- जयनगर (तिलैया डैम ओपी), जिला कोडरमा के रूप में की गई.

मृतक के भाई विजय साव ने तिलैया डैम ओपी को आवेदन देकर बताया कि उसके भाई की अज्ञात लोगों ने सर कुचल कर हत्या कर दी है. इसके आधार पर थाना में कांड संख्या-213/25, दिनांक 17.09.2025 को भारतीय दंड संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1)/238/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया. घटना की गंभीरता को देखते हुए कोडरमा के पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) रतिभान सिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया. टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मानवीय सूचना और त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र चार घंटे के भीतर इस जघन्य हत्या का खुलासा कर दिया.

पुलिस जांच में यह चौंकाने वाली सच्चाई सामने आई कि हत्या की साजिश मृतक की पत्नीबबीता देवीने अपने प्रेमीअजय पासवानऔर उसके चचेरे भाईनितीश कुमार पासवानके साथ मिलकर रची थी. बबीता देवी ने अपने पति की प्रताड़ना से परेशान होकर और प्रेमी से नजदीकी बढ़ाने के लिए उसे रास्ते से हटाने की योजना बनाई.अजय पासवान ने अपने बयान में बताया कि बबीता देवी ने उसे हत्या के लिए उकसाया और खर्चे के लिए बैंक ऑफ इंडिया का एटीएम कार्ड व पिन कोड भी सौंपा.16 सितंबर की देर शाम अजय और नितीश ने गोवर्धन साव को मोटरसाइकिल से जमकटी बरसोतिया आहर के पास ले जाकर पहले शराब पिलाई. जब वह नशे में धुत हो गया तो गमछी से उसका गला घोंट दिया और फिर पत्थर से सिर कुचलकर उसकी हत्या कर दी.

हत्या के बाद दोनों ने मृतक का मोबाइल लेकर सिम निकाल ली और मोबाइल को रास्ते में एक तालाब में फेंक दिया. पुलिस ने अजय पासवान के पास से बबीता देवी का एटीएम कार्ड, मृतक का सिम कार्ड, हत्या में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (जेएच12एस 4747), घटना के समय पहने कपड़े, मोबाइल सहित अन्य साक्ष्य बरामद किए. अजय की निशानदेही पर हत्या में उपयोग किए गए गमछी, खून से सना पत्थर और मृतक की चप्पल भी बरामद की गई.पुलिस ने अजय पासवान (उम्र 20 वर्ष), नितीश पासवान (उम्र 19 वर्ष), और बबीता देवी (पति- स्व. गोवर्धन साव) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है.

इस सफल कार्रवाई में डीएसपी रतिभान सिंह के साथ-साथ माईका अंचल के पु.नि. सुजीत कुमार, तिलैया डैम ओपी प्रभारी पु.अ.नि. प्रेम कुमार, तकनीकी शाखा प्रभारी पु.अ.नि. अभिमन्यु पडिहारी, चंदवारा थाना प्रभारी पु.अ.नि. धनेश्वर कुमार एवं सशस्त्र बल की भूमिका सराहनीय रही.

एसपी अनुदीप सिंह ने प्रेस वार्ता कर मामले की विस्तृत जानकारी दी और कहा कि पुलिस अपराध के प्रति सतर्क है तथा जिले में विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है.

उप विकास आयुक्त ने बरही प्रखंड में योजनाओं का किया निरीक्षण, कार्यों में गति लाने के निर्देश

हजारीबाग । उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने बरही प्रखंड के करसो एवं खोडाहर पंचायतों का दौरा कर विभिन्न योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया. डूमरडीह गांव में उन्होंने बबीता देवी एवं विनीता देवी की भूमि पर टीसीबीनिर्माण, रविंद्र कुमार के आम बागवानी तथा रीता देवी के अबुआ आवास का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने मनरेगा के तहत 95 मानव दिवस भुगतान सुनिश्चित करने और मास्टर रोल का समय पर भुगतान कराने का निर्देश दिया. आवास योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश दिए गए. करसो पंचायत भवन में रोस्टर उपस्थिति विवरण दीवाल पर अंकित न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्होंने एक सप्ताह के अंदर दीवाल लेखन पूर्ण कराने को कहा. प्रखंड सभागार में मनरेगाऔर आवास योजनाओं की समीक्षा करते हुए रसोईआ धमना के रोजगार सेवक को शो-कॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया गया. उन्होंने स्पष्ट किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

जनसमस्याओं को लेकर झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के अध्यक्ष ने नगर आयुक्त से की मुलाकात

हजारीबाग । शहर की विभिन्न जन समस्याओं को लेकर झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के प्रदेश अध्यक्ष बटेश्वर मेहता ने आज सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार से मुलाकात की. इस दौरान उन्होंने हजारीबाग की कई महत्वपूर्ण समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की. बटेश्वर मेहता ने कृष्णपुरी तालाब के पास स्ट्रीट लाइटों की खराबी को प्रमुख मुद्दा बताया. उन्होंने कहा कि अंधेरे के कारण स्थानीय लोग और छात्र-छात्राओं को शाम होते ही आवागमन में काफी कठिनाई होती है, जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा रहता है. इसके अलावा, आनंद चौक से कोकणी जाने वाले मार्ग पर नालों की सफाई न होने से पानी भराव की समस्या बनी हुई है, जिससे स्थानीय जनता परेशान है. उन्होंने हर घर नल योजना के तहत कई घरों में अभी तक पाइपलाइन कनेक्शन न मिलने की समस्या भी उठाई. इन समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए सहायक नगर आयुक्त विपिन कुमार ने भरोसा दिलाया कि कृष्णपुरी इलाके की सभी स्ट्रीट लाइटें दो दिनों के भीतर ठीक कर दी जाएंगी.

मंडल कारा में मशरूम खेती प्रशिक्षण का सफल समापन, बंदियों का आत्मनिर्भर बनने का अवसर

कोडरमा । कोडरमा के मंडल कारा में 8 से 18 सितंबर तक आयोजित 10 दिवसीय मशरूम खेती प्रशिक्षण का सफल समापन किया गया. समापन समारोह में उप विकास आयुक्त रवि जैन मुख्य अतिथि थे, जिन्होंने प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर उन्हें शुभकामनाएं दीं. रवि जैन ने कहा कि ऐसे कौशल विकास प्रशिक्षण बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ समाज में पुनर्वास के रास्ते खोलते हैं. अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह ने इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया. जेल अधीक्षक राज मोहन सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम बंदियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है. एलडीएम विमल कांत झा ने मशरूम खेती को अल्प पूंजी में अधिक आय वाला लाभकारी व्यवसाय बताया. डीपीएम प्रकाश रंजन ने भी कार्यक्रम की सफलता पर शुभकामनाएं दीं. प्रशिक्षण का संचालन आरएसईटीआईनिदेशक शिशिर चोरिया और संकाय सदस्य उज्ज्वल कुमार ने किया, जिन्होंने उत्पादन, तकनीक और विपणन की जानकारी दी.

चतरा : ट्रैक्टर हमले में घायल पुलिस जवान से मिलने रांची अस्पताल पहुंचे सीओ और थाना प्रभारी

चतरा । हंटरगंज थाना क्षेत्र के नावाडीह पंचायत के इमलियाटांड में हुए ट्रैक्टर हमले में घायल ग्रामीण पुलिस जवान योगेंद्र कुमार का दोनों पैर टूट गया था. घायल जवान को बेहतर इलाज के लिए रांची के गुलमोहर अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इसी बीच हंटरगंज अंचलाधिकारी रितिक कुमार और थाना प्रभारी प्रभात कुमार अस्पताल पहुंचे और जवान का हालचाल जाना. दोनों अधिकारियों ने योगेंद्र की स्वास्थ्य लाभ की ईश्वर से प्रार्थना की. घायल जवान के इलाज में चतरा एसपी सुमित अग्रवाल भी सहयोग कर रहे हैं.

समीक्षा बैठक में जिला अध्यक्षों व पर्यवेक्षकों को दिए गए महत्वपूर्ण टास्क

जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें : के राजू

शुभम संदेश । हजारीबाग

हजारीबाग संगठन सृजन 2025 के तहत गुरुवार को पूर्वाह्न 10 बजे उत्तरी छोटानागपुर के सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों, जिला पर्यवेक्षकों, जीपीसीसी पर्यवेक्षकों एवं यूएलबी पर्यवेक्षकों के साथ हजारीबाग सर्किट हाउस हॉल में जीपीसीसी और नगर समितियों के गठन को लेकर समिक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी कार्यकारिणी स्थाई आमंत्रित सदस्य एवं झारखंड के प्रभारी के राजू, साथ ही सात जिलों के अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक उपस्थित थे.प्रदेश प्रभारी के राजू ने सभी जिला अध्यक्षों और जिला पर्यवेक्षकों को निर्देश दिया कि वे जिला, प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर तक पार्टी संगठन को युद्धस्तर पर मजबूत करने का काम करें. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी देश के संविधान की रक्षा के लिए लगातार प्रयासरत हैं, उसी प्रकार कांग्रेस संगठन का सशक्त होना आवश्यक है ताकि बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान की रक्षा हो सके.

उन्होंने यह भी बताया कि संगठन सृजन 2025 भविष्य में पार्टी के लिए मील का पत्थर साबित होगा.बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय, पूर्व मंत्री बादल पत्रलेख, केएन त्रिपाठी, जयप्रकाश भाई पटेल, जलेश्वर महतो, विधायक अनूप सिंह, श्वेता सिंह, ममता देवी, सूर्यकांत शुक्ला, शहजादा अनवर, राजीव रंजन प्रसाद, रविंद्र सिंह, अशोक चौधरी, भीम कुमार, अजय दुबे, अनुपमा सिंह, अमूल निरज खलको सहित कई अन्य नेता तथा जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव, संतोष कुमार सिंह, भागीरथ पासवान, धनंजय सिंह, संतोष केड़िया, मुन्ना सिंह, राजेंद्र जायसवाल, लीलावती मेहता, नागेश्वर राम और उपेंद्र सिंह उपस्थित थे. यह जानकारी जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान ने प्रदान की.

आईसेक्ट विवि में तीन दिनी कार्यशाला का शुभारंभ

हजारीबाग । आईसेक्ट विवि, हजारीबाग में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) एवं कृषि संकाय के संयुक्त तत्वावधान में पशुधन उत्पादकता और खेती-बाड़ी में वैज्ञानिक हस्तक्षेपों की प्रगतिपर विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत गुरुवार को हुई. कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलन कर मुख्य अतिथि डॉ न्यूटन तिर्की (क्षेत्रीय निदेशक, पशुपालन विभाग, हजारीबाग), कुलपति प्रो. पीके नायक, कुलसचिव डॉ मुनीष गोविंद, समकुलपति डॉ गौरव शुक्ला सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने किया. कार्यशाला संयोजक डॉ अरविंद कुमार ने स्वागत भाषण में आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की. डॉ न्यूटन तिर्की ने कहा कि वैज्ञानिक शोध और सरकारी योजनाओं के समन्वय से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल सकती है. कुलपति प्रो. नायक ने युवाओं को कृषि नवाचार से जुड़ने की अपील की, वहीं डॉ शुक्ला ने तकनीकी साधनों जैसेएआई, बायोटेक्नोलॉजी और न्यूट्रिशन मॉडल्स को अपनाने पर जोर दिया.

पांच पंचायतों में लोक कल्याणकारी शिविर संपन्न

कोडरमा । कोडरमा के जयनगर प्रखंड के जयनगर पूर्वी, जयनगर पश्चिमी, कटाहाडीह, ककरचोली एवं डडाडीह पंचायतों में गुरुवार को पंचायत स्तरीय लोक कल्याणकारी शिविर का सफल आयोजन किया गया. उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया. जिला परिवहन पदाधिकारी विजय सोनी, बीडीओ गौतम कुमार एवं सीओ सारांश जैन शिविर का निरीक्षण करने पहुँचे. प्रखंड विकास पदाधिकारी जयनगर भी लगातार शिविर का निरीक्षण करते रहे. शिविर में जन वितरण प्रणाली, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनरेगा, आवास, समाज कल्याण, राजस्व एवं पंचायती राज विभाग की योजनाओं के काउंटर लगाए गए. मनरेगा के अंतर्गत जॉब कार्ड वितरण, बरसा सिंचाई और हरित योजना के लाभ, अबुआ आवास योजना के तहत गृह प्रवेश, पेंशन स्वीकृति, आधार पंजीकरण व सुधार, राशन कार्ड वितरण एवं धोती-साड़ी-लूंगी वितरण जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए.

अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ, 22 को शोभायात्रा

हजारीबाग । हजारीबाग में मारवाड़ी अग्रवाल समाज द्वारा गुरुवार को अग्रसेन भवन परिसर में अग्रसेन जयंती महोत्सव का शुभारंभ धूमधाम से किया गया. दोपहर 2 बजे महाराज अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई. नन्हे-मुन्नों और बहुओं द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से माहौल भक्तिमय हो गया. नमन अग्रवाल, हर्षा अग्रवाल, अविशका बंसल सहित कई बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां दीं.कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजजनों का सम्मान भी किया गया, जिनमें बजरंग लाल खेतान, शंभूनाथ चौधरी और रामा देवी समेत कई गणमान्य लोग शामिल थे. उनके समाज हित में किए गए कार्यों को याद किया गया. इसके बाद बच्चों ने गीत, नृत्य और ग्रुप सॉन्ग से सांस्कृतिक रंग बिखेरे. महोत्सव के दौरान मेहंदी, स्केचिंग, सुडोकू और नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुईं, जिनमें युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया.अग्रवाल युवा मंच और महिला मंडल के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ.

ट्रेलर और ट्रक में भिड़ंत, चालक घंटों फंसा रहा

चौपारण । चौपारण प्रखंड के जीटी रोड स्थित महुदी के पास गुरुवार को एक ट्रेलर और ट्रक के बीच जबरदस्त भिड़ंत हो गई. इस हादसे में ट्रेलर का चालक मोहम्मद खान (35 वर्ष), ग्राम तहसील रणवीर नौगांव, जिला अलवर (राजस्थान) गंभीर रूप से वाहन में फंस गया. सूचना पाकर बरही इंस्पेक्टर चंद्रशेखर प्रसाद, चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी और पुलिस बल तुरंत मौके पर पहुंचे. चालक को निकालने के लिए पुलिस ने किरान व गैस कटर मंगवाया. काफी मशक्कत और प्रयास के बाद गैस कटर से ट्रेलर के वाहन का हिस्सा काटकर घायल चालक को बाहर निकाला गया. उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया. हादसे के कारण जीटी रोड पर कुछ समय के लिए ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई. प्रशासन ने सड़क को वनवे कर यातायात बहाल किया, लेकिन कई छोटे वाहन चालक जबरन वनवे से निकलने लगे, जिससे हालात और बिगड़ गए.

सड़क और स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में युवक की मौत

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़ प्रखंड के चितरामो गिधनिया गांव में बुनियादी सुविधाओं की कमी ने एक और जान ले ली. बीती रात 25 वर्षीय मनोज कुमार टुडू (पिता – महादेव टुडू) की सांप के काटने से दर्दनाक मौत हो गई. ग्रामीणों के अनुसार, मनोज रात करीब एक बजे जमीन पर सो रहे थे, तभी जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया. गंभीर हालत में परिवार के लोग उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना चाहते थे, लेकिन गांव तक सड़क न होने और बीच में बहती नदी के कारण काफी समय गंवाना पड़ा. जब मनोज को विष्णुगढ़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, तब तक डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. ग्रामीणों ने बताया कि आज़ादी के 75 साल बाद भी उनके गांव में न तो सड़क है और न ही बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं. बरसात के मौसम में नदी का तेज बहाव उनकी मुश्किलें और बढ़ा देता है.

मिला सम्मान | हजारीबाग प्रेस क्लब के नए भवन पहुंचे पूर्व सांसद यदुनाथ पांडे

पत्रकारों को दी शुभकामनाएं और साझा की बचपन की यादें

शुभम संदेश । हजारीबाग

नया भवन पत्रकारिता की नयी दिशा और ऊंचाइयों का प्रतीक बनेगा

बरसात की रिमझिम फुहारों के बीच हजारीबाग के पूर्व सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता यदुनाथ पांडे हजारीबाग प्रेस क्लब के नवनिर्मित भवन पहुंचे. इस मौके पर उन्होंने पत्रकारों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह नया भवन पत्रकारिता की नयी दिशा और ऊँचाइयों का प्रतीक बनेगा. प्रेस क्लब की ओर से उनका स्वागत करते हुए उन्हें अंगवस्त्र और पौधा भेंट किया गया. इस सम्मान को स्वीकार करते हुए श्री पांडे ने कहा कि यह अतिथि देवो भवः की परंपरा का सर्वोत्तम उदाहरण है. स्वागत के बाद पूर्व सांसद ने पत्रकारों से आत्मीय संवाद किया और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं तथा मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने अपने बचपन की अनेक यादें भी साझा कीं. उन्होंने बताया कि हजारीबाग की मिट्टी और यहां का वातावरण उनके जीवन और व्यक्तित्व के निर्माण में हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है. उनके संस्मरण सुनकर उपस्थित पत्रकारों ने भी अतीत की कई पुरानी यादों को ताजा होते हुए महसूस किया. पत्रकारों को संबोधित करते हुए यदुनाथ पांडे ने कहा कि प्रेस समाज का आईना है और लोकतंत्र की सबसे मजबूत कड़ी भी. उन्होंने विश्वास जताया कि हजारीबाग प्रेस क्लब का यह नया भवन पत्रकारों को और अधिक सशक्त बनाएगा तथा निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता को बढ़ावा देगा. उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज के हित में सबसे अहम भूमिका निभाती है, इसलिए पत्रकारों को अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभानी चाहिए.

कार्यक्रम के अंत में श्री पांडे ने प्रेस क्लब के सभी पत्रकार बंधुओं को उनके सामूहिक प्रयास और उपलब्धियों के लिए बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की. इस अवसर पर सभी ने मिलकर एक सामूहिक तस्वीर खिंचवाई, जो इस यादगार कार्यक्रम की याद के रूप में संजोकर रखी जाएगी. इस तरह यह कार्यक्रम पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नया अध्याय जोड़ने वाला साबित हुआ, जिसमें पत्रकारों और पूर्व सांसद के बीच संवाद ने सभी को प्रेरित किया.

एक नजर

मरकच्चो में बीडीओ ने 25 दिवसीय लाह चूड़ी निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया

मरकच्चो (कोडरमा) । प्रखंड के नावाडीह पंचायत सचिवालय परिसर में गुरुवार को लाह चूड़ी निर्माण के क्षेत्र में 25 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) हुलास महतो और स्थानीय मुखिया बैजन्ती देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. यह प्रशिक्षण मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड और छोटा नागपुर क्राफ्ट डेवलपमेंट सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है. कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और उनकी आय में वृद्धि करना है. प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं लाह चूड़ी निर्माण की बारीकियों को सीख सकेंगी, जिससे वे भविष्य में स्वयं का उद्यम शुरू कर सकें. उद्घाटन समारोह में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सियाराम सिंह, पंचायत सचिव योगिता गुप्ता, जिला उद्यमी समन्वयक अघनु उरांव, प्रखंड समन्वयक लेखराज कुमार, आयोजक अब्दुल मजीद अंसारी, मुखिया प्रतिनिधि बसंत साव, रोजगार सेवक लखपति दास सहित सभी हस्तशिल्पकार उपस्थित थे. सभी ने इस पहल की सराहना की और महिलाओं को प्रेरित किया.

विंडोमोह गांव में दस दिनों से ब्लैक आउट ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर बदलने की मांग की

मरकच्चो (कोडरमा) । डोमचांच बिजली फीडर अंतर्गत विंडोमोह गांव में ट्रांसफार्मर खराब होने से पिछले दस दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है. ट्रांसफार्मर की जर्जर हालत के कारण लो वोल्टेज की समस्या पहले से थी, अब पूरी तरह ब्लैक आउट हो गया है. गांव अंधेरे में डूबा हुआ है, जिससे जहरीले सांपों और चोरों के डर से लोग दहशत में हैं. पड़ोसी गांवों में ड्रोन कैमरे से चोरी की आशंका ने डर और बढ़ा दिया है. गांव के युवक रातभर पहरेदारी कर रहे हैं. विद्युत आपूर्ति बाधित होने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है. ग्रामीण अफजल खान, नवाब खान, जाबिर खान, आफताब आलम, नईम खान समेत सैकड़ों लोगों ने जल्द नया ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने की मांग की है ताकि गांव को अंधकार से राहत मिल सके.

21वीं सदी में आयुर्वेद : आधुनिक जीवन के लिए प्राचीन ज्ञान

हजारीबाग । 23 सितंबर को मनाया जाने वाला 'राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस' आयुर्वेद की महत्ता को आधुनिक युग में उजागर करता है। आयुर्वेद केवल रोगों का उपचार नहीं, बल्कि जीवन को स्वस्थ और संतुलित बनाने की समग्र कला है। यह प्राचीन विज्ञान हमें योग, ध्यान, सात्विक भोजन और उचित दिनचर्या अपनाने की सलाह देता है। डॉ. मधुमिता कृष्णन के अनुसार, आयुर्वेद आधारित जीवनशैली से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। आयुर्वेद में आहार को औषधि माना गया है, इसलिए पौष्टिक भोजन जैसे बादाम का सेवन आवश्यक है। यह प्राचीन ज्ञान आज की तेज़-तर्रार ज़िंदगी में स्थिरता और ऊर्जा बनाए रखने में सहायक है। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर इस समृद्ध परंपरा को अपनाकर हम अपने जीवन को बेहतर बना सकते हैं।

चंदवारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में हुई विश्वकर्मा पूजा

चंदवारा (कोडरमा) । चंदवारा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाई गई. भगवान विश्वकर्मा को अस्त्र-शस्त्र, यंत्र और शिल्पकला के देवता माना जाता है, और भाद्रपद माह की शुक्ल चतुर्दशी को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है. चंदवारा पुलिस केंद्र में विधिवत रूप से मूर्ति स्थापित कर पंडितों द्वारा पूजा-अर्चना की गई. इस अवसर पर प्रसाद वितरण भी किया गया. इसके अलावा थाम, ढाब, उरवां, कांको, तिलैया डैम, मदनगुंडी सहित अन्य क्षेत्रों में भी पूजा-पाठ और श्रद्धा के साथ मूर्ति स्थापना की गई. विश्वकर्मा पूजा का विशेष महत्व है, खासकर उन लोगों के लिए जो तकनीकी, निर्माण, शिल्प और यंत्रों से जुड़े कार्य करते हैं. इस दिन लोग अपने औजारों, मशीनों और कार्यस्थलों की साफ-सफाई कर भगवान विश्वकर्मा से समृद्धि और सफलता की कामना करते हैं. पूजा के दौरान भक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला.

सर्पदंश से मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

सतगावां (कोडरमा) । थाना क्षेत्र के भखरा गांव में मंगलवार दोपहर खेत में काम करते समय सर्पदंश से 50 वर्षीय शरीफा देवी की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, वह घर के पास खेत में मवेशी के लिए चारा काट रही थीं, तभी कोबरा सांप ने उन्हें डंस लिया. शोर सुनकर परिजन उन्हें तुरंत गोविंदपुर (बिहार) के स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नवादा सदर अस्पताल रेफर किया गया. इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.बताया गया कि मृतका के पति और बेटा बाहर प्राइवेट नौकरी करते हैं. वे सूचना पाकर देर रात घर पहुंचे. महिला घर में बहु और पोते-पोतियों के साथ रहती थीं. इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और परिजन सदमे में हैं. परिवार ने पोस्टमार्टम से इनकार करते हुए शव का दाह संस्कार कर दिया.

नवजात का शव नाले से बरामद, इलाके में सनसनी

सतगावां (कोडरमा) । थाना क्षेत्र के सिहास पुल के पास गुरुवार सुबह नाले से एक नवजात शिशु का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया. शव पुल के नीचे बहते नाले में पड़ा मिला, जिसे राहगीरों ने देखकर स्थानीय लोगों को सूचना दी. इसके बाद थाना प्रभारी सौरव शर्मा टीम के साथ मौके पर पहुंचे और खुद शव को निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा.प्रारंभिक जांच में नवजात लगभग 7-8 माह का प्रतीत हो रहा है. पास स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जानकारी ली जा रही है कि हाल में किसका प्रसव हुआ है. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण स्पष्ट होंगे. घटना को लेकर क्षेत्र में आक्रोश है. लोग इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा कर रहे हैं और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है.

केरेडारी : जोरदाग और आगर टोला विद्यालय में एनटीपीसी ने वितरित किए 300 सोलर लैंप

केरेडारी । प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय जोरदाग और आगर टोला में एनटीपीसी द्वारा 300 सोलर लैंप छात्रों के बीच वितरित किए गए. यह पहल संघर्ष समिति के सहयोग से की गई. कार्यक्रम में केरेडारी प्रमुख सुनीता देवी, संघर्ष समिति के सदस्य और एनटीपीसी अधिकारी उपस्थित रहे. प्रमुख ने कहा कि सोलर लैंप से छात्रों को पढ़ाई में काफी सहायता मिलेगी. बच्चों में लैंप पाकर खुशी देखी गई. साथ ही उन्होंने आगर टोला विद्यालय में पेयजल की समस्या उठाई और स्कूल परिसर में बोरवेल की सुविधा की मांग की. कार्यक्रम में अखिलेश पासवान, कालो राम, अनिल मुंडा और कृष्ण कुमार गुप्ता भी मौजूद थे.

पूजा को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित, सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य

जयनगर (कोडरमा) । आगामी दुर्गा पूजा को लेकर गुरुवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता प्रमुख अंजू देवी ने की. इस अवसर पर माइका इंस्पेक्टर सुजीत कुमार ने कहा कि दुर्गा पूजा आस्था का पर्व है, जिसे शांति और भाईचारे के साथ मनाना सभी की जिम्मेदारी है. सीओ सारांश जैन ने लोगों से किसी भी विवाद या अफवाह की स्थिति में तुरंत प्रशासन को सूचित करने की अपील की. बीडीओ गौतम कुमार ने दुर्गा पूजा को सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बताते हुए सभी वर्गों से सहयोग की अपील की. थाना प्रभारी बब्लू कुमार सिंह ने पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाना अनिवार्य बताया और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए. वक्ताओं ने अवैध शराब बिक्री, मनचलों पर कार्रवाई और रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की. बैठक में कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी उपस्थित थे.

इटकी सहित आसपास के क्षेत्र में धूमधाम से मनायी गई विश्वकर्मा पूजा

शुभम संदेश। इटकी

इटकी सहित आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाई गई. इस अवसर पर घरों, मंदिरों और विभिन्न संस्थानों में विधिवत पूजा-अर्चना की गई. पूजा स्थल और कार्यालयों में पंडाल लगाकर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की गई. यूआरसी कंस्ट्रक्शन और इटकी विद्युत कार्यालय में विशेष पंडाल बनाए गए थे, जहां श्रद्धालुओं ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की. पूजा के बाद प्रसाद का वितरण भी किया गया.

इस धार्मिक आयोजन में स्थानीय लोगों की बड़ी संख्या ने भाग लिया और भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी श्रद्धालुओं को भोजन कराया गया. पूजा के समापन पर गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा का विसर्जन भी किया गया. इस पूजा से लोगों में एकता और धार्मिक आस्था की भावना को बल मिला.

विश्वकर्मा पूजा का यह पर्व शिल्पकारों, कारीगरों और मजदूरों के लिए विशेष महत्व रखता है, जो अपने कार्यों की सफलता और समृद्धि की कामना करते हैं. इस अवसर पर सामाजिक मेलजोल और उत्साह का माहौल देखने को मिला.

रातू में विश्वकर्मा पूजा धूमधाम से मनाई गई

रातू। रातू एवं आसपास के क्षेत्रों में भगवान विश्वकर्मा पूजा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई. रातू पावर सब स्टेशन क्षेत्र के सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई. इस अवसर पर क्षेत्र का सबसे बड़ा कारखाना एसएनएल आम जनता के लिए सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक खोल दिया गया. बड़ी संख्या में लोग कंपनी परिसर में पहुंचे और भगवान विश्वकर्मा के दर्शन किए. साथ ही उन्होंने कंपनी के अंदर मशीनों का भी अवलोकन किया. शाम को क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर बनाए गए पंडालों में श्रद्धालु भारी संख्या में पहुंचे.

गुमला में श्रद्धा के साथ मनाई गई विश्वकर्मा पूजा

गुमला। गुमला में बुधवार को सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाई गई. पॉलिटेक्निक कॉलेज, आईटीआई, बिजली पावर ग्रिड, बस स्टैंड, क्रेशर प्लांट, राइस मिल, वाहनों के शोरूम व गैरेज सहित आम घरों में भी लोगों ने अपने यंत्रों और वाहनों की पूजा कर सुख-समृद्धि की कामना की. गुमला पॉलिटेक्निक कॉलेज में वर्कशॉप को रंग-बिरंगे पट्टियों और गुब्बारों से सजाया गया.

डीसी ने की कृषि, मत्स्य, उद्यान व संबद्ध विभागों की समीक्षा बैठक

हजारीबाग। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान एवं संबद्ध विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई. बैठक में उपायुक्त ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), बीज वितरण, पशुधन विकास, डेयरी, कृत्रिम गर्भाधान, टीकाकरण, मत्स्य पालन केज कल्चर, हॉर्टिकल्चर, अर्बन फार्मिंग व किसान समृद्धि योजना की प्रगति की समीक्षा की.

खरीफ व रबि फसलों की स्थिति पर चर्चा करते हुए मूंगफली आच्छादन में कमी को गंभीरता से लिया गया. केसीसी की स्वीकृति दर बढ़ाने हेतु एलडीएम को बैंकों से समन्वय का निर्देश दिया गया. सभी बीटीएम को सर्वे कार्य में तेजी लाने की बात कही गई. हॉर्टिकल्चर अधिकारी को लक्ष्य के अनुरूप आवेदन जुटाने व समय पर निष्पादन के निर्देश दिए गए. मत्स्य विभाग को एसी/डीसी बिल निष्पादन और आवेदन सृजन सुनिश्चित करने को कहा गया. पशुपालन योजनाओं में बत्तख पालन को बढ़ावा देने व पीवीटीजी क्षेत्रों में बकरा पालन को प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया. राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण व कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम को सटीक क्रियान्वयन हेतु संबंधितों को निर्देशित किया गया. साथ ही सभी योजनाओं के सोशल मीडिया प्रचार पर भी बल दिया गया ताकि अधिकाधिक लाभुक लाभान्वित हो सकें.

मासिक अपराध समीक्षा बैठक में दुर्गा पूजा की सुरक्षा पर हुई चर्चा, बोले एसपी

पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरा लगाना है अनिवार्य

संवाददाता। गुमला

गुमला. पुलिस अधीक्षक हरीश बिन जमा की अध्यक्षता में मासिक अपराध समीक्षा बैठक का आयोजन गुमला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार, चन्दाली में किया गया. बैठक में निखिल राय (परिविक्ष्यमान भा.पु.से.), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चैनपुर, गुमला व बसिया, सभी अंचल निरीक्षक, थाना प्रभारी, पुलिस निरीक्षक, शाखा प्रभारी सहित जिले भर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे.

दुर्गा पूजा को लेकर सुरक्षा और व्यवस्था पर चर्चा बैठक की शुरुआत आगामी दुर्गा पूजा पर्व को लेकर की गई. पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, पूजा पंडालों में सीसीटीवी कैमरों की अनिवार्य व्यवस्था, विसर्जन स्थलों पर रोशनी और गोताखोरों की तैनाती सहित अन्य आवश्यक निर्देश जारी किए गए. जबरन चंदा वसूली पर सख्ती से रोक लगाने का निर्देश दिया गया.

साथ ही सभी थाना क्षेत्रों में ड्रोन कैमरों के माध्यम से पूजा पंडालों और विसर्जन जुलूसों की निगरानी के लिए जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित करने को कहा गया. झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा दुर्गा पूजा के दौरान डीजे साउंड के उपयोग पर पारित आदेश के अनुपालन हेतु सभी पूजा समितियों और डीजे संचालकों को जानकारी देने तथा निर्देशों का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया.

पुलिस अधीक्षक ने अवैध बालू, चिप्स खनन एवं परिवहन में लगे लोगों की पहचान कर उनके विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी को रोकने हेतु कड़ी निगरानी रखने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. जन शिकायत निवारण कार्यक्रम के तहत प्राप्त लंबित आवेदनों, सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त पत्रों, पारपत्र और चरित्र सत्यापन से संबंधित मामलों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया. साथ ही जेल से जमानत पर छूटे अपराधियों की गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए. बैठक में सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लंबित वारंट, कुर्की, लाल वारंट, स्थाई वारंटों का 100% निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया. हत्या, बलात्कार, पौस्को, अपहरण और अप्राकृतिक मृत्यु जैसे गंभीर अपराधों की समीक्षा करते हुए इन मामलों में अविलंब प्राथमिकी दर्ज कर त्वरित अनुसंधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए.

लूट, डकैती, गृहभेदन, एससी/एसटी एक्ट से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की गई और इन अपराधों की रोकथाम के लिए थाना स्तर पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए. बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर समय-समय पर जागरूकता अभियान चलाने और महिलाओं से संबंधित अपराधों, डायन प्रथा, मानव तस्करी तथा पलायन की रोकथाम के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया. सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि थानों में आने वाले आम नागरिकों के साथ मधुर और संवेदनशील व्यवहार किया जाए. यदि उनकी समस्याओं का समाधान थाना स्तर पर संभव न हो, तो संबंधित मामले में तुरंत प्राथमिकी दर्ज कर उचित कार्रवाई की जाए.

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी अधिकारी अपने कर्तव्यों के प्रति सजग रहें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए.

रजरप्पा कोयलांचल में पहली बार डांडिया महोत्सव 26 को होगा

रामगढ़। रजरप्पा कोयलांचल में पहली बार डांडिया महोत्सव का आयोजन 26 सितंबर को चितरपुर के सोंढ़ स्थित मोटल राजलक्ष्मी परिसर में किया जाएगा. कार्यक्रम शाम 7:30 बजे से शुरू होगा. इसको लेकर आयोजकों सुजीत सिंह, पवन दांगी व धर्मेंद्र सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम को आकर्षक बनाने के लिए कोलकाता, रांची सहित अन्य शहरों से नामी डांडिया कलाकारों को बुलाया गया है. ये कलाकार स्थानीय युवाओं को डांडिया स्टेप्स की ट्रेनिंग भी देंगे और मंच पर प्रस्तुति देकर मनोरंजन करेंगे. आयोजकों ने कपल्स को प्राथमिकता देने की बात कही है.

ऑपरेशन रेड हंट में पुलिस की बड़ी सफलता 9 साल से फरार हत्या का आरोपी गिरफ्तार

शुभम संदेश। सिमडेगा

सिमडेगा पुलिस ने ऑपरेशन रेड हंट अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है. नौ वर्षों से फरार हत्या के आरोपी धर्मेंद्र कुमार सिंह को पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दबोच लिया है. यह गिरफ्तारी कुरडेग थाना कांड संख्या 34/16 (धारा 302/201 आईपीसी) से संबंधित है, जिसमें आरोपी लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था. पुलिस अधीक्षक ने बताया कि अभियान के दौरान अब तक कुल 38 फरार स्थायी (लाल) वारंटियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि 57 वारंटों का निष्पादन भी सफलतापूर्वक किया गया है. इस सख्त कार्रवाई से पुलिस प्रशासन ने अपराधियों के खिलाफ सख्ती का संदेश दिया है. स्थानीय लोगों ने सिमडेगा पुलिस की इस कार्रवाई की जमकर प्रशंसा की है और कहा कि इससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था बेहतर होगी. पुलिस ने अपराधियों को पकड़ने और जनता को सुरक्षित रखने में अपना महत्वपूर्ण रोल निभाया है. ऑपरेशन रेड हंट के तहत पुलिस की ये लगातार सफलता जिले में अपराध नियंत्रण के प्रयासों को और मजबूत करती है.

पोषण माह 2025 का शुभारंभ, डीसी ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता। सिमडेगा

जिले में आज पोषण माह 2025 का भव्य शुभारंभ किया गया. उपायुक्त कंचन सिंह ने समाहरणालय से दो पोषण रथों और नुक्कड़ नाटक टीम को हरी झंडी दिखाकर जिले भर में अभियान की शुरुआत की. यह अभियान 17 सितंबर से 16 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, जिसका उद्देश्य जिले में स्वच्छता, संतुलित आहार और स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता फैलाना है.

कार्यक्रम में आदि कला मंच द्वारा पोषण संबंधी नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें बच्चों को सही तरीके से खिलाने, पोषण में पुरुषों की भागीदारी बढ़ाने और एक पेड़ माँ के नाम लगाने जैसे संदेश शामिल थे. इस वर्ष की थीम ₹मोटापा कम करें, नमक-तेल-चीनी सीमित करें₹ रखी गई है, ताकि लोगों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़े. इस अवसर पर सीनी, लोक कला दल, आंगनवाड़ी सेविकाएं और जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौजूद रहे. उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि पोषण माह के दौरान किए गए प्रयासों से बच्चों और महिलाओं का स्वास्थ्य बेहतर होगा और परिवारों में पोषण को लेकर सही दिशा मिल सकेगी. स्वास्थ्य व पोषण के महत्व को ध्यान में रखते हुए यह अभियान जनजीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा. जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर पोषण संबंधित बुनियादी जानकारियों को आमजन तक पहुंचाया जाएगा.

जिला प्रशासन की पहल स्तनपान कक्ष का उद्घाटन

सिमडेगा। जिला प्रशासन की ओर से समाहरणालय भवन में स्तनपान कक्ष एवं बच्चों के खेलने के स्थान का उद्घाटन किया गया. उपायुक्त कंचन सिंह ने फीता काटकर इस सुविधा का शुभारंभ किया. डीसी ने बताया कि यह कक्ष माताओं को सुरक्षित और आरामदायक स्थान प्रदान करेगा, जहाँ वे निश्चिंत होकर अपने बच्चों को स्तनपान करा सकेंगी. साथ ही, बच्चों के लिए खेल-खिलौनों की व्यवस्था भी की गई है, जिससे वे आनंदपूर्वक समय बिता सकेंगे. कार्यक्रम में डीडीसी दीपांकर चौधरी, समाज कल्याण पदाधिकारी और अन्य अधिकारी व ग्रामीण मौजूद थे.

दो ट्रेलरों की टक्कर में चालक की जलकर मौत की आशंका

बरकट्ठा। कोनहारा खुर्द जीटी रोड पर गुरुवार देर शाम दो ट्रेलरों की सीधी टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ट्रेलर बरही की ओर गिट्टी लेकर जा रहा था, जबकि दूसरा बगोदर की ओर बढ़ रहा था. ओवरब्रिज के पास दोनों वाहनों में जोरदार टक्कर हुई, जिससे आग लग गई. बताया जा रहा है कि एक ट्रेलर का चालक बाहर निकल भागा, लेकिन दूसरे चालक को नहीं देखा गया. आशंका जताई जा रही है कि वह ट्रेलर में ही जलकर मौत का शिकार हो गया. ग्रामीणों ने हादसे के लिए राजकेशरी कंपनी को जिम्मेदार ठहराया है, जो सिक्सलेन चौड़ीकरण कार्य करा रही है. ग्रामीणों का आरोप है कि वन-वे सड़क व्यवस्था व सुरक्षा उपायों की अनदेखी के कारण लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं. हादसे के बाद घटनास्थल पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी और लोगों में भारी रोष देखा गया. खबर लिखे जाने तक दोनों ट्रेलरों में आग धधक रही थी और प्रशासन मौके पर नहीं पहुंचा था.

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर आरडीएस पब्लिक स्कूल में स्वच्छता अभियान

संवाददाता। नामकुम

नामकुम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत आरडीएस पब्लिक स्कूल परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया. इस अभियान का नेतृत्व नरेंद्र मोदी विचार मंच के सह संयोजक एवं भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश प्रवक्ता मनोज कुमार सिंह ने किया. अभियान में स्कूल परिसर और आसपास फैली गंदगी को साफ किया गया तथा कचरे को एकत्रित कर उचित तरीके से निस्तारित किया गया. इस अवसर पर मनोज सिंह ने कहा कि "स्वच्छ वातावरण बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है, क्योंकि स्वच्छ तन से मन भी स्वच्छ होता है.

स्वच्छता अभियान में अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के जिला अध्यक्ष नारायण प्रसाद, दिनेश चंद्र वर्मा, बी. पासवान, चंदन बास्के, देवराज पासवान सहित कई लोग सक्रिय रूप से शामिल हुए. इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए जनभागीदारी को बढ़ावा देना था. अभियान ने लोगों में स्वच्छता के महत्व को समझाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

थानों को मिले बाइक को एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कोडरमा। पुलिस मुख्यालय, झारखंड रांची द्वारा जिले के विभिन्न थानों के लिए 20 नई मोटरसाइकिल आवंटित की गई हैं. पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) ने इन मोटरसाइकिलों को विधि-व्यवस्था बनाए रखने, गश्ती व्यवस्था मजबूत करने तथा अपराध नियंत्रण को तेज करने के उद्देश्य से हरी झंडी दिखाकर थानों को रवाना किया. इस अवसर पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि मोटरसाइकिलों का प्रभावी उपयोग कर जनता में सुरक्षा का भाव मजबूत किया जाए और अपराधियों में कानून का भय पैदा हो. एसपी ने कहा कि नियमित गश्ती दलों को इन मोटरसाइकिलों पर तैनात किया जाएगा तथा प्रत्येक थाना क्षेत्र में गश्ती मार्ग निर्धारित कर उसका सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाएगा. उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को मोटरसाइकिल का उपयोग लोकहित एवं ट्रैफिक नियमों के अनुपालन में करने के निर्देश भी दिए. इसमें कोडरमा थाना और तिलैया थाना को 4-4, चन्दवारा, नवलशाही, मरकच्चो, जयनगर, सतगांव को 2-2 बाइक दिया है.

भाजपा ने सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता अभियान चलाया

शुभम संदेश। लोहरदगा

भारतीय जनता पार्टी, लोहरदगा जिला के तत्वावधान में सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया. शुक्रवार को यह अभियान लोहरदगा शहर स्थित पावरगंज चौक में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा की साफ-सफाई कर शुरू किया गया. इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने साफ-सफाई के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया.

स्वच्छता अभियान का नेतृत्व जिला मंत्री एवं अभियान संयोजक जगनंदन पौराणिक ने किया. इसके साथ ही भाजपा के जिला अध्यक्ष मनीर उरांव, सह संयोजक दिलीप पटनायक, जिला उपाध्यक्ष अजय पंकज, अनिल उरांव, मिथुन तमेडा, ओम गुप्ता, राजेश महतो, रिंकू वर्मा, मंगल गोप, शंकर प्रजापति और राजकुमार वर्मा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे. सभी ने मिलकर क्षेत्र की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया.

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जनता से अपील की कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली में शामिल करें. साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें. उन्होंने बताया कि स्वच्छता केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और देश के विकास का भी महत्वपूर्ण हिस्सा है.

भाजपा कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि स्वच्छता से न केवल स्वस्थ वातावरण बनता है, बल्कि यह लोगों की जीवन गुणवत्ता को भी बेहतर करता है. अभियान में शामिल सभी सदस्यों ने मिलकर क्षेत्र को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया. इस प्रकार सेवा पखवाड़ा के तहत चलाया गया यह स्वच्छता अभियान जिले में स्वच्छता के प्रति नई जागरूकता फैलाने में सफल रहा.

छडवा डैम का डीसी ने किया निरीक्षण

हजारीबाग। छडवा डैम का उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने हाल ही में निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि छडवा डैम का समग्र विकास स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देगा और क्षेत्रीय आर्थिक-सामाजिक प्रगति में सहायक होगा. हाल ही में सीएसआर मद से पार्किंग स्थल, बोटिंग सुविधा, पार्क और बहुउद्देशीय भवन खोलने की स्वीकृति मिली है. उपायुक्त ने डैम के चारों ओर साइकिल ट्रैक निर्माण, प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिए और संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए. साथ ही कटकमसांडी अंचलाधिकारी को दो दिनों में भूमि प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का आदेश दिया. कहा, "छडवा डैम प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है और पर्यटन के अपार अवसर प्रदान करता है. समग्र विकास के बाद यह हजारीबाग के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शुमार होगा." इस अवसर पर नगर आयुक्त योगेंद्र प्रसाद, जिला योजना पदाधिकारी पंकज तिवारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे.

अपराध गुमला पुलिस की छोटा खटंगा में नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

ब्राउन शुगर के साथ दो युवक गिरफ्तार, तीसरा फरार

संवाददाता। गुमला

जिले में नशे के खिलाफ पुलिस का अभियान जारी है. इसी क्रम में बुधवार को गुमला पुलिस ने आंजन रोड स्थित छोटा खटंगा पानी टंकी परिसर में छापेमारी कर दो युवकों को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया. सूचना मिलने के बाद विशेष छापामारी दल ने शाम करीब 4:45 बजे कार्रवाई की. पुलिस ने पानी टंकी के नीचे बने कमरे का घेराव कर अंदर दो युवकों को पकड़ा, जबकि एक युवक लोहे की सीढ़ी से कूदकर फरार हो गया.

गिरफ्तार युवकों की पहचान शुभम कुमार (23 वर्ष), पिता दुखी साहू, निवासी देवरस नगर टोटो थाना गुमला और संजु उराँव उर्फ चेण्डे (19 वर्ष), निवासी नवाटोली थाना गुमला के रूप में हुई. तलाशी के दौरान शुभम के पास से 10 पुड़िया ब्राउन शुगर (1.50 ग्राम), 50 रुपये नगद और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ. संजु के पास से एक मोबाइल फोन, 100 रुपये नगद और एक रुपये का सिक्का मिला, जिसमें सिल्वर पेपर लपेटा था. कमरे से दो लाइटर और बाहर खड़ी बुलेट मोटरसाइकिल भी जब्त की गई.

पूछताछ में आरोपियों ने फरार युवक हर्षित तिवारी (20 वर्ष), पिता रविन्द्र नाथ तिवारी, निवासी छोटा खटंगा, को ब्राउन शुगर का मुख्य आपूर्ति कर्ता बताया. उन्होंने स्वीकार किया कि हर्षित ने यह ब्राउन शुगर गोकुलनगर निवासी अजय साहू से पांच हजार रुपये में खरीदी थी. गिरफ्तार आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर थाना लाया गया है, जबकि हर्षित की तलाश जारी है.

एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव व थाना प्रभारी महेंद्र करमाली ने बताया कि नशे के कारोबार के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और किसी भी कीमत पर इस अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पुलिस ने जनता से भी अपील की है कि वे इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत दें ताकि नशा तस्करों पर सख्त कार्रवाई की जा सके.

यह गिरफ्तारी जिले में नशा तस्करी रोकने की दिशा में पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है, जिससे स्थानीय लोग भी राहत महसूस कर रहे हैं. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में भी इस तरह के अपराधों पर नकेल कसने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे.

रामगढ़ में पहली बार राज्य स्तरीय 19 फुटबॉल प्रतियोगिता

रामगढ़। जिले में पहली बार राज्य स्तरीय खेलो झारखंड अंडर-19 फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार से होगा. सिदो कान्हू खेल मैदान, राधा गोविंद विश्वविद्यालय, डीएवी मैदान रजरप्पा, और छावनी मैदान सहित चार स्थलों पर प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. राज्य नोडल पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने गुरुवार को तैयारियों का निरीक्षण किया और सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए. प्रतियोगिता में 24 बालक एवं 24 बालिका टीमें हिस्सा लेंगी. बालकों के लिए आवासन गांधी मेमोरियल स्कूल और बालिकाओं के लिए राधा गोविंद विश्वविद्यालय में किया गया है. धीरसेन सोरेंग ने कहा कि यह प्रतियोगिता न केवल खेल प्रतिभाओं को मंच देगी, बल्कि उन्हें रोजगार से जोड़ने की दिशा में भी सहायक होगी.

अधिवक्ता का शव कुएं से मिला मानसिक परेशानी से जूझ रहे थे

संवाददाता। गुमला

गुमला। नगर परिषद क्षेत्र के डुमर टोली निवासी 53 वर्षीय अधिवक्ता मनोहर सुमन बाड़ा का शव सोमवार शाम से लापता होने के बाद बुधवार को उनके परिजनों ने पास के कुएं से बरामद किया. सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया. परिजनों के अनुसार, मनोहर सुमन की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी और इसी कारण उन्होंने दो साल पहले वकालत छोड़ दी थी. मानसिक परेशानी को लेकर उनका इलाज चल रहा था. इस वजह से वे काफी परेशान थे.परिजनों ने काफी खोजबीन के बाद कुएं में उनका शव देखा. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

बोलेरो दुर्घटना में चालक की मौत, एक घायल

गुमला। अहीर पूर्वा मोड़ के पास एक अनियंत्रित बोलेरो के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से चालक जान कुजूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी सुधीर एक्का गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसे की जानकारी मिलते ही परिजनों ने दोनों को सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जान कुजूर को मृत घोषित कर दिया. घायल सुधीर एक्का का इलाज अस्पताल में जारी है. घटना की सुचना मिलने पर गांव में शोका का माहौल हो गया. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मंथन

रंगदारी का इंटरनेशनल नेटवर्क और चुनौतियां

रांची के बड़े व्यवसायी से दुबई में बैठे कुख्यात गैंगस्टर प्रिंस खान द्वारा 10 करोड़ की रंगदारी मांगने की घटना केवल आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है. धनबाद से निकला प्रिंस खान दुबई से बैठकर देश के व्यवसायियों को धमका रहा है, जबकि उस पर रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी है. यह स्थिति बताती है कि अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोहों की गतिविधियां कितनी संगठित और खतरनाक हो चुकी हैं. व्यवसायी के घर और कार्यालय की निगरानी कर वीडियो भेजना, परिवार को निशाना बनाने की धमकी देना और व्हाट्सएप से भय का वातावरण बनाना, कानून व्यवस्था के लिए सीधी चुनौती है. सवाल यह है कि जब अपराधी खुलेआम विदेश से गैंग चला रहे हैं तो क्या हमारी एजेंसियां और अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र पर्याप्त प्रभावी हैं? इंटरपोल स्तर पर ऐसी आपराधिक गतिविधियों पर कड़ा और त्वरित एक्शन आवश्यक है, वरना यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमाएगी. इस घटना से यह भी स्पष्ट है कि संगठित अपराध अब तकनीक के सहारे सीमाहीन होता जा रहा है. सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को साइबर मॉनिटरिंग और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तालमेल को और मजबूत करना होगा. साथ ही, पीड़ित व्यवसायियों को तुरंत और प्रभावी सुरक्षा देना भी जरूरी है. प्रिंस खान का मामला चेतावनी है कि यदि समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो अपराधी विदेश की सुरक्षित शरणगाहों से भारत की आर्थिकी और समाज पर गंभीर प्रहार करते रहेंगे. कानून को अब केवल अपराधियों का पीछा नहीं, बल्कि उनके पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की रणनीति अपनानी होगी. यही समय की मांग है.

नजरिया

स्वस्थ नारी ही परिवार और समाज की मजबूत आधारशिला

सदर अस्पताल, रांची में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए एक सकारात्मक संदेश है. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सही कहा कि महिला ही परिवार और समाज की आधारशिला है. यदि महिलाएं स्वस्थ और सुरक्षित होंगी तो परिवार मजबूत होगा और आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ व सशक्त बनेगी. महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को प्राथमिकता देना किसी भी सरकार के दृष्टिकोण का मूल आधार होना चाहिए. स्वयं सहायता समूहों, रोजगार योजनाओं और उद्यमिता के क्षेत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी न केवल परिवार की आय बढ़ा रही है, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही है. पंचायतों से लेकर उच्च पदों तक उनकी मौजूदगी समाज को नई दिशा दे रही है. ये बदलाव तभी स्थायी होगा जब महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा की गारंटी सुनिश्चित की जाए. झारखंड सरकार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण, मातृत्व लाभ योजनाएं, किशोरियों के लिए स्वास्थ्य अभियान व कौशल विकास कार्यक्रम जैसी पहलें सराहनीय हैं. वहीं राज्यपाल संतोष गंगवार द्वारा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शुरू इस अभियान की सराहना भी महत्वपूर्ण है. आज जरूरत है कि योजनाएं कागजों तक सीमित न रह कर धरातल पर पारदर्शिता और संवेदनशीलता से लागू हों. यदि महिला स्वस्थ, शिक्षित व आत्मनिर्भर होगी तो वही परिवार को सशक्त बनाएगी और वही परिवार सशक्त भारत की नींव रखेगा. यही इस अभियान का असली संदेश है.

लगातार वायु प्रदूषण से घटती जा रही जिंदगी

अरविंद जयतिलक

एक ताजा रिपोर्ट में भारत में गहराते वायु प्रदूषण पर चिंता जताई गई है.

द एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (एपिक) की यह रिपोर्ट चिंतित करने वाली है कि भारत की 1.4 अरब आबादी ऐसे इलाकों में रहती है, जहां कण प्रदूषण का वार्षिक औसत विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों से आठ गुना अधिक है. रिपोर्ट कहती है अगर भारत के सबसे प्रदूषित उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में कण सांद्रता के दिशा-निर्देशों के अनुरूप हो जाए तो 54.44 करोड़ लोगों अर्थात देश की 38.9% आबादी की औसत जीवन प्रत्याशा पांच साल बढ़ सकती है. अगर पूरे देश में कण प्रदूषण के स्तर को घटाकर विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के मुताबिक कर दिया जाए तो राष्ट्रीय राजधानी और सबसे अधिक आबादी वाले शहर दिल्ली के निवासियों की औसत जीवन प्रत्याशा 8.2 साल तक बढ़ सकती है. गत वर्ष पहले हार्वर्ड और येल के अर्थशास्त्रियों ने भी खुलासा किया था कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शुमार है जहां सबसे अधिक वायु प्रदूषण है. इस कारण यहां के लोगों को समय से तीन साल पहले काल के गाल में जाना पड़ रहा है. रिपोर्ट में सावधान करते हुए कहा गया था कि अगर भारत अपने वायु मानकों को पूरा करने के लिए इस आंकड़े को उलट देता है यानी वायु प्रदूषण पर नियंत्रण कर लेता है तो इससे 66 करोड़ लोगों के जीवन के 3.2 वर्ष बढ़ जाएंगे.

गत वर्ष पहले यूनिवर्सिटी ऑफ कैरोलीना के विद्वान जैसन वेस्ट के अध्ययन में कहा गया था कि वायु प्रदूषण से सबसे अधिक मौत दक्षिण और पूर्व एशिया में होती है और उसमें भी भारत शीर्ष पर है. आंकड़ें बताते हैं कि हर साल मानव निर्मित वायु प्रदूषण से 4 लाख 70 हजार और औद्योगिक इकाईयों से उत्पन प्रदूषण से 21 लाख लोग दम तोड़ते हैं. अगर जहर फैला रही इन औद्योगिक इकाईयों पर नियंत्रण लग जाए तो हालात सुधर सकते हैं. दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'नेचर' द्वारा भी खुलासा किया जा चुका है कि अगर शीघ्र ही वायु की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो वर्ष 2050 तक प्रत्येक वर्ष 66 लाख लोगों की जानें जा सकती है.

यह रिपोर्ट जर्मनी के मैक्स प्लेंक इंस्टीट्यूट ऑफ केमेस्ट्री के प्रो. जोहान लेलिवेल्ड और उनके दल ने तैयार की थी जिसमें प्रदूषण फैलने के दो प्रमुख कारण गिनाए गए. एक, पीएम 2.5एस विषाक्त कण और दूसरा वाहनों से निकलने वाली गैस नाइट्रोजन आक्साइड. रिपोर्ट में आगाह किया गया था कि भारत और चीन में वायु प्रदूषण की समस्या विशेष तौर पर गहरा सकती है. क्योंकि इन देशों में खाना पकाने के लिए कच्चे ईंधन का इस्तेमाल होता है जो कि प्रदूषण का बड़ा स्रोत है.

विशेषज्ञों की मानें तो अगर इससे निपटने की तत्काल वैश्विक रणनीति तैयार नहीं की गयी तो भारत की बड़ी आबादी वायु प्रदूषण की चपेट में आ सकती है. गत वर्ष पहले भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने खुलासा किया था कि जागरूकता का अभाव और कठोर मानकों की कमी के कारण भारत में हर आठवें व्यक्ति की मौत का कारण वायु प्रदूषण है. अनुसंधान के आंकड़ों के मुताबिक वायु प्रदूषण से देश में औसत जीवनकाल 1.7 वर्ष घट गया है और अधिकतर मौतें प्रदूषण के कारण फेफड़ों में कैंसर, हार्ट अटैक और क्रोनिक रोगों से हो रही है. आंकड़े के मुताबिक प्रति लाख आबादी की मृत्यु में वायु प्रदूषण की हिस्सेदारी 89.9% है.

आईसीएमआर के वैज्ञानिकों की मानें तो वायु प्रदूषण के कहर का सबसे ज्यादा प्रभावित दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और बिहार है. वर्ष 2019 की बात करें तो भारत में प्रदूषण से 23.5 लाख से अधिक लोगों की मौत हुई जिनमें से 16.7 लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण से हुई. वर्ष 2023 में बीएमजे अध्ययन में पाया गया था कि भारत में वायु प्रदूषण से प्रति वर्ष 2.18 मिलियन अर्थात 21.8 लाख लोगों की मौत होती है. ध्यान दें तो भारत में हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों की बीमारी और मधुमेह से होने वाली मौतों से वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों का आंकड़ा बड़ा है. यहां खतरनाक बात यह है कि देश के शहरों के वायुमंडल में गैसों का अनुपात बिगड़ता जा रहा है और उसे लेकर किसी तरह की सतर्कता नहीं बरती जा रही है. आंकड़ों पर गौर करें तो हाल के वर्षों में वायुमण्डल में ऑक्सीजन की मात्रा घटी है और दूषित गैसों की मात्रा बढ़ी है. कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा में 25% की वृद्धि हुई है. इसका मुख्य कारण बड़े कल-कारखानें और उद्योगधंधों में कोयले एवं खनिज तेल का उपयोग है. गौरतलब है कि इनके जलने से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है जो मानव जीवन के लिए बेहद खतरनाक है.

शहरों का बढ़ता दायरा, कारखानों से निकलने वाला धुंआ, वाहनों की बढ़ती तादाद एवं मेट्रो का विस्तार तमाम ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से प्रदूषण बढ़ रहा है. वाहनों के धुएं के साथ सीसा, मोनोक्साइड तथा नाइट्रोजन ऑक्साइड के कण निकलते हैं. ये दूषित कण मानव शरीर में कई तरह की बीमारियां पैदा करते हैं. मसलन सल्फर डाई ऑक्साइड से फेफड़े के रोग, कैडमियम जैसे घातक पदार्थों से हृदय रोग, और कार्बन मोनोक्साइड से कैंसर और श्वास संबंधी रोग होते हैं. कारखानें और विद्युत गृह की चिमनियों तथा स्वचालित वाहनों में विभिन्न ईंधनों के पूर्ण और अपूर्ण दहन भी प्रदूषण को बढ़ावा देते हैं. वायु प्रदूषण से न केवल मानव समाज को बल्कि प्रकृति को भी भारी नुकसान पहुंच रहा है. प्रदूषित वायुमंडल से जब भी वर्षा होती है ये तत्व वर्षा जल से मिलकर नदियों, तालाबों, जलाशयों और मृदा को प्रदूषित कर देते हैं. नार्वे, स्वीडन, कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका की महान झीलें अम्लीय वर्षा से प्रभावित हैं. अम्लीय वर्षा वनों को भी बड़े पैमाने पर नष्ट कर रहा है.

ओजोन गैस की परत, जो पृथ्वी के लिए रक्षाकवच का कार्य करती है, में वायुमंडल की दूषित गैसों के कारण काफी नुकसान पहुंचा है. अब समय आ गया है कि सरकार कानून बना कर प्रदूषण की गहराती समस्या पर कड़ा नियंत्रण लगाए.

ओजोन गैस की परत, जो पृथ्वी के लिए एक रक्षाकवच का कार्य करती है, में वायुमंडल के दूषित गैसों के कारण उसे काफी नुकसान पहुंचा है. अब समय आ गया है कि सरकार ठोस कानून बनाकर वायु प्रदूषण की गहराती समस्या पर नियंत्रण लगाए और साथ ही जनता को भी जागरूक करे.

आज का इतिहास

1581 : सिख गुरु रामदास जी का निधन.
1891: शेक्सपीयर के नाटक मर्चेंट ऑफ वेनिस का पहली बार मैनचेस्टर में मंचन.
1965 : नासा से अंतरिक्ष जानेवाली भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स का जन्म.
1988 : इस्राइल ने परीक्षण उपग्रह होरिजोन-आई का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया.
1996: एलिजा इजेत्बोगोविक युद्ध के बाद बोस्निया के पहले राष्ट्रपति बने.
1996 : ग्वाटेमाला और वामपंथी विद्रोहियों की सरकार के बीच शांति संधि पर हस्ताक्षर.
2000 : कर्णम मल्लेश्वरी ने ओलंपिक की भारोत्तोलन प्रतियोगिता में कांस्य जीता.
2006: थाईलैंड में सेना ने सरकार का तख्ता पलटा, जनरल सुरायुद बने प्रधानमंत्री.
2008 : सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ में नक्सलियों पर अंकुश लगाने के इरादे से शुरू किए गए सलवा जुडूम पर रोक लगाई.
2014: एप्पल आईफोन 6 की बिक्री शुरू.

शांति तो सिर्फ श्री हरि के चरणों की सेवा में ही मिलती है

चिंतन

बहुत पुराने समय कि बात है. एक बार भगवान विष्णु सभी जीवों को कुछ न कुछ चीजें भेट कर रहे थे. सभी जीव भेंट स्वीकार करते और खुशी-खुशी अपने निवास स्थान के लिए प्रस्थान कर जाते. जब सब चले गए, तो उनकी चरण सेविका श्री माता लक्ष्मी जी ने भगवान से कहा- हे नाथ! मैंने देखा कि आपने सभी को कुछ न कुछ दिया, अपने पास कुछ नहीं रखा, लेकिन एक चीज आपने अपने पैरों के नीचे छिपा लिया है. वो चीज क्या है?

श्री हरि मंद-मंद मुस्कुराते रहे, उन्होंने इसका कोई जवाब नहीं दिया.

माता लक्ष्मी जी ने फिर कहा- प्रभु हमसे न छुपाएं, मैंने स्वयं अपनी आंखों से देखा है आपने कोई एक चीज अपने पैरों के नीचे छिपा रखा है, निवेदन है कृपया इस रहस्य से पर्दा उठाइए.

श्री हरि बोले- देवी मेरे पैरों के नीचे शांति है. शांति मैंने किसी को नहीं दिया, सुख सुविधाएं तो सभी के पास हो सकती हैं मगर शांति तो किसी दुर्लभ मनुष्य के पास ही होगी. मैं सब को नहीं दे सकता. जो मेरी प्राप्ति के लिए तत्पर होगा, जिसकी सारी चेष्टाएं मुझ तक पहुंचने की होंगी, उसी को ये मिलेगी.

श्री हरि से आज्ञा लेकर शांति कहने लगी- हे जगत माता, श्री हरि ने मुझे अपने पैरों के नीचे नहीं छिपाया, बल्कि मैं स्वयं उनके पैरों के नीचे छिप गई. शांति तो सिर्फ़ हरि चरणों के नीचे ही जीव को मिलेगी, अन्यथा कहीं नहीं.

यह कथा हमें बताती है कि उसी दिन से श्री माता लक्ष्मी जी ने श्री हरि के चरणों की सेवा शुरू कर दी, क्योंकि व्यक्ति सारी सुख सम्पत्ति से सुसज्जित हो, मगर उसके पास शांति ही न हो तो उसकी सारी सुख सम्पत्ति व्यर्थ हो जाती है. इसलिए स्वयं सुख समृद्धि की जननी माता लक्ष्मी भी शांति प्राप्ति हेतु और श्री हरि सेवा के लिए उनके चरणों की सेवा हमेशा करती रहती हैं.

इसलिए भगवान के चरणों सेवा करें. अपनी संपत्ति का सदुपयोग करें. निस्वार्थ सबका भला करें और परमपिता परमेश्वर के अलावा किसी से कोई उम्मीद ना रखें. शांति ईश्वर के चरणों की सेवा से ही संभव है. लेकिन मनुष्य विषय-वासना के भोग में लिप्त होकर हमेशा बेचैन रहता है. उसे शांति कभी नहीं मिलती.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. चुनाव आयोग
2. #RahulGandhi
3. राहुल गांधी
4. #OGTrailer
5. #VoteChori
6. #ProofOfFortification
7. #अपराध_मुक्त_योगी_राज
8. ज्ञानेश कुमार
9. Gyanesh Kumar
10. Saudi

बहुरंग

वरुण और जाह्नवी की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का नया गाना 'परफेक्ट' रिलीज

बॉलीवुड के युवा सितारों वरुण धवन और जाह्नवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' को लेकर सुर्खियों में हैं. दर्शकों का इस फिल्म का इंतजार अब जल्द ही खत्म होने वाला है, क्योंकि यह रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. करण जौहर के प्रोडक्शन और शशांक खेतान के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में गिनी जा रही है. निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'परफेक्ट' जारी कर दिया है, जिसे मशहूर गायक गुरु रंधावा ने अपनी आवाज़ दी है. खास बात यह है कि इस गाने के बोल भी रंधावा ने खुद ही लिखे हैं, जिससे गाने में उनकी खास झलक और पर्सनल टच नज़र आता है. गाने का वीडियो बेहद रंगीन और जोश से भरपूर है, जिसमें वरुण और जाह्नवी धमाकेदार डांस करते नज़र आ रहे हैं. दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों खूब पसंद आ रही है. वही गुरु रंधावा भी गाने में एक छोटे से कैमियो में दिखते हैं, जो उनके फैंस के लिए किसी सरप्राइज से कम नहीं है.

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के अलावा सान्या मल्होत्रा और रोहित सराफ भी अहम किरदार निभा रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक रोमांटिक-फेमिली ड्रामा है, जिसमें रिश्तों, प्यार और भारतीय संस्कारों का खूबसूरत संगम देखने को मिलेगा. शशांक खेतान, जो इससे पहले हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और धड़क जैसी हिट फिल्में दे चुके हैं, इस फिल्म को लेकर भी काफी उत्साहित हैं. करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस इसे एक ग्रैंड पैमाने पर प्रस्तुत कर रहा है, जिससे दर्शकों को एक बड़े पर्दे का अनुभव मिलेगा.

टूटे रिश्तों पर मलाइका ने ट्रोल्स को दिया जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा अपनी फिटनेस, डांसिंग और फैशन सेंस की वजह से हमेशा चर्चा में रहती हैं. हालांकि, अपनी निजी ज़िंदगी को लेकर उन्हें कई बार आलोचनाओं और ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा है. अरबाज खान से तलाक और अर्जुन कपूर संग रिलेशनशिप की खबरों ने उन्हें अक्सर सुर्खियों में रखा. अब, हाल ही में एक इंटरव्यू में मलाइका ने इन आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी और ट्रोल्स को करारा जवाब दिया. एक इंटरव्यू में मलाइका ने कहा, लोग हमेशा बताते रहते हैं कि आपको कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए. करियर से लेकर कपड़ों और निजी ज़िंदगी तक, मुझे हर चीज़ के लिए ट्रोल किया गया. शुरुआत में यह मेरे लिए बहुत मुश्किल था. लेकिन जब मैंने इन सब बातों की परवाह करना बंद कर दिया, तो मुझे असली आज़ादी का एहसास हुआ. आखिरकार मायने सिर्फ यह रखता है कि आप खुद

को कैसे देखते हैं. अरबाज खान से अलगाव के बाद लोगों ने उन्हें किस तरह से परिभाषित किया, इस पर भी मलाइका अरोड़ा ने खुलकर बात की. एक्ट्रेस ने कहा, मुझे अक्सर कहा गया कि मैं बहुत बोल्ड हूं, बहुत बेबाक हूं और हर मुद्दे पर अपनी राय रखती हूं. सच कहूं तो मैंने इन सब बातों को अपनी ताकत मानकर ऐसे अपनाया है जैसे ये मेरा ताज हो. अगर मेरी शख्सियत किसी को ज़्यादा लगती है, तो शायद वो मेरे लिए कभी काफ़ी नहीं थे.

मलाइका ने यह भी स्वीकार किया कि आत्म-संदेह हर इंसान के जीवन का हिस्सा होता है. उन्होंने कहा, ₹आत्म-संदेह होना मानव स्वभाव है. कभी-कभी ऐसे दिन आते हैं जब मैं खुद से बहस करती हूँ. लेकिन पिछले कुछ सालों में मैंने सीखा है कि आलोचना को नकारात्मक रूप से नहीं, बल्कि सकारात्मक दृष्टिकोण से देखना चाहिए.₹ मलाइका का यह बयान साफ़ करता है कि उन्होंने ट्रोलिंग और आलोचनाओं को पीछे छोड़कर अपने आत्मविश्वास और सकारात्मकता पर ध्यान देना सीख लिया है.

कमल हासन के साथ मैं नई फिल्म में काम करूंगा: रजनीकांत

साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत और कमल हासन जल्द ही फिल्म में साथ नजर आ सकते हैं. बुधवार को चेन्नई हवाई अड्डे पर कोच्चि जाने के क्रम में रजनीकांत ने इसकी जानकारी दी. अभिनेता रजनीकांत आज कोयंबटूर जाने के लिए चेन्नई हवाई अड्डे पर पहुंचे. वहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इस वक्त वे राजकमल और रेड जायंट मूवीज़ के साथ एक फिल्म करने जा रहे हैं. उस फिल्म का निर्देशक अभी तय नहीं हुआ है. उन्होंने कहा, मैं चाहता हूं कि मैं और फिल्म अभिनेता कमल हासन साथ मिलकर एक फिल्म करें. अगर हमें सही कहानी और भूमिका मिली, तो हम साथ काम करेंगे. लेकिन अभी तक किसी ने भी कहानी, भूमिका या निर्देशक तय नहीं किया है.इस अवसर पर रजनीकांत ने महान समाज सुधारक ई.वी. रामासामी 'पेरियार' और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी.

इमोशंस और ड्रामा से भरपूर फिल्म होमबाउंड का ट्रेलर हुआ रिलीज

नीरज घायवान, जो अपनी संवेदनशील और गहराई से जुड़ी कहानियों के लिए जाने जाते हैं, उनकी नई फिल्म 'होमबाउंड' इन दिनों चर्चा में बनी हुई है. इस फिल्म का सफर इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म से शुरू हुआ और अब यह भारतीय सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है. फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में हुआ था, जहां दर्शकों और समीक्षकों ने इसे खड़े होकर सराहा. हैरानी की बात यह है कि फिल्म को लगातार 9 मिनट का स्टैंडिंग ओवेशन मिला, जो किसी भी फिल्म के लिए बड़ी उपलब्धि है. इसके बाद फिल्म ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में, जहां दर्शकों ने इसे इतना पसंद किया कि इसे पीपुल्स चॉइस अवॉर्ड से नवाजा गया.

अब जब निर्माताओं ने फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज कर दिया है, तो दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंच गया है. ट्रेलर में ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जाह्नवी कपूर की दमदार अदाकारी ने लोगों का दिल जीत लिया. सोशल मीडिया पर लोग लगातार फिल्म की तारीफ कर रहे हैं और कह रहे हैं कि यह कहानी भावनाओं के सबसे गहरे हिस्से को छू जाती है. किरदारों की बात करें तो, विशाल जेठवा फिल्म में चंदन कुमार की भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने संघर्षों और जटिलताओं के बावजूद बेहद मानवीय और वास्तविक नजर आते हैं. ईशान खट्टर ने मोहम्मद शोएब अली का किरदार निभाया है, जिसका सफर संवेदनशीलता और मजबूती का अनूठा संगम है.

बॉक्स ऑफिस रिव्यू

बॉक्स ऑफिस पर मिराय की कमाई में गिरावट जारी

तेजा सज्जा और मांचू मनोज की फैंटेसी एक्शन-एडवेंचर फिल्म 'मिराय' को रिलीज हुए लगभग एक हफ्ता पूरा होने वाला है. 12 सितंबर को सिनेमाघरों में उतरी इस फिल्म ने शुरुआती वीकेंड में शानदार कमाई की, लेकिन वर्किंग डेज़ आते-आते इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में गिरावट देखने को मिल रही है. अब छठे दिन 'मिराय' की कमाई सामने आ गई है.

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक 'मिराय' ने रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 4.50 करोड़ की कमाई की. इसके साथ ही फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 61.50 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. फिल्म ने पहले दिन 13 करोड़ रुपये का शानदार ओपनिंग कलेक्शन किया था. दूसरे दिन यह आंकड़ा 15 करोड़ तक पहुंचा, जबकि तीसरे दिन फिल्म ने 16.6 करोड़ रुपये बटोरे. चौथे दिन की कमाई 6.4 करोड़ रुपये रही और पांचवें दिन 'मिराय' ने 6 करोड़ का कारोबार किया. हालांकि 'मिराय' का जादू सिर्फ भारत में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी दर्शकों पर छा गया है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर धमाकेदार रिकॉर्ड बनाया है. कार्तिक गट्टामनेनी के निर्देशन में बनी इस मेगा फैंटेसी-एक्शन फिल्म में तेजा सज्जा के साथ मांचू मनोज, रितिका नायक, श्रिया सरन, जयराम, जगपति बाबू, राजेंद्रनाथ जुत्शी, पवन चोपड़ा और तनजा केलर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं.

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें. अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. पुराने मित्र मिलेगें. शुभांक-4-6-7

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्घ होंगे. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा. शुभांक-3-5-7

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. रोजगार में तरक्की मिलेगी. जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. शत्रुओं की पराजय होगी. कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. शुभांक-2-4-6

कर्क : उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. शुभांक-1-3-5

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. शुभांक-4-6-8

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-5-7-8

तुला : संतान की प्रगति से संतोष होगा. व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा. श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं. वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कलह विवाद का डर बना रहेगा. पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक :अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. शुभांक-3-5-7

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. मनोरथ सिद्घि का योग है. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभांक-1-4-8

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. सुख-आनंद कारक समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-3-5-7

कुंभ : बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी. मनोविनोद बढ़ेगे. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-1-4-6

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है. मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी. आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. शुभांक-2-4-6

एक मुस्लिम देश, जिसने अपने यहां लगाई है भगवान विष्णु की दुनिया की सबसे बड़ी मूर्ति

इंडोनेशिया के बाली में भगवान विष्णु की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थित है। इसका नाम विष्णु केनकाना प्रतिमा है। इस प्रतिमा की ऊंचाई 400 फीट है। इसे इंडोनेशिया के मशहूर मूर्तिकार न्यूमन नुआर्ता ने डिजाइन किया था। नुआर्ता को उनकी कला के लिए भारत सरकार द्वारा पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इस प्रतिमा में भगवान विष्णु को गरुड़ पर सवार दिखाया गया है। हिंदू पौराणिक कथाओं में गरुड़ को भगवान विष्णु के वाहन के रूप में बताया गया है। इस प्रतिमा का निर्माण 1993 में शुरू हुआ था और इसे पूरा होने में करीब 28 साल लगे थे। इसके निर्माण पर 837 करोड़ रुपए का खर्च आया था। यह मूर्ति कांसे और तांबे से बनी है और वजन 4000 टन है। इस मूर्ति को बनाने का उद्देश्य इंडोनेशिया की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना और दुनिया भर में इसका प्रचार करना था।

हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को धरती का पालनहार माना जाता है। भगवान विष्णु समृद्धि और वैभव के प्रतीक हैं। वैसे तो लगभग भारत के हर कोने में उनके मंदिर और मूर्तियां हैं, जहां पर भगवान विष्णु की अलग-अलग नामों से पूजा होती है। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि दुनिया की सबसे ऊंची भगवान विष्णु की मूर्ति भारत में नहीं है। यह एक मुस्लिम देश में है।

भगवान विष्णु के इस मूर्ति का निर्माण तांबे और पीतल का इस्तेमाल किया गया है।

भगवान विष्णु की यह मूर्ति करीब 122 फुट ऊंची और 64 फुट चौड़ी है। इस मूर्ति को बनाने में 2-4 साल नहीं, बल्कि करीब 24 साल का समय लगा है। साल 2018 में यह मूर्ति पूरी तरह बनकर तैयार हुई थी। अब इसे देखने और भगवान के दर्शन के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। इस मूर्ति के बनने की कहानी भी बड़ी ही दिलचस्प है। कहते हैं कि साल 1979 में इंडोनेशिया में रहने वाले मूर्तिकार बप्पा न्यूमन नुआर्ता ने एक विशालकाय मूर्ति बनाने का सपना देखा था। एक ऐसी मूर्ति, जिसे आज तक दुनिया में ना बनाई गई हो। एक ऐसी मूर्ति, जिसे देखने वाला बस उसे देखता ही रह जाए।

लंबी प्लानिंग और पैसे के इंतजाम के बाद इस मूर्ति को बनाने की शुरुआत साल 1994 में शुरू हो पाई हालांकि, बजट की कमी से 2007 से 2013 तक मूर्ति बनाने का काम रुका रहा था, लेकिन उसके बाद जब इसका काम दोबारा शुरू हुआ तो फिर वो पूरा बनने के बाद ही रुका। बाली द्वीप के उंगासन में स्थित इस विशालकाय मूर्ति का निर्माण करने वाले मूर्तिकार बप्पा न्यूमन नुआर्ता को भारत में सम्मानित भी किया गया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया था। आज इस मूर्ति की ख्याति दुनियाभर में फैल चुकी है।

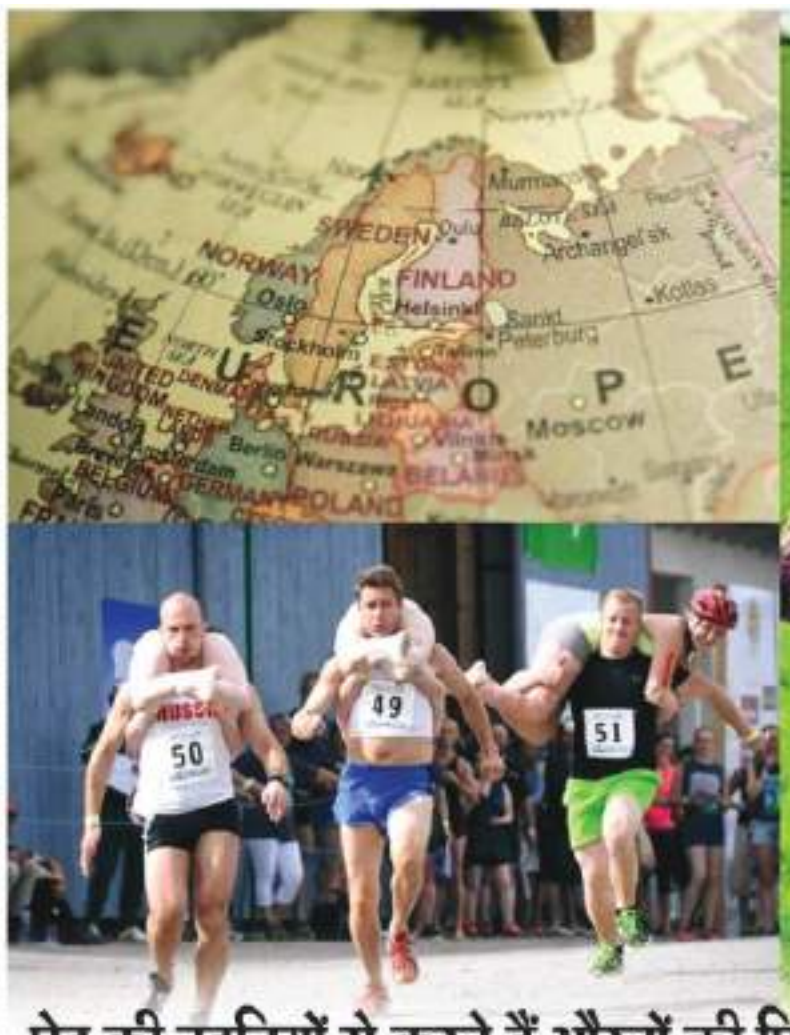

पेड़ की टहनियों से करते हैं औरतों की पिटाई दुल्हन पर डालते हैं कीचड़!

यूरोप की 7 सबसे विचित्र मान्यताएं

यूरोप के देश भले ही विकसित हो गए हों, पर यहां आज भी कई ऐसी मान्यताएं और त्योहार मनाए जाते हैं जो सुनने-देखने में बेहद विचित्र लगते हैं. आज हम आपको यूरोप की 7 सबसे अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं.

धरती पर 7 महाद्वीप हैं और इन सातों में सभी देश शामिल हैं. हर महाद्वीप की अपनी कुछ खासियत है और कई ऐसे पहलू हैं जो उसे अजीबोगरीब बनाते हैं. यूरोप सबसे अमीर महाद्वीपों में है. साथ ही, इसमें आने वाले देशों को बेहद विकसित माना जाता है. पर आपको जानकर हैरानी होगी कि इस महाद्वीप के अलग-अलग देशों में कई ऐसी मान्यताएं और रीति-रिवाजों का आज भी पालन होता है जो काफी विचित्र हैं. आज हम आपको यूरोप की 7 सबसे अजीबोगरीब मान्यताओं के बारे में बताने जा रहे हैं.

टोमाटीनो फेस्टिवल

जिंदगी न मिलेगी दोबारा मूवी में जब भारतीयों ने एक दूसरे पर टमाटर फेंकने वाला त्योहार देखा तो बहुत से लोगों का जरूर ये रिएक्शन होगा कि वो खाने की बर्बादी कर रहे हैं. स्पेन में होने वाला टोमाटीनो फेस्टिवल काफी अजीबोगरीब माना जाता है. क्योंकि इसमें सैकड़ों किलो टमाटर सिर्फ एक दूसरे पर फेंककर ही बर्बाद कर दिया जाता है. ये अगस्त के आखिरी बुधवार में आयोजित होता है.

डानुबे क्रॉस स्विमिंग

रोमानिया में एक अजीबोगरीब रेस का आयोजन होता है जिसे डानुबे क्रॉस स्विमिंग कहते हैं. इसमें चर्च के प्रीस्ट एक क्रॉस को हाड़ कंपा देने वाली सर्दी में, नदी के अंदर फेंक देते हैं. इतनी ठंड में नदी का पानी भी बर्फीला हो जाता है. पुरुष नदी में कूदते हैं और सबसे पहले क्रॉस हासिल करने की रेस करते हैं. जो भी सबसे पहले क्रॉस हासिल करता है, उसके लिए आने वाला साल बेहद शुभ माना जाता है. ठंडे पानी में जाने से पहले सभी लोग वोडका पीते हैं जिससे पानी के अंदर जाने में उन्हें आसानी हो.

पेड़ की टहनियों से पिटाई

चेक गणराज्य में ईस्टर मंडे के मौके पर, पुरुष, महिलाओं को पेड़ की टहनियों से पीटते हैं. महिलाओं को बदले में पुरुषों को अच्छे से पिटाई करने पर पुरस्कार देना पड़ता है. कम उम्र के पुरुषों को रंगीं अंडा दिया जाता है जबकि अधेड़ पुरुषों को शराब दी जाती है. माना जाता है कि पिटाई करने से महिलाओं में फर्टिलिटी बढ़ती है.

पत्नी को गोद में उठाकर रेस

फिनलैंड में वाइफ कैरिंग चैंपियनशिप होती है. पत्नी को अपने ऊपर टांगने का कोई नियम नहीं है, कैसे भी टांगकर दौड़ा जा सकता है पर सबसे कॉमन तरीका जो लोग अपनाते हैं, वो ये है कि पत्नी को पीठ पर उल्टा टांग लिया जाए जिससे दोनों पैरों को, पति अपने हाथों से पकड़ ले. इस रेस में जीतने वाले लोगों को पत्नी के वजन के बराबर बियर गिफ्ट के रूप में मिलती है. अब ये रेस फिनलैंड से बाहर, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी आदि में भी फेमस हो चुकी है. यूं तो पहली बार ये रेस 1992 में शुरू हुई थी पर लोगों का मानना है कि 17वीं सदी के दौरान एक कबीले के मर्द, दूसरे कबीले की औरतों को अगवा करने आते थे और अपने ऊपर टांगकर ले जाते थे. ये रेस, उसी प्रथा के आधार पर शुरू की गई थी.

दुल्हन पर पोती जाती है कालिख

स्कॉटलैंड में सालों से एक मान्यता चली आ रही है जो मजे के लिए आज भी लोग करते हैं. यहां होने वाली दुल्हन पर शादी से पहले कालिख पोती जाती है, उसे कीचड़ से नहलाया जाता और अंडे से लेकर अन्य चीजें उसके ऊपर डाला जाता है. ऐसा इसलिए किया जाता है जिससे दुल्हन के अंदर सहनशीलता आए और शादी के बाद आने वाली समस्याओं को भी वो आसानी से सह सके.

कागा टियो

क्रिसमस के मौके पर स्पेन के कैटालोनिया में एक अजीबोगरीब मान्यता का पालन होता है. यहां पेड़ के लट्ठे से एक छोटा टुकड़ा काटा जाता है और इस गोल टुकड़े के ऊपर चेहरा बनाया जाता है. बच्चे इस चेहरे का बहुत ध्यान रखते हैं, उसे खाना खिलाते हैं और समय बिताते हैं. क्रिसमस से ठीक एक दिन पहले बच्चों को डंडे दिए जाते हैं, जिससे वो इस चेहरे को मारते हैं और फिर घरवाले उसी लट्ठे के पास गिफ्ट रख देते हैं जिसे बच्चे क्रिसमस वाले दिन उठा लेते हैं.

थॉराब्लोट

आइसलैंड में जनवरी के महीने में, जब ठंड के सीजन का मध्य समय आता है, तब इस त्योहार को मनाया जाता है.

इस त्योहार में आइसलैंड के लोग काफी घिनौनी और अजीबोगरीब चीजें खाते हैं. भेड़ का उबला हुआ सिर, फर्मेंट की हुई शार्क और जानवरों के प्राइवेट पार्ट्स मुख्य रूप से खाया जाता है. आइलैंड में माना जाता है कि ऐसा खाना खाकर लोग अपने अंदर की हिम्मत और ताकत को दर्शाते हैं.

स्विट्जरलैंड में है दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट म्यूजियम

दुनियाभर में कई अनोखे म्यूजियम स्थित है। आज हम बात करते हैं, चॉकलेट म्यूजियम की। इस म्यूजियम में आकर पर्यटक चाहे जितनी और कई फ्लेवर्स की चॉकलेट खा सकते है। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख शहर में दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट का म्यूजियम बनाया गया है। इस चॉकलेट म्यूजियम को लिंड्स होम ऑफ चॉकलेट के नाम से जाना जाता है। इस म्यूजियम की नींव 2017 में रखी गई थी। यह म्यूजियम लगभग 65 हजार वर्ग फीट में फैला हुआ है। लगभग 900 करोड़ की लागत से बने इस म्यूजियम का उद्घाटन 13 सितंबर 2020 को महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने किया था। म्यूजियम में दुनिया की सबसे बड़ी लिंड्स चॉकलेट शॉप भी है। यहां के लोगों का कहना है कि जब से यहां म्यूजियम खुला है तब से इस जगह को चॉकलेट की राजधानी के नाम से जाने जाना लगा है। इसके अलावा ये भी कहा जाता है कि यहां यह म्यूजियम इसलिए बनाया गया है क्योंकि इस शहर में सबसे ज्यादा और स्वादिष्ट क्वालिटी की चॉकलेट बनती है।

चॉकलेट बनने की प्रक्रिया बताते है पर्यटकों को

यहां पर्यटकों को 20 मिनट का एक चॉकलेट टूर कराया जाता है। इस दौरान चॉकलेट का पूरा इतिहास बताया जाता है। म्यूजियम में इंटरैक्टिव प्रदर्शनियां हैं, जो बताती है कि कैसे कोको बीन्स से लेकर अलग प्रोसेस के बाद चॉकलेट बनती है। आप वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से कोको के खेतों की यात्रा भी कर सकते है। म्यूजियम में चॉकलेट मेकिंग वर्कशॉप है, यहां पर्यटक अपनी चॉकलेट बना सकते हैं। इसके अलावा, आप विभिन्न प्रकार की चॉकलेट का स्वाद ले सकते है। म्यूजियम में एक कैफे भी है जहाँ आप चॉकलेट से बने विभिन्न व्यंजनों का आनंद ले सकते है।

दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट फाउंटेन यहां

म्यूजियम में घुसते ही आपका स्वागत एक भव्य चॉकलेट के फव्वारे के साथ होता है। यह दुनिया का सबसे बड़ा चॉकलेट फव्वारा माना जाता है। फव्वार का वजन 3 टन है। इसमें 1400 लीटर चॉकलेट होती है। में एक किलो प्रति सेकंड की गति से होकर बहती है। फाउंटेन में 94 मीटर लंबी पाइप बिछाई गई है, 9.3 मीटर ऊंची है। कंपनी ने यह फाउंटेन चॉकलेट प्रेमियों और खास तौर पर चॉकलेट बनाने वाले लोगों को समर्पित किया है। म्यूजियम का टूर पूरा होने के बाद पर्यटकों को चॉकलेट भी गिफ्ट की जाती है।

सात साल तक के बच्चों को फ्री एंट्री

वयस्कों लोगों के लिए टिकट 1600 रुपए है, वहीं 0-7 वर्ष के बच्चों का टिकट नहीं लगता है। इस टिकट में म्यूजियम घूम सकते है।

भारतीय हॉकी के शताब्दी समारोह की उलटी गिनती शुरू

हॉकी इंडिया ने 50 दिनों के जश्न का किया आगाज

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारतीय हॉकी इतिहास के सौ गौरवशाली वर्षों के उपलक्ष्य में देशभर में भव्य शताब्दी समारोह की तैयारियां ज़ोर पकड़ चुकी हैं. हॉकी इंडिया ने इस विशेष अवसर को चिह्नित करने के लिए बुधवार से 50 दिन का काउंटडाउन शुरू कर दिया है, जो 7 नवंबर 2025 को एक विशेष समारोह के साथ संपन्न होगा. यह ऐतिहासिक आयोजन 1925 में राष्ट्रीय हॉकी निकाय की स्थापना से लेकर आठ ओलंपिक स्वर्ण पदकों तक की प्रेरणादायक यात्रा का प्रतीक बनेगा.

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और पूर्व कप्तान डॉ. दिलीप तिर्की ने बताया कि शताब्दी समारोह को देशव्यापी स्तर पर भव्यता से मनाया जाएगा और इसका उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय हॉकी के स्वर्णिम अतीत से परिचित कराना है. उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य सिर्फ अतीत को याद करना नहीं है, बल्कि उस विरासत को जीवंत करना है जिसने भारत को हॉकी की दुनिया में पहचान दिलाई.हॉकी इंडिया ने संकेत दिया है कि आगामी दिनों में समारोह से जुड़े कई कार्यक्रमों की घोषणा की जाएगी. इसमें विशेष प्रदर्शनी मैच, पूर्व खिलाड़ियों का सम्मान, डॉक्यूमेंट्री, स्कूल और कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिताएं और डिजिटल अभिलेख शामिल हो सकते हैं.

भारत की स्वर्णिम हॉकी यात्रा : भारत ने 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक से 1980 के मास्को ओलंपिक तक आठ स्वर्ण पदक जीते यह रिकॉर्ड आज भी किसी भी देश द्वारा एक ही खेल में ओलंपिक पदकों की सबसे ऊँची संख्या है. इस गौरवशाली इतिहास में मेजर ध्यानचंद, बलबीर सिंह सीनियर, गुरबक्स सिंह, मोहम्मद शाहिद जैसे कई नाम अमर हो चुके हैं.

1964 टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता कप्तानगुरबक्स सिंहने इस अवसर पर भावुक होकर कहा, पहला हॉकी टूर्नामेंट भारत में 1895 में खेला गया था, जिसे बीटन कप कहा जाता है. इसके बाद 1925 में राष्ट्रीय हॉकी संघ की स्थापना हुई और सिर्फ तीन साल बाद ही भारत ने ओलंपिक में पदार्पण करते हुए स्वर्ण पदक जीता.उन्होंने ब्रिटेन के खिलाफ 1948 लंदन ओलंपिक की जीत को सबसे गर्वपूर्ण क्षणों में से एक बताया. बर्लिन ओलंपिक की यादें और जज्बा गुरबक्स सिंह ने 1936 बर्लिन ओलंपिक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी साझा की, जब आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद भारतीय टीम को भेजा गया. उन्होंने बताया कि उस समय 50,000 रुपये इकट्ठा करने के लिए रियासतों, अमीरजादों और आम लोगों ने 100 से 500 रुपये तक का योगदान दिया, ताकि टीम समुद्री मार्ग से जर्मनी जा सके. यह टीम वही थी, जिसने ध्यानचंद के नेतृत्व में बर्लिन में इतिहास रच दिया.

अगली पीढ़ी के लिए प्रेरणा : डॉ. दिलीप तिर्की ने कहा किहमें यह सुनिश्चित करना है कि नई पीढ़ी सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि हॉकी जैसे खेलों के गौरवशाली इतिहास को भी जाने और अपनाए.उन्होंने यह भी कहा कि इस 50 दिन की उलटी गिनती के दौरान देशभर में खेल और सांस्कृतिक आयोजनों की एक श्रृंखला चलाई जाएगी. भारतीय हॉकी के शताब्दी समारोह का यह काउंटडाउन न केवल अतीत को सलामी है, बल्कि आने वाले भविष्य को प्रेरणा देने की एक कोशिश भी है.7 नवंबर 2025 को यह यात्रा एक भव्य समारोह के साथ अपने चरम पर पहुंचेगी जब पूरा देश उस खेल को नमन करेगा जिसने भारत को खेलों की दुनिया में स्वर्णिम पहचान दिलाई.

बायर्न म्यूनिख और इंटर मिलान ने जीते पहले मुकाबले

चैंपियंस लीग 2025-26

एजेंसियां । म्यूनिख

यूईएफए चैंपियंस लीग 2025-26 के ग्रुप स्टेज की शुरुआत में जर्मन चैंपियनबायर्न म्यूनिखऔर इटली कीइंटर मिलानने शानदार जीत दर्ज की. बुधवार देर रात खेले गए मुकाबलों में दोनों टीमों ने अपने-अपने विरोधियों पर दबदबा बनाते हुए टूर्नामेंट में विजयी आगाज़ किया. बायर्न म्यूनिख बनाम चेल्सी (3-1):बायर्न की जीत के हीरो रहे इंग्लिश स्ट्राइकरहैरी केन, जिन्होंने दो गोल किए. मैच की शुरुआत में ही चेल्सी के डिफेंडरट्रेवोह चालोबाने 20वें मिनट में आत्मघाती गोल कर बायर्न को 1-0 की बढ़त दिला दी. इसके बाद 27वें मिनट में केन ने पेनल्टी पर गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया. हालांकि, चेल्सी ने 29वें मिनट मेंकोल पामरके गोल के जरिए वापसी की कोशिश की, लेकिन 63वें मिनट में हैरी केन के एक और गोल ने मुकाबले का रुख पूरी तरह बायर्न के पक्ष में मोड़ दिया.

इस जीत के साथ बायर्न ने चैंपियंस लीग में अपना लगातार22वां ओपनिंग मुकाबलाजीतने का रिकॉर्ड कायम किया, जबकि चेल्सी को इस सीज़न की पहली हार झेलनी पड़ी. इंटर मिलान बनाम अजाक्स (2-0):इटली की क्लबइंटर मिलानने डच क्लबअजाक्सको 2-0 से हराया. दोनों गोलमार्कस थुरामने किए. पहला गोल उन्होंने हाफ टाइम से ठीक पहलेहाकान चाल्हानोग्लूके कॉर्नर पर शानदार हेडर से किया, जबकि दूसरा गोल दूसरे हाफ की शुरुआत में एक और हेडर से आया. पिछले सीज़न के फाइनल मेंपीएसजी से हारझेलने वाली इंटर मिलान ने इस जीत के साथ टूर्नामेंट में आत्मविश्वास के साथ वापसी की है और आगे के मुकाबलों के लिए खुद को मजबूत स्थिति में खड़ा किया है.

पाकिस्तान-यूएई मुकाबले में अंपायर के सिर पर लगी गेंद

मैच के बीच में ही छोड़ना पड़ा मैदान

एजेंसियां । दुबई

एशिया कप 2025 के पाकिस्तान और यूएई के बीच खेले गए मुकाबले में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना देखने को मिली, जब मैदान पर खड़े अंपायर रुचिरा पल्लियागुरुगे को सिर पर गेंद लग गई. यह घटना यूएई की पारी के पावरप्ले के आखिरी ओवर (5.5 ओवर) के दौरान हुई, जब पाकिस्तानी विकेटकीपर मोहम्मद हारिस का थ्रो सीधे अंपायर के सिर पर जा लगा. घटना के बाद खेल को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा. जैसे ही गेंद अंपायर को लगी, गेंदबाज़ सैम अयूब और अन्य खिलाड़ी तुरंत उनकी ओर भागे. सैम अयूब ने खुद अंपायर की कैप उतारी और फिजियो को बुलाया गया. पाकिस्तान टीम के फिजियो ने मैदान पर पहुंचकर पल्लियागुरुगे का कन्कशन टेस्ट किया. 57 वर्षीय अंपायर को इसके बाद एहतियातन मैदान से बाहर ले जाया गया, हालांकि जाते समय वे सामान्य दिख रहे थे और ज्यादा असहज नजर नहीं आए. उनकी जगह रिजर्व अंपायर गाजी सोहेल (बांग्लादेश) ने मैच की जिम्मेदारी संभाली और बाकी खेल उनकी निगरानी में पूरा हुआ. घटना के समय पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज वसीम अकरम कमेंट्री कर रहे थे. उन्होंने मजाकिया लहजे में इस थ्रो को बुल्सआई कहा और कहा, सीधे अंपायर के सिर पर लगी गेंद, क्या थ्रो थी. हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि फील्डर का एक काम होता है कि अंपायर को नहीं मारना चाहिए.

हालांकि सोशल मीडिया पर वसीम अकरम की यह टिप्पणी कुछ प्रशंसकों को पसंद नहीं आई. कई यूज़र्स ने इसे असंवेदनशील बताया और कहा कि ऐसी गंभीर घटनाओं पर संयमित भाषा का प्रयोग करना चाहिए. इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 146 रन बनाए. जवाब में यूएई की टीम 105 रन पर सिमट गई और पाकिस्तान ने 41 रन से मुकाबला जीतकर सुपर-4 में प्रवेश कर लिया. अब पाकिस्तान का अगला मुकाबला 21 सितंबर को भारत से होगा, जिसका बेसब्री से इंतज़ार है.

चाइना मास्टर्स 2025: शानदार जीत के साथ बनाई जगह

सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में

एजेंसियां । नई दिल्ली

चाइना मास्टर्स 2025 में भारत के लिए गुरुवार का दिन शानदार रहा, जहां दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सीधे गेमों में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया. शेन्ज़ेन में खेले जा रहे इस सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों का प्रदर्शन अब तक उत्साहजनक रहा है.

महिला एकल मुकाबले में सिंधु ने छठी रैंकिंग वाली थाईलैंड की खिलाड़ी पोर्नपावी चोचुवोंग को मात्र 41 मिनट में 21-15, 21-15 से हराया. यह जीत सिंधु के आत्मविश्वास के लिए काफी अहम मानी जा रही है, खासकर तब जब वह हाल ही में हांगकांग ओपन के पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं. इस जीत के साथ सिंधु ने चोचुवोंग के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 6-5 कर लिया है.

मैच के बाद सिंधु ने कहा, मैं इस जीत से खुश हूं. चोचुवोंग एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और मैंने उनके खिलाफ पहले भी चुनौतीपूर्ण मैच खेले हैं. आज मेरा फोकस था कि शुरुआत से ही सतर्क रहूं और हर अंक के लिए लड़ूं.उन्होंने आगे कहा कि पहला गेम जीतने के बाद वह और भी सतर्क हो गईं और दूसरे गेम को नियंत्रित करने की कोशिश की.

अब सिंधु का क्वार्टरफाइनल मुकाबला कोरिया की वर्ल्ड नंबर-1 एन से यंग से होगा. एन से यंग के खिलाफ सिंधु का रिकॉर्ड अब तक निराशाजनक रहा है. कोरियाई शटलर ने सिंधु को अब तक खेले गए सभी सात मुकाबलों में हराया है, जिनमें से छह सीधे गेम में खत्म हुए हैं. पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने चीनी ताइपे के वांग ची-लिन और चिउ हिसयांग-चीह की जोड़ी को सिर्फ 33 मिनट में 21-13, 21-12 से शिकस्त दी. अब उनका अगला मुकाबला स्थानीय चीनी जोड़ी रेन जियांग यू और झी हाओनान से होगा. सिंधु इन दिनों भारतीय महिला एकल टीम के कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा के साथ काम कर रही हैं. प्रतामा इंडोनेशियाई बैडमिंटन टीम के पूर्व पुरुष एकल कोच रह चुके हैं और सिंधु ने उनके मार्गदर्शन की सराहना करते हुए कहा, हम दोनों के बीच अच्छा समन्वय बन चुका है और वह बतौर कोच अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहे हैं. कुल मिलाकर, चाइना मास्टर्स 2025 में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सकारात्मक संकेत दे रहा है, और उम्मीद की जा रही है कि वे इस लय को बरकरार रखकर टूर्नामेंट में और आगे बढ़ेंगे.

टूर्नामेंट समिति का प्रतिनिधिमंडल विधायक से मिला

धर्मशाला । ऑल इंडिया शहीद मेजर दुर्गा मल्ल, कैप्टन दल बहादुर थापा गोल्ड कप फुटबॉल टूर्नामेंट समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने वीरवार सुबह धर्मशाला के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सुधीर शर्मा से उनके निवास पर भेंट की. प्रतिनिधिमंडल ने टूर्नामेंट में उनके निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया तथा उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया.

समिति ने कहा कि सुधीर शर्मा लंबे समय से इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट को समर्थन देते आ रहे हैं, जिससे शहीदों की स्मृति को खेल भावना के माध्यम से जीवित रखने में उल्लेखनीय सहायता मिली है. प्रतिनिधिमंडल ने इस सहयोग के लिए उनका विशेष धन्यवाद किया. गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट का संबंध शर्मा परिवार से वर्ष 1989 से जुड़ा हुआ है. टूर्नामेंट के पहले संस्करण का आयोजन गोरखा युवा संगठन और जिला फुटबॉल संघ कांगड़ा ने किया था, जिसमें उस समय हिमाचल प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे सुधीर शर्मा के पिता, स्वर्गीय पंडित संत राम ने अहम भूमिका निभाई थी. यह परंपरा आज भी जारी है, जिसे समिति ने गहरे सम्मान के साथ याद किया.

प्रतिनिधिमंडल ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष पालम जंग प्रधान के नेतृत्व में विधायक सुधीर शर्मा से इस टूर्नामेंट को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए सुझाव साझा किए. उन्होंने टूर्नामेंट की गुणवत्ता और पहुंच को और बेहतर बनाने पर भी चर्चा की. विधायक सुधीर शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि आने वाले समय में धर्मशाला में कम से कम दो विश्व स्तरीय फुटबॉल मैदान विकसित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र फुटबॉल सहित अन्य खेलों में भी अपार संभावनाओं से भरा है, लेकिन अभी तक आधुनिक खेल अधोसंरचना की कमी महसूस की गई है.

महिला वनडे वर्ल्ड कप में 5 अक्टूबर को भारत-पाक भिड़ंत

दीप्ति बोलीं, अभी ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर फोकस

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए एशिया कप 2025 पुरुष मुकाबले के बाद हैंडशेक विवाद ने काफी तूल पकड़ा है, और अब इसकी गूंज महिला क्रिकेट तक भी पहुंचने लगी है. इसी बीच, महिला वनडे विश्व कप को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं, जिसमें भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी. यह बहुप्रतीक्षित मुकाबला कोलंबो में खेला जाएगा.

फिलहाल भारतीय महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में व्यस्त है. पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया दूसरा मैच खेलने उतरी. मैच से पहले भारतीय टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने मीडिया से बातचीत की, जहां उनसे पुरुष टीम के हैंडशेक विवाद को लेकर सवाल पूछा गया.

जब दीप्ति से पूछा गया कि क्या भारतीय महिला टीम भी पाकिस्तान से भिड़ने पर हाथ मिलाने से इनकार करेगी, जैसा पुरुष टीम के मैच में देखा गया था, तो उन्होंने स्पष्ट जवाब देते हुए कहा, हम इस समय पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया सीरीज पर फोकस कर रहे हैं. पाकिस्तान मैच बाद में है, उस पर बाद में विचार किया जाएगा.

दीप्ति ने यह भी भरोसा जताया कि भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में वापसी कर सकती है और इसे बराबरी पर ला सकती है. उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खेलने से तैयारी मजबूत होती है, और यह अनुभव विश्व कप में काम आएगा.

एशिया कप 2025 के भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बाद जब पुरुष खिलाड़ियों के बीच हाथ मिलाने से इनकार की घटना सामने आई, तो सोशल मीडिया पर इस पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली. अब यही मुद्दा महिला टीमों के संभावित व्यवहार को लेकर भी उठने लगा है. हालांकि दीप्ति शर्मा के बयान से साफ है कि भारतीय महिला टीम का ध्यान अभी केवल खेल पर है, न कि विवादों पर. टीम का लक्ष्य पहले ऑस्ट्रेलिया सीरीज में संतुलन बनाना है और इसके बाद वर्ल्ड कप मिशन पर फोकस करना है, जहां 5 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबला खेला जाएगा.

सीडीएलयू सिरसा में महिला इंटर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन, 11 टीमों ने लिया भाग

एजेंसियां । सिरसा (हरियाणा)

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय (सीडीएलयू), सिरसा में गुरुवार को महिला इंटर कॉलेज कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों की 11 टीमों ने भाग लिया. प्रतियोगिता का उद्घाटन विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के अधिष्ठाता प्रो. सुरेश कुमार गहलावत ने किया. उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने की प्रेरणा दी और कहा कि खेल जीवन में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम वर्क जैसे मूल्यों को मजबूत करते हैं.

प्रो. गहलावत ने छात्राओं से राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने का आह्वान किया. इस अवसर पर खेल परिषद की अध्यक्ष प्रो. मोनिका वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय महिला खिलाड़ियों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है. उन्होंने कहा कि छात्राओं का उत्साह और मेहनत विश्वविद्यालय की खेल संस्कृति को और समृद्ध बना रही है. प्रो. वर्मा ने नियमित अभ्यास, समर्पण और आत्मविश्वास को सफलता की कुंजी बताया.

प्रतियोगिता का पहला मुकाबला सीआरडीएवी ऐलनाबाद और एमएचडी ओढ़ां के बीच खेला गया, जिसमें सीआरडीएवी ऐलनाबाद की टीम विजयी रही.

प्रतियोगिता के दौरान दर्शकों और विद्यार्थियों ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया.इस आयोजन में प्रो. ईश्वर मलिक, डॉ. जगदीश भादू, डॉ. शमशेर कासनिया, डॉ. राजेश और विभिन्न कॉलेजों के टीम इंचार्ज भी उपस्थित रहे. कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना और उन्हें आगे बढ़ने का मंच प्रदान करना था.

एशिया कप 2025 | दसवें मुकाबले में पाकिस्तान ने यूएई को 41 रनों से पराजित कर दिया

सुपर-4 में अब भारत से होगा महामुकाबला

एजेंसियां । दुबई

एशिया कप 2025 के 10वें मुकाबले में पाकिस्तान ने यूएई को 41 रन से हराकर सुपर-4 में जगह बना ली है. इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के अगले चरण में प्रवेश कर लिया है, जहां उसका मुकाबला अब 21 सितंबर को चिरप्रतिद्वंद्वी भारत से होगा. यह हाई-वोल्टेज मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसका क्रिकेट प्रेमियों को बेसब्री से इंतजार है.

पाकिस्तान की शुरुआत सधी, लेकिन मध्यक्रम रहा कमजोर : मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया. हालांकि टीम की शुरुआत बेहतर रही, लेकिन मध्यक्रम पूरी तरह विफल रहा. पाकिस्तानी टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 146 रन ही बना सकी. सलामी बल्लेबाज फखर जमान ने टीम को सधी हुई शुरुआत दिलाई और अर्धशतक (50 रन) बनाकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया. उनके अलावा शाहीन शाह अफरीदी ने अंतिम ओवरों में तेज तर्रार बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 14 गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और दो चौके शामिल थे.

पाकिस्तान की बल्लेबाजी हालांकि लड़खड़ा गई थी. टीम के छह बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके, जिससे स्कोरबोर्ड पर दबाव बना रहा. यूएई के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया. जुनैद सिद्दीकी ने अपनी गेंदबाजी से पाकिस्तानी बल्लेबाजों को जमने नहीं दिया और 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट झटके. वहीं सिमरनजीत सिंह ने भी प्रभावी गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट चटकाए.

यूएई की उम्मीदें चोपड़ा-पाराशर की साझेदारी तक सीमित : 147 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. पाकिस्तानी गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए शुरुआती झटके दिए. हालांकि एक समय पर राहुल चोपड़ा (35 रन) और राहुल पाराशर (20 रन) ने 48 रनों की साझेदारी कर मैच में यूएई की वापसी की उम्मीदें जगाई थीं.

लेकिन इसके बाद टीम की पारी पूरी तरह बिखर गई. अगले सात विकेट केवल 18 रनों के भीतर गिर गए और पूरी टीम 105 रन पर 18वें ओवर में सिमट गई. यूएई के निचले क्रम के बल्लेबाज पाकिस्तानी गेंदबाजों के आगे पूरी तरह नाकाम रहे.

पाकिस्तानी गेंदबाजों का दमदार प्रदर्शन : पाकिस्तान के गेंदबाजों ने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से साबित कर दिया कि वे किसी भी टीम को चुनौती देने में सक्षम हैं. शाहीन अफरीदी ने गेंदबाजी में भी दम दिखाते हुए दो विकेट हासिल किए. हारिस रउफ और अबरार अहमद ने भी दो-दो विकेट चटकाए. वहीं सैम अय्यूब और कप्तान सलमान आगा को एक-एक विकेट मिला. सभी गेंदबाजों ने सटीक लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी की, जिससे यूएई के बल्लेबाज असहज नजर आए.

भारत-पाक महामुकाबले पर टिकी निगाहें : इस जीत के साथ पाकिस्तान ने सुपर-4 में प्रवेश कर लिया है और उसका मुकाबला अब भारत से होगा. क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह मुकाबला बेहद खास माना जा रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले हमेशा से रोमांच और भावनाओं से भरपूर रहे हैं. दोनों टीमों के बीच यह मैच 21 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा.

वहीं, यूएई और ओमान की टीमें ग्रुप चरण में अपने प्रदर्शन के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं. अब सभी की निगाहें सुपर-4 के मुकाबलों पर टिकी होंगी, जहां भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी.

नेपाल के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम घोषित, पांच नए चेहरे शामिल, अकील कप्तान

एजेंसियां । नई दिल्ली

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने नेपाल के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है. इस सीरीज के लिए टीम में पांच नए चेहरों को शामिल किया गया है, जबकि नियमित कप्तान शाई होप सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया गया है. टीम की कमान पहली बार अनुभवी लेफ्ट-आर्म स्पिनर अकील होसैन को सौंपी गई है.टीम में शामिल पांच अनकैप्ड खिलाड़ी हैं—टॉप ऑर्डर बल्लेबाज़ अकीम ऑगस्टे, ऑलराउंडर नवीन बिदाईसी, लेग स्पिनर ज़िशान मोटारा, लेफ्ट-आर्म तेज़ गेंदबाज़ रैमॉन सिमंड्स और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ अमीर जंगू. इनके अलावा अमेरिका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल चुके बल्लेबाज़ करीमा गोर को भी टीम में शामिल किया गया है, जो वेस्टइंडीज के लिए पहला मैच खेलेंगे. करीमा गोर ने हाल ही में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 में एंटिगुआ एंड बारबुडा फाल्कन्स की ओर से शानदार प्रदर्शन किया था. उन्होंने 11 मैचों में 219 रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा.टीम में कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी मौजूद हैं, जिनमें फैबियन एलन, जेसन होल्डर और काइल मेयर्स जैसे नाम शामिल हैं, जो युवा खिलाड़ियों के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे. इससे पहले अप्रैल 2024 में वेस्टइंडीज 'ए' टीम नेपाल के दौरे पर गई थी, जहां नेपाल ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए दो मैचों में जीत दर्ज की थी, हालांकि सीरीज वेस्टइंडीज के पक्ष में रही थी. तीन मैचों की यह टी20 सीरीज 27 सितंबर से शुरू होगी. पहला मुकाबला 27 सितंबर को खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 29 और 30 सितंबर को शारजाह में आयोजित होंगे.

वेस्टइंडीज टीम (नेपाल टी20 सीरीज के लिए): अकील होसैन (कप्तान), फैबियन एलन, ज्वेल एंड्रयू, अकीम ऑगस्टे, नवीन बिदाईसी, जेडियाह ब्लेड्स, केसी कार्टी, करीमा गोर, जेसन होल्डर, अमीर जंगू, काइल मेयर्स, ओबेद मैककॉय, ज़िशान मोटारा, रैमॉन सिमंड्स और शमार स्प्रिंगर.

न्यूज अपडेट

नालंदा: फर्नीचर दुकान में भीषण आग से लाखों का हुआ नुकसान

नालंदा । लहेरी थाना क्षेत्र में बड़ी पहाड़ी पर स्थित असम फर्नीचर की दुकान में अचानक भीषण आग लग गई. आग इतनी तेजी से फैली कि पास में मौजूद एसबीआई ग्राहक सेवा केंद्र ब्रांच सहित कई दुकानें और मकान भी जल गए. आग की लपटों और धुएं से इलाके में अफरातफरी मच गई, लोग घर छोड़कर सड़क पर निकल आए. स्थानीय लोगों ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग की ताकत के सामने वे असफल रहे. सूचना मिलने पर दमकल विभाग की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब तीन घंटे की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया जा सका. आग लगने से दुकान के अंदर खड़ी कार पूरी तरह जलकर राख हो गई, वहीं गैस सिलेंडर फटने से जोरदार धमाका भी हुआ. प्रारंभिक जांच में लगभग 35 से 40 लाख रुपए की संपत्ति जलकर खाक हो गई है. दुकान मालिक संतोष कुमार ने बताया कि आग की शुरुआत विश्वकर्मा पूजा के दौरान किए गए हवन से हुई लगती है.

भागलपुर में नकली सर्टिफिकेट गिरोह का भंडाफोड़, छह गिरफ्तार

भागलपुर। एसएसपी कार्यालय के हवाले से बताया गया कि साइबर थाना पुलिस ने नकली सर्टिफिकेट बनाने वाला कैफे का भंडाफोड़ करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है. भागलपुर साइबर थाना की पुलिस को सूचना मिली कि घंटाघर चौक स्थित एक कॉम्प्लेक्स के सोनू साइबर कैफे में कंप्यूटर के माध्यम से जाली प्रमाणपत्र बनाए जा रहे हैं. इस पर थाना में सनहा दर्ज कर एक पुलिस पदाधिकारी को सादे लिबास में जांच के लिए भेजा गया. जांच के दौरान पदाधिकारी ने आम नागरिक बनकर सर्टिफिकेट बनाने का अनुरोध किया, जिस पर कैफे संचालक ने तुरंत जाली प्रमाणपत्र तैयार कर दिया तथा 500 रुपये शुल्क लिया. इससे स्पष्ट हुआ कि उक्त कैफे में हेरफेर कर जाली प्रमाणपत्र तैयार किया जा रहा है. आगे वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक के निगरानी में तथा पुलिस उपाधीक्षक, साइबर सह थानाध्यक्ष, भागलपुर के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया.

चंपारण कृषि धाम के रूप में राष्ट्रीय पटल पर उदयमान: राज्यपाल

पूर्वी चंपारण। बिहार के राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान ने कहा कि बापू की कर्मभूमि चंपारण अब कृषि धाम के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर उभर रही है. उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित कृषि, मात्स्यिकी व पशुधन उन्नति मेला एवं किसान सम्मान समारोह में वर्चुअली किसानों को संबोधित करते हुए बताया कि चंपारण की यह भूमि अंग्रेजों के जमाने में नील की खेती के कारण कष्ट झेलती रही, पर आज यह कृषि और पशुपालन के क्षेत्र में नई पहचान बना रही है. पूर्व कृषि केंद्रीय मंत्री के प्रयासों से बथना मठबनवारी में मदर डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित हुआ है, जो ग्रामीण और सीमांत किसानों के लिए आय का स्रोत बना है. राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के तहत 2 अक्टूबर 2017 को मोतिहारी में बापूधाम मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी की स्थापना हुई, जो बिहार के 8 जिलों के 1100 गांवों में 1350 दूध संकलन केंद्र संचालित कर प्रतिदिन 1 लाख 85 हजार लीटर दूध संकलित कर रही है.

बख्तियारपुर में 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर बड़ा हमला

'स्मार्ट मीटर नहीं, चीटर मीटर', भाजपा को बताया 'वोट चोर'

शुभम संदेश। पटना

बिहार की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी पारा तेजी से चढ़ रहा है. इसी गर्म माहौल के बीच नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और एनडीए सरकार पर तीखे हमले किए हैं. बुधवार को बख्तियारपुर में 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान तेजस्वी यादव ने सरकार की स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर योजना को आड़े हाथों लेते हुए इन्हें "चीटर मीटर" करार दिया. उन्होंने कहा कि ये मीटर जनता को लूटने का जरिया बन गए हैं और आम उपभोक्ता बेहिसाब बिलों से परेशान है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता. तेजस्वी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को "धोखेबाज़" बताते हुए कहा कि वे महागठबंधन की योजनाओं की नकल करते हैं और उन्हीं को अपनी योजना बताकर पेश करते हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि यह सरकार न केवल "नकलची" है बल्कि थकी हुई और जनविरोधी भी है, जिसकी सच्चाई अब जनता समझने लगी है. तेजस्वी यादव की यह यात्रा चुनावी रणनीति का हिस्सा है, जिसका मकसद राज्य के हर कोने तक महागठबंधन की बात पहुंचाना है. मोकामा में हुए एक रोड शो में तेजस्वी यादव घोड़े पर सवार होकर जनता का अभिवादन करते नजर आए. रोड शो के दौरान उमड़ी भारी भीड़ को देखकर उत्साहित तेजस्वी ने कहा कि जब इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी, तब बिहार को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और पलायन से मुक्ति मिलेगी.

भारतीय जनता पार्टी पर भी तेजस्वी यादव ने तीखा प्रहार किया. उन्होंने बीजेपी और उसके सहयोगियों को "वोट चोर" करार देते हुए आरोप लगाया कि ये दल निर्वाचन आयोग से मिलीभगत कर लोकतंत्र को कमजोर करते हैं और जनता को उनके मताधिकार से वंचित करते हैं. राजद सूत्रों के मुताबिक, 'बिहार अधिकार यात्रा' का पहला चरण 20 सितंबर को समाप्त होगा.

जहर खाने से ग्रामीण की मौत, परिवार में शोक

भागलपुर। नाथनगर थाना क्षेत्र के बैरिया गांव में जहर खाने से बुच्चो साह की मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, बुच्चो साह हाल ही में अपने परिवार के साथ बाढ़ के कारण अपने घर छोड़कर सिटीएस मैदान में अस्थायी रूप से रह रहे थे. आज वे अपने घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में उन्होंने जहर खा लिया. जब वे घर पहुंचे, तो उनकी बहू ने देखा कि बुच्चो साह उल्टी कर रहे हैं. बहू ने तुरंत अपने पति को फोन कर सूचना दी और बुच्चो साह को अस्पताल पहुंचाया गया. अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई. यह दुखद घटना पूरे परिवार के लिए भारी सदमा साबित हुई है. परिवार के सदस्यों और पूरे गांव में मातम छा गया है. गांव के लोग बुच्चो साह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त कर रहे हैं. अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

सीएम नीतीश कुमार ने बिहार के युवाओं को दी बड़ी सौगात

बेरोजगार स्नातकों को अब हर महीने मिलेगा 1000रुपए भत्ता

संवाददाता । पटना

चुनावी साल में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के बेरोजगार युवाओं को बड़ी राहत देते हुए एक और अहम घोषणा की है. सीएम नीतीश ने सोमवार सुबह सोशल मीडिया पर ट्वीट कर बताया कि राज्य सरकार अब स्नातक उत्तीर्ण बेरोजगार युवक-युवतियों को 1000 प्रतिमाह का स्वयं सहायता भत्ता देगी. इस योजना का लाभ अधिकतम दो वर्षों तक मिलेगा. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता हमेशा से युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार देना रही है. उन्होंने यह भी याद दिलाया कि नवंबर 2005 में जब उनकी सरकार बनी थी, तभी से युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम हो रहा है. सीएम ने बताया कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य तय किया गया है, जिसे हासिल करने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं.

इस क्रम में 'मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना' का दायरा अब और विस्तारित किया गया है. पहले यह योजना सिर्फ इंटर उत्तीर्ण युवाओं के लिए थी, लेकिन अब कला, विज्ञान और वाणिज्य संकाय से स्नातक पास बेरोजगार युवक-युवतियों को भी इसका लाभ मिलेगा. यह फैसला खास तौर पर उन युवाओं के लिए है जो 20 से 25 वर्ष की आयु के बीच हैं, किसी भी संस्थान में अध्ययनरत नहीं हैं और रोजगार की तलाश में हैं.

सीएम नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया कि इस योजना का लाभ सिर्फ उन्हीं युवाओं को मिलेगा जिनका कोई स्वरोजगार नहीं है और जो सरकारी, निजी या गैर सरकारी क्षेत्र में नियोजित नहीं हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि इस योजना से युवा अपने कौशल विकास, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी और अन्य व्यावसायिक प्रशिक्षणों में इसका सदुपयोग करेंगे. मुख्यमंत्री ने कहा, "यह पहल राज्य सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के तहत की जा रही है और इसका उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर, दक्ष और रोजगारोन्मुखी बनाना है." उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी और निजी क्षेत्र में आगामी समय में भारी मात्रा में रोजगार के अवसर सृजित होने वाले हैं. इसके लिए युवाओं को अभी से तैयार करना आवश्यक है. सीएम ने अपने संदेश में यह भी जोड़ा कि राज्य सरकार का यह कदम युवाओं को भविष्य में बेहतर अवसर दिलाने और बिहार के सामाजिक व आर्थिक विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है.

इस नई घोषणा से बिहार के लाखों स्नातक बेरोजगार युवाओं को आर्थिक संबल मिलेगा और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं तथा प्रशिक्षणों में ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी. इसे युवाओं को साधने की बड़ी राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है. जिस पर युवाओं में भारी उत्साह है.

रोहिणी आचार्य का संजय यादव पर अप्रत्यक्ष हमला, लालू परिवार में दरार के संकेत

संवाददाता । पटना

पटना। राष्ट्रीय जनता दल में तेजस्वी यादव के प्रमुख सलाहकार संजय यादव को लेकर अब पार्टी के भीतर ही विरोध के स्वर उभरने लगे हैं. यह विरोध किसी और ने नहीं, बल्कि पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बेटी और तेजस्वी की बहन रोहिणी आचार्य ने जताया है. रोहिणी ने एक फेसबुक पोस्ट साझा किया, जिसमें संजय यादव को लेकर कड़ी टिप्पणी की गई है. यह पोस्ट दरअसल सामाजिक कार्यकर्ता अलोक कुमार की थी, जिसमें उन्होंने तेजस्वी यादव की बिहार अधिकार यात्रा के दौरान 'रथ' की फ्रंट सीट पर संजय यादव के बैठने को लेकर नाराजगी जताई थी. अलोक ने लिखा कि यह सीट सदैव शीर्ष नेतृत्व के लिए आरक्षित होती है और उसकी अनुपस्थिति में भी किसी अन्य को वहां नहीं बैठना चाहिए. उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से संजय यादव पर खुद को शीर्ष नेतृत्व से ऊपर समझने का आरोप भी लगाया. इस पोस्ट को बिना कोई टिप्पणी किए रोहिणी आचार्य ने शेयर किया, जिसे संजय यादव के प्रति उनकी नाराजगी का प्रतीक माना जा रहा है.

सहरसा एयरपोर्ट के विस्तार के लिए भूमि सर्वेक्षण शुरू

सहरसा। सहरसा हवाई अड्डे से हवाई सेवा शुरू करने की तैयारी तेजी से आगे बढ़ रही है. एयरपोर्ट अथॉरिटी की तीन सदस्यीय टीम ने हवाई अड्डे के रनवे और आसपास के क्षेत्रों का दूसरा सर्वेक्षण शुरू कर दिया है. टीम लीडर रविन्द्र सिंह, रजत गुप्ता और पंकज सिंह हवाई सेवा में बाधा बनने वाले मोबाइल टावर, भवन, पेड़-पौधे आदि का निरीक्षण कर रहे हैं. साथ ही इलाके की जनसंख्या, रेलवे स्टेशन, स्कूल-कॉलेज और मेडिकल कालेज जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी एकत्रित की जा रही हैं. यह सर्वे छह दिन तक चलेगा.

पीएम मोदी के नेतृत्व में बिहार में सरकार बनाएंगे: अमित शाह

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद डेहरी-ऑन-सोन में शाहाबाद और मगध प्रक्षेत्र के 10 जिलों के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का लक्ष्य सरकार बनाना नहीं, बल्कि दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाना है. अमित शाह ने कहा कि 10 जिलों के सभी कार्यकर्ता संकल्प लें कि वो मोदी की नेतृत्व में बिहार में सरकार बनाएंगे. नीतीश की सरकार ने जो कुछ बिहार के लिए किया है. उसे घर-घर तक पहुंचाएंगे. इसके बाद अमित शाह ने वहां मौजूद लोगों से कहा कि आपकी आवाज राहुल गांधी तक जाना चाहिए. घुसपैठिये को वोट का अधिकार है क्या, घुसपैठियों को राशन मिलना चाहिए, उनको आयुष्मान कार्ड मिलना चाहिए, उनको वोट देने का अधिकार है क्या? अमित शाह के इन सवालों पर वहां मौजूद लोगों ने नहीं में जवाब दिया.

कारोबार

इथेनॉल में घटती हिस्सेदारी और कीमतों में स्थिरता चिंता का विषय

नई दिल्ली। सरकार की इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल योजना का उद्देश्य था ईंधन आयात पर निर्भरता कम करना और किसानों को नई आमदनी का जरिया देना. शुरुआत में गन्ने से बनने वाला इथेनॉल इस योजना की रीढ़ था. 2014 में जहां पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण 1.5% था, वह अब 20% तक पहुंच गया है. हालांकि, अब इसमें मक्का और गेहूं जैसे अनाजों की हिस्सेदारी 72% हो चुकी है, जबकि गन्ने का योगदान घटकर मात्र 27% रह गया है. 2024-25 में ग्रेन-आधारित इथेनॉल उत्पादन 650 करोड़ लीटर पहुंच गया, जबकि गन्ना आधारित उत्पादन सिर्फ 250 करोड़ लीटर रहा. गन्ना मिलों ने 2018 से अब तक 40,000 करोड़ से अधिक का निवेश किया है, जिससे उनकी उत्पादन क्षमता 140% बढ़ी है. लेकिन इथेनॉल की कीमतें तीन साल से स्थिर बनी हुई हैं.

भारत में करोड़पति परिवारों की बाढ़ 2021 से अब तक 90% की बढ़ोतरी

नयी दिल्ली । भारत में अमीरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है. मर्सिडीज-बेंज हुरुन इंडिया वेल्थ रिपोर्ट 2025 के अनुसार, जिन परिवारों के पास कम से कम 8.5 करोड़ रुपये की संपत्ति है, उनकी संख्या 2021 में 4.58 लाख से बढ़कर अब 8.71 लाख हो गई है. यह 90% की भारी बढ़ोतरी है. रिपोर्ट बताती है कि अब देश के कुल परिवारों में से 0.31% करोड़पति बन चुके हैं, जबकि 2021 में यह आंकड़ा सिर्फ 0.17% था. 2017 से 2025 के बीच संपत्ति वाले परिवारों में 445% की जबरदस्त वृद्धि देखी गई है. यह आर्थिक तरक्की, शेयर बाजार में निवेश से लाभ और नए व्यवसायों की बढ़त का नतीजा है. राज्यवार आंकड़ों में महाराष्ट्र सबसे आगे है, जहां 1.78 लाख करोड़पति परिवार हैं. मुंबई इस समय भारत की करोड़पति राजधानी है, जिसमें 1.42 लाख करोड़पति परिवार रहते हैं. दिल्ली में 79,800 और तमिलनाडु में 72,600 करोड़पति परिवार हैं.

अहमदाबाद के उमियाधाम मंदिर में अडानी सीमेंट ने बनाया विश्व का सबसे बड़ा राफ्ट फाउंडेशन

एजेंसी । अहमदाबाद

गुजरात की धरती पर आस्था और आधुनिक इंजीनियरिंग का अनोखा संगम देखने को मिला है. अहमदाबाद के पास जगत जननी मां उमिया धाम मंदिर के लिए अडानी सीमेंट ने दुनिया का सबसे बड़ा राफ्ट फाउंडेशन कास्ट कर इतिहास रच दिया. यह चुनौतीपूर्ण कार्य 54 घंटे तक लगातार चलता रहा और इसने धार्मिक अवसंरचना के लिए एक नया विश्व रिकॉर्ड कायम किया. इस मेगा ऑपरेशन में 24,100 घन मीटर ईकोमैक्सएक्स एम45 ग्रेड लो-कार्बन कंक्रीट, 3,600 टन उच्च गुणवत्ता वाला सीमेंट, 26 रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट और 285 से अधिक ट्रांजिट मिक्सर का उपयोग किया गया. 600 से ज्यादा कुशल श्रमिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने दिन-रात मेहनत कर यह काम बिना किसी रुकावट और बिना कोल्ड जॉइंट के पूरा किया. अडानी सीमेंट के लिए इस फाउंडेशन कास्टिंग की खास बात रही कि इसमें इस्तेमाल किए गए "ईकोमैक्सएक्स" कंक्रीट ने प्रोजेक्ट का कार्बन फुटप्रिंट 60% तक घटा दिया. साथ ही, "कूलक्रीट" तकनीक के इस्तेमाल से तापमान 28 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखा गया, जिससे थर्मल तनाव कम हुआ और फाउंडेशन की मजबूती बरकरार रही. इस दौरान थर्मोकपल्स के जरिए तापमान और संरचना की मजबूती की रियल-टाइम निगरानी भी की गई. अडानी ग्रुप के ग्रुप सीईओ (सीमेंट बिजनेस) विनोद बाहेती ने कहा, "उमिया धाम एक प्रतीकात्मक आध्यात्मिक स्थल बन रहा है, जो लगभग 60 एकड़ में फैला है और इसमें 2,000 करोड़ का निवेश हुआ है. यह प्रोजेक्ट केवल विश्व रिकॉर्ड बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अडानी सीमेंट की गुणवत्ता, पैमाने, गति और उद्देश्य को दर्शाता है. यह परियोजना आस्था और आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के बीच सेतु है."

जगत जननी मां उमिया मंदिर के विश्व उमिया फाउंडेशन के अध्यक्ष आर.पी. पटेल ने इस उपलब्धि को भारत की सांस्कृतिक और इंजीनियरिंग धरोहर के लिए गौरव का क्षण बताया. उन्होंने कहा कि अडानी सीमेंट की विशेषज्ञता ने इसे इस मेगा प्रोजेक्ट के लिए स्वाभाविक साझेदार बनाया. यह मंदिर 504 फीट ऊंचा होगा और 450x400x8 फीट के विशाल फाउंडेशन पर आधारित है. यह स्थान भविष्य में जसपुर स्थित 60 एकड़ के सामाजिक और सांस्कृतिक परिसर का आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, जिसमें 1,551 धर्म स्तंभ स्थापित होंगे. ईकोमैक्सएक्स एम45 मिश्रण में 66% सप्लीमेंट्री सीमेंटिशियस मटेरियल शामिल है, जिससे कंक्रीट का कार्बन उत्सर्जन काफी कम हुआ. "कूलक्रीट" तकनीक के कारण तापमान नियंत्रित रहा और थर्मल तनाव कम हुआ. इस भव्य राफ्ट फाउंडेशन कास्टिंग को 1,000 से अधिक लोग और ऑनलाइन 10,000 से अधिक दर्शकों ने देखा. अडानी सीमेंट की यह उपलब्धि न केवल भारत के बुनियादी ढांचे में उसके योगदान को दर्शाती है, बल्कि सतत विकास और सांस्कृतिक धरोहर के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है. वर्ल्ड वन टॉवर और चिनाब रेलवे ब्रिज जैसे अन्य मेगा प्रोजेक्ट्स के बाद उमिया धाम परियोजना ने अडानी सीमेंट की तकनीकी क्षमता और नवाचार को एक बार फिर साबित किया है. यह परियोजना इंजीनियरिंग की नई ऊंचाइयों के साथ-साथ आध्यात्मिक और सामाजिक समृद्धि के लिए भी मील का पत्थर है.

चीन की इकॉनमी में आई गिरावट: आज कई मोर्चों पर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है

नयी दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में चीन की आर्थिक स्थिति निरंतर कमजोर होती जा रही है और सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद भी अर्थव्यवस्था पटरी पर नहीं लौट पा रही है. अमेरिका के साथ जारी ट्रेड वॉर ने चीन की आर्थिक मुश्किलों को और बढ़ा दिया है. अमेरिका चीन का सबसे बड़ा एक्सपोर्ट मार्केट है, लेकिन अमेरिकी सरकार ने चीन पर 30 प्रतिशत तक टैरिफ लगा रखा है. इसका असर साफ नजर आ रहा है क्योंकि अगस्त 2025 में चीन से अमेरिका को होने वाले निर्यात में 33 फीसदी की गिरावट आई है. यह चीन की निर्यात क्षमता पर बड़ा झटका है और आर्थिक विकास की राह में बाधा बना हुआ है.

चीन के घरेलू निवेश में भी भारी कमी देखी गई है. साल के पहले 8 महीनों में फिक्स्ड इनवेस्टमेंट मात्र 0.5% बढ़ा है, जो महामारी के दौर को छोड़कर इतिहास में सबसे कम है. प्रॉपर्टी सेक्टर, जो चीन की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है, लंबे समय से संकट में है. प्रॉपर्टी इनवेस्टमेंट में इस साल 12.9% की गिरावट दर्ज की गई है, जो पिछले 25 वर्षों में सबसे बड़ी है. रियल एस्टेट संकट गहराता जा रहा है, जिससे पूरे देश की आर्थिक स्थिति पर खतरा मंडरा रहा है. इसके अलावा, अगस्त 2025 में इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन में केवल 5.2% की वृद्धि हुई है, जो अगस्त 2024 के बाद सबसे कम वृद्धि दर है. रिटेल सेल्स में भी लगातार तीसरे महीने गिरावट दर्ज हुई है.

ताज ग्रुप न्यूयॉर्क के द पियरे होटल की बिक्री कर सकता है

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप के ताज ग्रुप द्वारा न्यूयॉर्क स्थित प्रसिद्ध द पियरे होटल को बेचने की संभावना है. ब्रुनेई के सुल्तान और सऊदी अरब के व्यापारी एस्सम खशोगी इस प्रतिष्ठित होटल को खरीदने में रुचि रखते हैं. इस संभावित डील का मूल्य लगभग 2 बिलियन डॉलर बताया जा रहा है. अगर यह सौदा सफल होता है, तो ताज ग्रुप लगभग 20 साल बाद पियरे होटल का प्रबंधन छोड़ देगा. इसके बाद ताज ग्रुप के अमेरिका में केवल एक होटल बचेंगे, जो सैन फ्रांसिस्को में ताज कैम्पटन प्लेस है. ताज ग्रुप ने इस मामले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है. जानकारी के अनुसार, ताज ने यह होटल 2005 में खरीदा था और इसे उत्तरी अमेरिका का प्रमुख होटल बनाया था. 2009 में इस होटल का 100 मिलियन डॉलर का नवीनीकरण भी कराया गया था. द पियरे होटल और सैन फ्रांसिस्को का ताज होटल दोनों ही यूनाइटेड ओवरसीज होल्डिंग के अंतर्गत आते हैं, जो इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड की पूर्ण सहायक कंपनी है.

बड़ा तोहफा मारुति सुजुकी इंडिया ने ग्राहकों को जीएसटी कटौती का जोरदार फायदा दिया

मारुति कारों की कीमतों में बड़ी कटौती की घोषणा

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने गुरुवार को घोषणा की है कि वह 22 सितंबर से अपने वाहनों की कीमतों में अधिकतम 1.29 लाख रुपये तक की कटौती करेगी. कंपनी ने यह कदम सरकार द्वारा लागू जीएसटी रेट कटौती का फायदा सीधे ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए उठाया है. इस फैसले से ग्राहकों को कार खरीदने में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है और ऑटो इंडस्ट्री में बिक्री को भी बढ़ावा मिलेगा. मारुति सुजुकी के रजिस्ट्रेशन फाइलिंग के अनुसार, कंपनी के एंट्री-लेवल मॉडल एस प्रेसो की कीमत में 1,29,600 रुपये तक की कटौती की जाएगी. इसके अलावा, लोकप्रिय मॉडल ऑल्टो के10 की कीमत में 1,07,600 रुपये, सेलेरियो में 94,100 रुपये, वैगन-आर में 79,600 रुपये, और इग्निस में 71,300 रुपये तक की कमी होगी. प्रीमियम हैचबैक कारों की बात करें तो स्विफ्ट की कीमत 84,600 रुपये, बलेनो 86,100 रुपये, टूर एस 67,200 रुपये, डिजायर 87,700 रुपये, फ्रॉन्क्स 1,12,600 रुपये, ब्रेज़्ज़ा 1,12,700 रुपये, ग्रैंड विटारा 1,07,000 रुपये, जिमनी 51,900 रुपये, एर्टिगा 46,400 रुपये, और एक्सएल6 की कीमतों में 52,000 रुपये तक की कटौती की जाएगी. इसके अलावा, इनविक्टो की कीमतें 61,700 रुपये, ईको 68,000 रुपये, और सुपर कैरी एसीवी की कीमत 52,100 रुपये तक घटाई जाएगी.

सरकार ने हाल ही में पेट्रोल, सीएनजी और एलपीजी इंजन वाली कारों (1200सीसी तक और चार मीटर लंबाई तक) पर जीएसटी दर को 28% से घटाकर 18% कर दिया है. इसी प्रकार, डीजल इंजन वाली कारों (1500सीसी तक और चार मीटर लंबाई तक) पर भी 18% जीएसटी लागू किया जाएगा. यह नया जीएसटी रेट 22 सितंबर से प्रभावी होगा. विशेषज्ञों का मानना है कि इस बदलाव से कारों की खरीदना ग्राहकों के लिए ज्यादा किफायती हो जाएगा, जिससे ऑटो सेक्टर की बिक्री में सुधार की उम्मीद है. जीएसटी कटौती का असर पूरे ऑटो इंडस्ट्री पर दिखेगा. इससे न केवल कंपनियों को बिक्री में मदद मिलेगी, बल्कि उपभोक्ताओं को भी कार खरीदते समय पैसे की बचत होगी. मारुति सुजुकी के अलावा कई अन्य कंपनियों ने भी अपनी कारों की कीमतों में कटौती करने की घोषणा की है. खासकर प्रीमियम सेगमेंट की कार निर्माता कंपनियां भी अपने वाहनों के दाम घटाने लगी हैं, जिससे बाजार में प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों के लिए विकल्प बढ़ेंगे. इस जीएसटी रेट कटौती के साथ ही सरकार ने वाहन उद्योग को मजबूत करने और उपभोक्ताओं की जेब पर दबाव कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. आने वाले महीनों में ऑटोमोबाइल सेक्टर में इससे सकारात्मक असर देखने को मिलेगा और कार खरीदना आम जनता के लिए ज्यादा आसान हो जाएगा.

बैंकों को कमोडिटी डेरिवेटिव बाजार में निवेश की मिल सकती है मंजूरी

नयी दिल्ली। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे ने संकेत दिया है कि बैंकों, बीमा कंपनियों और पेंशन फंडों को गैर-कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव बाजारों में निवेश की अनुमति दी जा सकती है. इसके लिए सरकार से बातचीत की जाएगी. यह कदम भारतीय कमोडिटी बाजार को और अधिक गहराई और स्थिरता देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. उन्होंने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को गैर-नकद निपटान वाले गैर-कृषि कमोडिटी डेरिवेटिव अनुबंधों में व्यापार की अनुमति देने पर भी विचार किया जा रहा है. एक कार्यक्रम में बोलते हुए पांडे ने कहा कि दिसंबर 2025 तक एक सामान्य अनुपालन रिपोर्टिंग तंत्र में कमोडिटी विशेष ब्रोकरों को भी शामिल किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और निगरानी मजबूत होगी.

स्टॉक मार्केट में एयरफ्लोआ रेल की जबरदस्त एंट्री

नई दिल्ली। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री के साथ ही एरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर के लिए भी अहम पार्ट्स बनाने वाली कंपनी एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया. आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 140 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 266 रुपये के स्तर पर हुई. लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 279.30 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक पहुंच गए. इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया. एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का 91.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 11से 15 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से भी जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 301.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 214.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था. वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 349.88 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 330.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 65.07 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं. आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मशीनरी और नए इक्वीपमेंट की खरीदारी करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी. कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 14.23 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया.

न्यूज अपडेट

शेख हसीना व परिवार के नौ सदस्य चुनाव में नहीं कर पाएंगे मतदान

ढाका (बांग्लादेश) । देश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके परिवार के नौ सदस्य अगले साल फरवरी में होने वाले संसदीय चुनाव में मतदान नहीं कर पाएंगे. बांग्लादेश निर्वाचन आयोग ने इन सभी के राष्ट्रीय पहचान पत्रों (एनआईडी) को ब्लॉक कर दिया है. तुर्किये के सार्वजनिक प्रसारक टीआरटी वर्ल्ड की रिपोर्ट के अनुसार, आयोग के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि फरवरी में होने वाले अगले संसदीय चुनाव में देश के अंदर और बाहर दोनों जगह मतदान होगा. विदेश में रहने वाले लोग पहली बार ऑनलाइन पंजीकरण कराएंगे और डाक सुविधा के जरिए वोट डालेंगे.

चेन्नई में पांच ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी जारी

चेन्नई । प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों ने गुरुवार को चेन्नई में पांच से ज़्यादा जगहों पर छापेमारी की है. इनमें एक निर्माण कंपनी के मालिक और एक आभूषणों के कारोबारी से जुड़े पांच ठिकानों पर यह कार्रवाई चल रही है. अवैध धन हस्तांतरण के आरोपों को लेकर यह छापेमारी की जा रही है. बताया जा रहा है कि प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी गुरुवार सुबह से चेन्नई के सैदापेट और पुरासैवक्कम समेत पाँच से ज़्यादा जगहों पर छापेमारी कर रहे हैं. चेन्नई के सैदापेट स्थित श्रीनगर कॉलोनी में रहने वाले व्यवसायी रामकृष्णन रेड्डी एक निर्माण कंपनी के मालिक हैं. प्रवर्तन विभाग के अधिकारी सुबह से ही सीआरपीएफ जवानों की सुरक्षा में उनके घर पर छापेमारी कर रहे हैं. इसी तरह, प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी चेन्नई के पुरासैवक्कम इलाके में मोहनलाल खत्री के घर पर भी छापेमारी कर रहे हैं.

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मधुभाई कुलकर्णी का निधन

छत्रपति संभाजीनगर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक मधुभाई कुलकर्णी का गुरुवार को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में निधन हो गया. वे 88 वर्ष के थे और उम्रजनित समस्याओं के कारण कुछ समय से अस्पताल में भर्ती थे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजनीति में लाने में कुलकर्णी की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है.संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक कुलकर्णी का जन्म 17 मई 1938 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर में हुआ था. उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा चिकोडी में हुई. बाल्यकाल से ही उनका संपर्क राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से रहा. वे संघ की शाखाओं में नियमित रूप से भाग लेते थे. उन्होंने 1954 में कोल्हापुर से 10वीं कक्षा पास की और फिर मुंबई में कॉलेज की पढ़ाई के लिए गए.

पश्चिमी नेपाल में 4.6 तीव्रता का भूकंप, नुकसान की सूचना नहीं

काठमांडू। पश्चिमी नेपाल में बुधवार रात 4.6 तीव्रता का भूकंप आया. नेशनल सीस्मोलॉजिकल सेंटर ने बताया कि भूकंप रात 8:26 बजे आया, जिसका केंद्र पूर्वी रुकुम और बागलुंग जिलों की सीमा के पास था. अचानक आए भूकंप ने स्थानीय निवासियों को अपने घरों से बाहर निकलने पर मजबूर कर दिया. आज आए भूकंप का असर लुंबिनी, कर्णाली और गण्डकी प्रांतों के विभिन्न जिलों में व्यापक रूप से महसूस किया गया. अभी तक मानव हताहतों या संपत्ति के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है.

अमेरिका में सैन्य हेलीकॉप्टर लापता हुआ, दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका

वाशिंगटन (अमेरिका) । अमेरिका के वाशिंगटन राज्य के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड के आसपास एक सैन्य हेलीकॉप्टर के लापता होने के बाद दुर्घटना का शिकार होने की आशंका जताई गई है. बुधवार देर रात से सैन्य हेलीकॉप्टर की तलाश शुरू की गई है. सीबीएस न्यूज और एबीसी न्यूज चैनल ने प्रारंभिक खबरों में थर्स्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय के हवाले से कहा, समिट लेक क्षेत्र में एक अप्रत्याशित हेलीकॉप्टर दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद अधिकारियों को भेजा गया और संभवतः घटनास्थल का पता लगा लिया गया है. कार्यालय ने कहा, हमें सूचित किया गया है कि क्षेत्र में सेना के एक हेलीकॉप्टर से संपर्क टूट गया है और हम सहायता के लिए आवश्यक संसाधनों को तैनात करने के लिए जेबीएलएम के साथ मिलकर काम कर रहे हैं. इस बारे में कोई जानकारी नहीं है.

महाराष्ट्र के बुलढाणा में ट्रक और कार के बीच टक्कर में 4 की मौत

मुंबई । महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के मलकापुर के पास नेशनल हाइवे पर गुरुवार को तडक़े एक कार और एक ट्रक के बीच हुई जोरदार टक्कर में तीन महिलाओं सहित चार लोगों की मौत हो गई और 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. सभी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है. इस घटना की छानबीन मलकापुर पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है. इस घटना की जांच कर रहे पुलिस अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि आज तडक़े भुसावल से मलकापुर की ओर जा रही कार अचानक अनियंत्रित होकर सामने जा रहे ट्रक से टकरा गई. इस घटना में कार चालक साजिद अजीज बागवान और 3 महिलाओं समेत कुल चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई. तीनों मृतक महिलाओं की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है.

देहरादून में मृतकों की संख्या हुई 21

चमोली में अतिवृष्टि से बड़ा नुकसान, 10 लोग लापता

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड में बुधवार रात से लगातार हो रही बारिश कहर बरपा रही है. चमोली जिले के तहसील घाट नंदानगर में अतिवृष्टि से 10 लोगो के लापता होने की सूचना है. बताया जा रहा है कि कुंतरी लगा फाली तोक में 8 और धुरमा में 2 लोग लापता हैं.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताते हुए राहत एवं बचाव कार्य तेजी करने के निर्देश दिए हैं. इसके अलावा देहरादून, टिहरी में भी नुकसान की सूचना है. सड़क मार्ग जगह-जगह बंद हैं. चमोली जिले के ग्राम कुंतरी लगा फाली तोक में कुंवर सिंह पुत्र बलवंत सिंह (42), कांता देवी पत्नी कुंवर सिंह (38), विकास और विशाल पुत्र कुंवर सिंह (दोनों 10 वर्ष के), नरेन्द्र सिंह पुत्र ताल सिंह (40), जगदम्बा प्रसाद पुत्र ख्याली राम (70), भागा देवी पत्नी

जगदम्बा प्रसाद (65) व देवेश्वरी देवी पत्नी दिलबर सिंह (65), तहसील घाट नंदानगर के गांव धुरमा में गुमान सिंह पुत्र चन्द्र सिंह (75) और ममता देवी पत्नी विक्रम सिंह (38) लापता बताए जा रहे हैं. कुंतरी लगा फाली तोकमें छह भवन पूर्ण छतिग्रस्त हुए है. प्रशासन ने सूची जारी करने साथ ही राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को यह जानकारी दी है. एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीमें मोटे पर राहत एवं बचाव में जुटे गई हैं.

देहरादून जिले में चार और शव मिले : देहरादून जिले में सोमवार रात से बारिश लगातार जारी है. बुधवार देर रात राज्य आपदा प्राधिकरण ने जानकारी दी कि राहत एवं बचाव टीमों को चार अज्ञात शव बरामद हुए हैं. सौडा में एक, गुलरघाटी में एक, विकासनगर में एक व एक अन्य

शव बरामद हुआ है. मृतकों की कुल संख्या 21 हो चुकी है. 17 लोग अभी भी लापता हैं. एनडीआरएफ एसडीआरएफ व जिला प्रशासन की टीमें राहत एवं बचाव लगातार कार्य कर रही हैं.

टिहरी में कई योजनाओं को नुकसान बारिश से टिहरी जिले में जौनपुर, नरेन्द्र नगर विकास खंड में बारिश से बहुत नुकसान हुआ है. बारिश टिहरी जिले को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 34, राज्य मार्ग संपर्क मार्गो को भारी नुकसान हुआ है. जगह पेयजल लाइन, पेयजल पंपिंग योजना और मछली के तालाब भी क्षतिग्रस्त हुए है.

जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं. जिले में ऋषिकेश-चम्बा मोटर मार्ग, यमुनापुल-बड़कोट मोटर मार्ग, नरेंद्रनगर-रानीपोखरी मोटर मार्ग व रायपुर - कुमालड़ा - कददुखाल मोटर मार्ग अवरुद्ध होने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं. बागेश्वर में वाहन दुर्घटना बताया जा रहा है कि बागेश्वर जिले में एक वाहन दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है जबकि दो लोग घायल हैं. आज सुबह घटना की सूचना टीम मौके की ओर रवाना हो गई है.

भारत की आर्थिक स्थिति सकारात्मक निवेश में सावधानी बरतें : डॉ. नागेश्वरन

कोलकाता । भारत की व्यापक आर्थिक स्थिति सकारात्मक है, लेकिन सार्वजनिक निवेश में सावधानी बरतनी होगी. क्षमता को ध्यान में रखे बिना अति-निवेश से बचना चाहिए. हालिया प्रत्यक्ष कर राहत और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ी है. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को दिए जाने वाले ऋण में करीब 18 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है. यह बातें भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. वी. अनंथा नागेश्वरन गुरुवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में भारत चेम्बर ऑफ कॉमर्स की 125वीं वर्षगांठ के अवसर पर बोल रहे थे. इस दौरानउन्होंने देश की अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों और चुनौतियों पर विस्तृत आकलन प्रस्तुत किया. इस समारोह का विषय 'इंडियाः द मेकिंग ऑफ ए मिरेकल' था. उन्होंने डिजिटल भुगतान प्रणाली, विशेषकर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को आतिथ्य क्षेत्र की तेज वृद्धि में अहम कारक बताया. साथ ही, उन्होंने शहरी उपभोग को कमजोर बताने वाले दावों को "भ्रम" करार दिया और कहा कि यह धारणा चुनिंदा आंकड़ों पर आधारित है.

आधारहीन आरोप लगाना राहुल की आदत: ठाकुर

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तंज कसा है. भाजपा ने कहा कि 'हाइड्रोजन बम' फोड़ने वाले थे, लेकिन सिर्फ फुलझड़ी से ही काम चलाना पड़ा है ओर वो भी फुस्स हो गयी. आधारहीन आरोप लगाना इनकी आदत बन गई है. राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकार वार्ता में कहा कि उन्होंने (राहुल) आरोपों की राजनीति को अपना आभूषण बना लिया है. उन्होंने कहा कि चुनाव दर चुनाव हार और जनता से नकार दिए जाने वाले एक नेता, जिनके नेतृत्व में करीब 90 चुनाव कांग्रेस हार चुकी है. उनकी हताशा-निराशा लगातार बढ़ती जा रही है और आरोपों की राजनीति को राहुल ने अपना आभूषण बना लिया है. उन्होंने

कहा कि जब इनके द्वारा लगाए गए आरोपों को सत्यापित करने के लिए कहा जाता है तो पीठ दिखाकर भाग जाते हैं, शपथ पत्र देने को कहा जाता है तो मुकर जाते हैं. आधारहीन आरोप लगाना इनकी आदत बन गई है.

ठाकुर ने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा है कि ऑनलाइन किसी भी वोट को नहीं काटा जा सकता है और बगैर किसी की बात सुने उसका वोट नहीं काटते, उस पर निर्णय नहीं करते. राहुल का आरोप है कि 2023 में कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के नाम काटने के असफल प्रयास किए गए. इस पर चुनाव आयोग ने ही एफ आई आर करने को कहा था. चुनाव आयोग ने मोबाइल नंबर और आईपी एड्रेस पहले ही उपलब्ध करा दिया है. इतना सब करने के बाद कांग्रेस शासित कर्नाटक की सी आई डी ने अब तक क्या किया? रिकॉर्ड के अनुसार, आलंद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार ने ही जीत दर्ज की थी. तो क्या कांग्रेस ने वोट चोरी करके जीता था? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि हम लोकतंत्र बचाने नहीं आए तो क्या लोकतंत्र को बर्बाद करने की तैयारी है? भाजपा नेता ने कहा कि बार-बार संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव आयोग पर गलत व निराधार आरोप लगाना, कभी वीवीपैट पर, कभी ईवीएम पर, तो कभी चुनावी नतीजों पर प्रश्नचिह्न खड़ा करना, कभी टूलकिट के सहारे भारत की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना क्या यह कांग्रेस की आदत बन चुकी है?

भारतीय रेल विशेष अभियान 5.0 के सफल क्रियान्वयन के लिए है तैयार

नई दिल्ली । भारतीय रेल ने स्वच्छता को संस्थागत रूप देने और लंबित मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान 5.0 के सफल क्रियान्वयन की पूरी तैयारी कर ली है. यह अभियान 15 सितंबर से प्रारंभ हुआ है, जिसके तहत 2 से 31 अक्टूबर तक लक्ष्यों को पूरा किया जाएगा. रेल मंत्रालय ने गुरुवार को बयान जारी कर बताया कि रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की गहन निगरानी कर रहे हैं. सभी महाप्रबंधकों एवं अन्य इकाइयों के प्रमुखों को विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं. अभियान की तैयारियों को लेकर 27 अगस्त को रेलवे बोर्ड सचिव की अध्यक्षता में सभी नोडल अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई थी. मंत्रालय के अनुसार, विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत 17 जोनल रेलवे, 70 मंडल, 10 सार्वजनिक उपक्रम, 9 उत्पादन इकाइयां और 9 केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान सक्रिय भागीदारी करेंगे. इसके लिए 150 से अधिक नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं तथा रियल टाइम संवाद और अपडेट के लिए एक विशेष व्हाट्सएप समूह भी बनाया गया है.

बलूचिस्तान के डेरा बुगती में विस्फोट तीन नागरिकों की मौत, चार घायल हुए

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के डेरा बुगती जिले के सुई इलाके में बुधवार को दो अलग-अलग बारूदी सुरंग विस्फोटों में कम से कम तीन नागरिक मारे गए और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके अलावा खुजदार जिले में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में पांच आतंकवादियों को मार गिराया. द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, पहला विस्फोट सुबह करीब सात बजे साघारी गांव में हुआ. एक महिला, उसकी आठ साल की बेटी और गुलाम नबी की घर से बाहर निकलते ही मौके पर ही मौत हो गई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि विस्फोट इतना भीषण था कि पीड़ितों के शव पहचान में नहीं आ रहे थे. दूसरा विस्फोट यारू के सीमावर्ती इलाके में हुआ. इस विस्फोट में दो पुरुष, एक महिला और उसका

10 साल का बेटा घायल हो गए. लेवी के जवान मौके पर पहुंचे और घायलों को डेरा बुगती सिविल अस्पताल पहुंचाया. डॉक्टरों ने दो पीड़ितों की हालत गंभीर बताई है. लेवी और फ्रंटियर कोर के जवानों ने विस्फोट स्थलों की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया. अधिकारियों ने पुष्टि की कि विस्फोटक की प्रकृति का आकलन करने के लिए विशेषज्ञों की एक टीम बुलाई गई है. अधिकारियों ने घटना की जांच कराने की घोषणा की है. अभी तक किसी भी समूह ने विस्फोटों की जिम्मेदारी नहीं ली है.

पाक-सऊदी अरब के रक्षा समझौते के प्रभावों को परखेगा भारत

नई दिल्ली । भारत सरकार का कहना है कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रणनीतिक रक्षा समझौते का राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों और इसके क्षेत्रीय एवं वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले असर का अध्ययन किया जाएगा. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत सरकार राष्ट्रीय हितों और सभी क्षेत्रों से जुड़ी व्यापक राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है. प्रवक्ता ने कहा कि हमने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच एक रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर संबंधी खबरें देखी हैं. सरकार को इस बात की जानकारी थी.

सेना प्रमुख ने लिकाबाली सैन्य अड्डे का दौरा करके एलएसी पर देखीं युद्ध की तैयारियां

- सामरिक महत्व सैन्य अभियानों के बारे में जनरल द्विवेदी को महत्वपूर्ण जानकारी दी गई
- चीन के सैनिकों के साथ 2020 में गलवान घाटी हिंसक संघर्ष के बाद से इस क्षेत्र में 60 हजार से अधिक सैनिकों की तैनाती हुई है

एजेंसी । नई दिल्ली

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ चल रहे तनाव के बीच सैन्य संरचना की युद्ध तत्परता का आकलन करने के लिए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को अरुणाचल प्रदेश के लिकाबाली सैन्य अड्डे का दौरा किया. सैन्य अधिकारियों

ने जनरल द्विवेदी को कई महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में जानकारी दी, जिनमें परिचालन रणनीतियां, आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के साथ प्रौद्योगिकी का एकीकरण करने के साथ ही राष्ट्रीय विकास की पहल शामिल हैं. चीन के सैनिकों के साथ 2020 में गलवान घाटी हिंसक संघर्ष के बाद से इस क्षेत्र में 60 हजार से अधिक सैनिकों की तैनाती है. इसके साथ ही विवादित मैकमोहन रेखा के

पास स्थित अरुणाचल प्रदेश का सामरिक महत्व सैन्य अभियानों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है. भारत के 30वें सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालने के बाद जनरल द्विवेदी की यह यात्रा भारतीय सेना की पूर्वोत्तर सीमाओं पर उच्च स्तर की तत्परता और परिचालन क्षमता का आकलन करने के लिहाज से महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्तमान भू-राजनीतिक परिवेश में यह एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है.

लंदन यात्रा : विंडसर में ट्रंप की दूसरी ऐतिहासिक राजकीय यात्रा के दौरान 150 अरब पाउंड के निवेश का अनावरण

ट्रंप का विंडसर में स्वागत, पार्लियामेंट स्क्वायर में विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी । लंदन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ब्रिटेन की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान विंडसर कैसल में आयोजित राजकीय भोज में शाही परिवार के साथ शामिल हुए. उनका विंडसर में जोरदार स्वागत किया गया, जबकि हजारों लोगों ने अमेरिकी राष्ट्रपति की यात्रा का विरोध किया. रात्रिभोज में राजनेता, गणमान्य व्यक्ति और उच्च-प्रोफाइल तकनीकी उद्यमी भी मौजूद रहे. द गार्डियन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार विंडसर में डोनाल्ड ट्रंप की ऐतिहासिक दूसरी राजकीय यात्रा के दौरान 150 अरब

पाउंड के अमेरिकी निवेश का अनावरण किया गया है. ब्रिटिश सरकार के अनुसार बड़ी अमेरिकी कंपनियों से आने वाले नकदी प्रवाह के परिणामस्वरूप देश भर में लगभग 7,600 रोजगार के अवसर पैदा होंगे. आज ट्रंप के साथ होने वाली उच्चस्तरीय चर्चा से पहले प्रधानमंत्री ने कीर स्टारमर ने इस घोषणा का स्वागत किया.

विंडसर कैसल में ट्रंप के राजकीय भोज में शामिल होने वालों में एप्पल के टिम कुक और ओपनएआई के सैम ऑल्टमैन प्रमुख हैं. प्रधानमंत्री स्टारमर ने कहा कि ये निवेश ब्रिटेन की आर्थिक मजबूती का प्रमाण हैं और इस बात का एक स्पष्ट संकेत हैं कि हमारा देश खुला, महत्वाकांक्षी और नेतृत्व के लिए तैयार है. नौकरियां, विकास और अवसर- यही मैंने कामकाजी लोगों के लिए वादा किया था. ट्रंप की राजकीय यात्रा ठीक यही सब प्रदान कर रही है.

पेनसिल्वेनिया में हुई गोलीबारी में तीन पुलिस कर्मियों की मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के दक्षिणी पेनसिल्वेनिया में बुधवार को हुई गोलीबारी में तीन पुलिस अधिकारियों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना उत्तर कोडोरस टाउनशिप में हार रोड के उस क्षेत्र में हुई जो फिलाडेल्फिया से 100 मील पश्चिम में एक ग्रामीण समुदायिक क्षेत्र है. इस बीच पेनसिल्वेनिया राज्य पुलिस के आयुक्त क्रिस्टोफर पेरिस ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अधिकारी एक घरेलू प्रकरण की जांच के लिए घटनास्थल पर गए थे.

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एंटीफा को आतंकी संगठन घोषित किया

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने देश में सक्रिय आंदोलनकारी समूह 'एंटी-फासिस्ट' (एंटीफा) को प्रमुख आतंकवादी संगठन घोषित किया है. उन्होंने यह घोषणा बुधवार को ट्रुथ सोशल के माध्यम से की. इससे पहले सोमवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने अवैध आव्रजन पर की गई कार्रवाई के विरोध में किए गए एंटीफा के आंदोलन की आलोचना की थी. फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ने घोषणा में कहा, एंटीफा भयानक है. यह विरोध प्रदर्शन नहीं हैं.

छत्तीसगढ़ के सुकमा का मामला

पुलिस-नक्सलियों में मुठभेड़ इनामी महिला नक्सली ढेर

एजेंसी । सुकमा

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों ने गुरुवार को मुठभेड़ में 5 लाख की इनामी महिला नक्सली ढेर कर दिया. सुरक्षाबलों को मुठभेड़ स्थल से 315 बोर की रायफल और भारी मात्रा में विस्फोटक सहित नक्सल सामग्री बरामद हुई है. पुलिस अधीक्षक सुकमा ने इसकी पुष्टि की है. पुलिस अधीक्षक सुकमा किरण चव्हाण ने बताया कि सुकमा जिले के थाना गादीरास क्षेत्रांतर्गत गुफड़ी एवं पेरमापारा के मध्य पश्चिमी क्षेत्र के जंगल की पहाड़ी में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने आज सुबह से ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया था. उन्होंने बताया कि इस अभियान के दौरान डीआरजी के जवानों के साथ नक्सलियों की मुठभेड़ हुई. मुठभेड़ स्थल को सर्च करने पर एक महिला नक्सली का शव हथियार सहित बरामद हुआ. इसके अलावा बहुत बड़ी संख्या में विस्फोटक आदि सामग्री भी मिली है. उन्होंने बताया कि मारी गई महिला नक्सली 5 लाख इनामी एसीएम कैडर की कबूस्की नुप्पों (मलांगीर एरिया कमेटी) की सदस्य थी. वह 9 मामलों में वांछित थी. इसमें थाना अरनपुर के 7 मामले, थाना कुंआकोंडा का 01 मामला और थाना गादीरास का एक मामला शामिल है .

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.